● वर्ष : 17 ● अंक : 136 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का सम्मान

दिल्ली से प्रकाशित

शनिवार 07 मार्च 2026

कृषि क्षेत्र को नई ऊर्जा देना जरूरी: मोदी

केमिकल-फ्री और नेचुरल फार्मिंग को बढ़ावा देकर कृषि निर्यात बढ़ाने पर जोर : मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

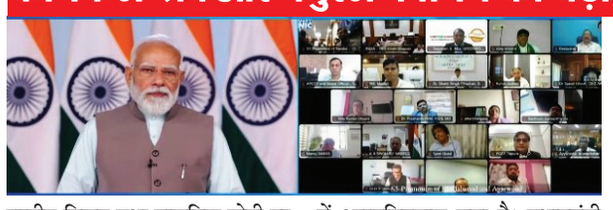

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण ऑर्गेनिक और केमिकल-फ्री खाद्य उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है और भारत को इस अवसर का लाभ उठाते हुए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर कृषि उत्पादों को निर्यात उन्मुख बनाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने "कृषि एवं ग्रामीण परिवर्तन" विषय पर आयोजित पोस्ट बजट वेबिनार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि आज वैश्विक स्तर पर ऑर्गेनिक डाइट, ऑर्गेनिक फूड और समग्र स्वास्थ्य देखभाल के प्रति लोगों की रुचि बढ़ रही है। ऐसे में भारत के किसानों के लिए प्राकृतिक खेती और केमिकल-फ्री उत्पाद वैश्विक बाजारों तक पहुंचने का एक "हाईवे" बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए प्रमाणन, प्रयोगशालाओं और आवश्यक ढांचे के विकास पर विचार कर रही है, लेकिन इस दिशा में सभी संबंधित पक्षों को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि केवल एक फसल पर निर्भर रहने से किसानों के लिए जोखिम बढ़ जाता है और आय के विकल्प सीमित हो जाते हैं। इसी कारण सरकार फसल विविधीकरण पर विशेष जोर दे रही है। खाने के तेल और दालों के लिए राष्ट्रीय मिशन तथा प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन जैसे प्रयास कृषि क्षेत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि भारत की दीर्घकालिक विकास यात्रा का एक रणनीतिक स्तंभ है। इसी सोच के साथ सरकार ने पिछले वर्षों में कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत करीब 10 करोड़ किसानों को चार लाख करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता दी जा चुकी है, जिससे किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिली है। उन्होंने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में सुधार के कारण किसानों को उनकी लागत का डेढ़ गुना तक लाभ मिल रहा है। संस्थागत ऋण की पहुंच 75 प्रतिशत से अधिक किसानों तक हो चुकी है। वहीं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत लगभग दो लाख करोड़ रुपये के दावों का निपटारा किया गया है। इन पहलों के कारण किसानों का जोखिम कम हुआ है और कृषि क्षेत्र में आत्मविश्वास बढ़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत अनाज, दालों और तिलहन का रिकॉर्ड उत्पादन कर रहा है, लेकिन 21वीं सदी के दूसरे चरण में प्रवेश करते हुए कृषि क्षेत्र में नई ऊर्जा भरना आवश्यक है। इस वर्ष के बजट में इसी दिशा में कई नए अवसर प्रदान किए गए हैं, जो उत्पादकता बढ़ाने और कृषि निर्यात को प्रोत्साहित करने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि वैश्विक बाजार तेजी से खुल रहे हैं और दुनिया की मांग में बदलाव आ रहा है। ऐसे में भारत को अपनी कृषि को निर्यात उन्मुख बनाने पर ध्यान देना होगा। देश के विविध जलवायु क्षेत्रों और समृद्ध एग्रो-क्लाइमेटिक जोन का लाभ उठाकर विभिन्न प्रकार की फसलों का उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट में उच्च मूल्य वाली कृषि पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके तहत नारियल, काजू, कोको और चंदन जैसी फसलों को क्षेत्रीय आधार पर प्रोत्साहित करने की योजना है। उन्होंने बताया कि दक्षिण भारत के राज्यों, विशेषकर केरल और तमिलनाडु में बड़ी मात्रा में नारियल का उत्पादन होता है, लेकिन कई स्थानों पर पेड़ पुराने हो चुके हैं और उनकी उत्पादकता कम हो गई है। इसलिए बजट में नारियल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिससे किसानों की आय बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि हिमालयी राज्यों में टेम्पर्ड नट फसलों को बढ़ावा देने का भी प्रस्ताव किया गया है। जैसे-जैसे निर्यात उन्मुख उत्पादन बढ़ेगा, वैसे-वैसे प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। इसके लिए सरकार, कृषि विशेषज्ञों, उद्योग और किसानों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यदि उच्च मूल्य वाली कृषि को सामूहिक प्रयासों से बढ़ावा दिया जाए तो भारत का कृषि क्षेत्र वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकता है। इसके लिए गुणवत्ता, ब्रांडिंग और अंतरराष्ट्रीय मानकों को बढ़ावा देना जरूरी है, ताकि भारतीय कृषि उत्पादों की वैश्विक बाजारों में मजबूत पहचान बन सके।

प्रधानमंत्री मोदी ने संस्कृत सुभाषित से दृढ़ संकल्प और परिश्रम की शक्ति बताई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दृढ़ संकल्प और निरंतर मेहनत की शक्ति को रेखांकित करते हुए एक संस्कृत सुभाषित का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत के लोग अपने दृढ़ निश्चय से सबसे कठिन कार्यों को भी संभव बना सकते हैं। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को एक्स पोस्ट में कहा कि जब लोग सही दिशा में लगातार प्रयास करते हैं, तो वे बड़े से बड़े लक्ष्य को भी प्राप्त कर लेते हैं। उन्होंने इस संदर्भ में संस्कृत का एक सुभाषित साझा किया, "यद् दूरं यद् दुराध्यं यच्च दूरे सत्यम्। तत् सर्वं तपसा साध्यं तपो हि दुरतिक्रमम्॥" इस सुभाषित का अर्थ है कि लक्ष्य चाहे कितना भी दूर या कठिन क्यों न लगे, दृढ़ संकल्प, धैर्य और निरंतर परिश्रम के माध्यम से उसे हासिल किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने संदेश में लिखा कि भारत के लोग अपने दृढ़ निश्चय से किसी भी कार्य को संभव बना सकते हैं और सही दिशा में की गई कड़ी मेहनत से वे बड़े से बड़े लक्ष्य को भी हासिल कर सकते हैं।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

इजरायल-ईरान की जंग के दो पाटों में फंसा भारत

अमेरिका और इजरायल ने ईरान के ऊपर हमला करके सारी दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की ओर ढकेल दिया है। इसमें भारत की हालत सबसे ज्यादा खराब है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के आठवें दिन सबसे ज्यादा खामियाजा भारत को भुगतना पड़ रहा है। जिस लड़ाई से भारत का कोई लेना-देना नहीं था, उसी लड़ाई में भारत को इतना बड़ा नुकसान होगा, शायद यह भारत ने नहीं सोचा होगा। अब जो परिणाम सामने आ रहे हैं, उसके बाद निश्चित रूप से भारत की सरकार को समझ आ रहा होगा। सास-बहू के झगड़े में जिस तरह से पति की स्थिति सबसे दयनीय होती है। ना तो वह अपनी मां के पक्ष में बोल पाता है, ना पत्नी के पक्ष में बोल पाता है। आज वही स्थिति भारत की इजरायल और ईरान के युद्ध के बीच में देखने को मिल रही है। इजरायल द्वारा युद्ध के दूसरे ही दिन ईरान के धार्मिक नेता आयतुल्लाह खामेनेई और ईरान की पहली और दूसरी पंक्ति के नेताओं और सुरक्षा कमांडरों को निशाना बनाकर मार दिया गया। उसके बाद ईरान ने आर-पार की लड़ाई की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। अमेरिका और इजरायल को ईरान की सैन्य ताकत के बारे में शायद सही अंदाजा नहीं था। जिसके कारण उन्होंने इतना बड़ा जोखिम मोल ले लिया, जो अब उनसे संभाले नहीं संभल रहा है। इजरायल ने ईरान के स्कूल में हमला करके 180 बच्चियों की सामूहिक हत्या की थी। उसके बाद ईरान बुरी तरह से भड़क गया। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल के तेलअबीब और येरूसलम को सबसे पहले निशाने में लिया उसके बाद संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कतर और खाड़ी देशों में जहां पर अमेरिकी सैन्य अड्डे थे, उन पर ईरानी मिसायलों से हमला किया। सबसे आश्चर्यजनक बात यह रही, कि इजरायल का जो रक्षा सिस्टम था, वह ईरान की मिसाइलों का मुकाबला नहीं कर पाया। इजरायल को भारी नुकसान उठाना पड़ा। कुछ इस तरह की स्थिति खाड़ी देशों के अमेरिकी सैन्य अड्डों की रही। जहां ईरान की मिसाइलें भारी नुकसान पहुंचा रही हैं। रही-सही कसर ईरान ने हार्मोज जल क्षेत्र से समुद्री जहाजों की आवाजाही को पूरी तरह रोक दिया। जिसके कारण लगभग 30 फ़ीसदी देशों की तेल आपूर्ति और आयात निर्यात एक तरह से बंद हो गया है। अमेरिका द्वारा अपने सैन्य अड्डों की सुरक्षा नहीं कर पाने के कारण खाड़ी के देशों में भी दहशत फैल गई। रही-सही कसर अमेरिका ने ईरान के एक जहाज को, जो भारत के साथ शांतिपूर्वक युद्ध अभ्यास के लिए आया हुआ था। उस जहाज को अंतर्राष्ट्रीय समुद्र सीमा, जो श्रीलंका के पास लगती है। उस पर अमेरिका ने हमला करके उसे डूबा दिया। जिसके कारण ईरान के 87 से अधिक सैनिक मारे गए। 32 से अधिक नौसैनिक घायल हो गए हैं। इसमें भारत की भूमिका सबसे ज्यादा नकारात्मक रही है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के अगले पीएम बन सकते हैं बालेन शाह, भारत के खिलाफ देते रहे हैं विवादित बयान

नई दिल्ली। नेपाल में अगले पीएम के चुनाव के लिए वोटिंग के एक दिन बाद देश इतिहास रचने जा रहा है। रैपर से नेता बने बालेन शाह पीएम बनने की राह पर हैं। नेपाल की सियासत में उभरते चेहरे बालेन शाह अक्सर भारत को लेकर अपने बयानों और फैसलों की वजह से चर्चा में रहते हैं। काठमांडू के मेयर बनने के बाद बालेन ने कई ऐसे कदम उठाए, जिन्हें भारत के खिलाफ सख्त रुख के तौर पर देखा गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सबसे बड़ा विवाद तब हुआ, जब उन्होंने अपने दफ्तर में 'ग्रेटर नेपाल' का नक्शा लगवाया, जिसमें यूपी, बिहार और पश्चिम बंगाल समेत भारत के कई इलाकों को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया था। यह नक्शा भारत की नई संसद में लगे 'अखंड भारत' के भित्तिचित्र के जवाब के तौर पर देखा गया। बालेन शाह के इस कदम ने भारत-नेपाल संबंधों पर नई बहस छेड़ दी थी। इसके अलावा उन्होंने फिल्म 'आदिपुरुष' के एक डायलॉग को लेकर काठमांडू में हिंदी फिल्मों की स्क्रीनिंग पर रोक लगाने की चेतावनी भी दी थी। रिपोर्ट के मुताबिक जून 2023 में काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह ने अपने ऑफिस में नेपाल का नया मैप लगाया, जिस पर भारत ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई थी। इस मैप में भारत के कई राज्यों के कुछ हिस्सों को ग्रेटर नेपाल का हिस्सा बताया गया था।

अनिल अंबानी से जुड़ी कंपनियों पर तड़के ईडी की बड़ी कार्रवाई, मुंबई में कई ठिकानों पर छापे

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार तड़के उद्योगपति अनिल अंबानी और उनकी कंपनी रिलायंस पावर लिमिटेड से जुड़े कारोबारियों और सहयोगियों के ठिकानों पर बड़े पैमाने पर छापेमारी की। यह कार्रवाई कथित वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच के तहत की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ईडी की करीब 15 विशेष टीमों ने मुंबई में अलग-अलग स्थानों पर एक साथ कार्रवाई शुरू की। बताया जा रहा है कि शहर में लगभग 10 से 12 ठिकानों पर तलाशी ली जा रही है। इनमें रिलायंस पावर से जुड़े कुछ व्यवसायियों के पंजीकृत कार्यालय, कॉरपोरेट दफ्तर और आवासीय परिसरों को भी शामिल किया गया है। सूत्रों के मुताबिक जांच एजेंसी रिलायंस पावर से जुड़े संदिग्ध फंड ट्रांसफर, वित्तीय लेनदेन और निवेश से संबंधित दस्तावेजों की पड़ताल कर रही है। ईडी को शक है कि कंपनी से जुड़े कुछ लेनदेन में नियमों का उल्लंघन किया गया है और धन को अलग-अलग माध्यमों से ट्रांसफर किया गया। बताया जा रहा है कि छापेमारी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड और वित्तीय लेनदेन से जुड़े सबूतों की जांच की जा रही है। अधिकारियों की टीमें कंप्यूटर, सर्वर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भी पड़ताल कर रही हैं, ताकि संदिग्ध ट्रांजेक्शनों की पूरी जानकारी सामने आ सके।

19 साल की उम्र में बनी देश की सबसे कम उम्र की महिला सीए

जयपुर। राजस्थान के झुंझुनूं जिले की प्रतिभाशाली छात्रा राजकुमारी पारीक ने चार्टर्ड अकाउंटेंसी की अंतिम परीक्षा पास कर देश की सबसे कम उम्र की महिला चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने महज 19 वर्ष 126 दिन की आयु में यह उपलब्धि हासिल कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले देश की सबसे कम उम्र की महिला सीए बनने का रिकॉर्ड मध्य प्रदेश के मुरैना की नंन्दनी अग्रवाल के नाम था, जिन्होंने करीब 19 वर्ष 330 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। राजकुमारी पारीक ने इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए नया इतिहास रच दिया है। राजकुमारी की सफलता की खास बात यह है कि उन्होंने अपनी पढ़ाई और प्रशिक्षण का अधिकांश हिस्सा अपने गृह जिले झुंझुनूं से ही पूरा किया। उनकी प्रारंभिक शिक्षा भी झुंझुनूं में ही हुई। इसके बाद उन्होंने सीए की प्रारंभिक और इंटरमीडिएट परीक्षाओं की तैयारी भी स्थानीय स्तर पर करते हुए सफलता हासिल की। चार्टर्ड अकाउंटेंसी की परीक्षा को देश की सबसे कठिन पेशेवर परीक्षाओं में से एक माना जाता है। बताया जाता है कि राजकुमारी के पिता हेमंत कुमार पारीक अरुणाचल प्रदेश में मोटर पार्ट्स के व्यवसाय से जुड़े हैं, जबकि उनकी माता सावित्री देवी गृहिणी हैं। परिवार ने हमेशा उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित किया, जिसका परिणाम आज देश के सामने एक मिसाल के रूप में सामने आया है।

आज पुराने विचार बदल रहे हैं, हमें इन अनिश्चितताओं को समझना होगा

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मिडिल ईस्ट के हालात पर की अहम टिप्पणी

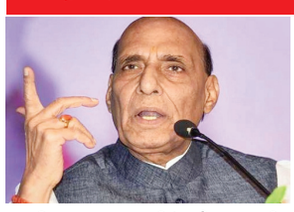

ईरान पर जिस तरह से इजराइल-अमेरिका ने अटैक किया, उसके बाद से मध्य एशिया में तनाव किसी से छिपा नहीं है। इस हमले को एक हफ्ते हो चुके हैं इसके बावजूद दोनों ओर से जवाबी एक्शन जारी है। मिडिल ईस्ट में टेंशन पर पूरी दुनिया की निगाहें हैं। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मध्य एशिया के हालात पर अहम टिप्पणी। उन्होंने कहा कि आज पुराने विचार बदल रहे हैं। पुराने ग्लोबल ऑर्डर और पुरानी मान्यताएं तेजी से बदल रही हैं और हमें इन अनिश्चितताओं को समझना होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजनाथ सिंह ने कहा कि पहले समुद्र को केवल व्यापार का माध्यम माना जाता था, लेकिन आज हम देख सकते हैं कि यह रणनीतिक प्रभुत्व का केंद्र बन रहा है। वैश्विक स्तर पर बदलाव हो रहा है, पुरानी रूढ़ियां, वैश्विक व्यवस्थाएं और मान्यताएं टूट रही हैं। हमें इन अनिश्चितताओं को समझना होगा। उन्होंने कहा कि ग्लोबल लेवल पर बदलाव हो रहा है। हमें इन अनिश्चितताओं को समझना होगा। मिडिल ईस्ट की मौजूदा स्थिति इसका एक ज्वलंत उदाहरण हैं। केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा कि आज सप्लाई चेन रीअलाइन हो रहे। एनर्जी के रास्तों को लेकर नए समीकरण बन रहे हैं। आज हम स्पष्ट रूप से देख रहे कि समुद्र रणनीतिक उपस्थिति का भी केंद्र बनता जा रहा है। दुनिया बदल रही और पुरानी स्थितियां टूट रही हैं। जो ऊपर से प्वाइंट एक-दूसरे जुड़े हुए नजर आ रहे, हर भौगोलिक स्थिति की अलग-अलग कहानी है। आज ग्लोबल लेवल पर कुछ नया हो रहा है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल लेवल पर परिवर्तन चल रहा है। यही वो अनिश्चितता है जिन्हें हमें समझना होगा। मिडिल ईस्ट की स्थिति इसका ज्वलंत उदाहरण है। आज वहां जो हो रहा है वह बहुत ही असामान्य है और यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि वहां या हमारे पड़ोस में स्थिति किस प्रकार बदलेगी।

दिल्ली में बैठकर बोले ट्रंप के मंत्री- हम चीन की तरह भारत को नहीं देंगे आर्थिक फायदे

नई दिल्ली। भारत के प्रमुख भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक सम्मेलन रायसीना डायलॉग को संबोधित करते हुए क्रिस्टोफर लैंडौ ने कहा कि अमेरिका भारत की असीमित संभावनाओं को साकार करने के लिए उसके साथ काम करना चाहता है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत को यह समझना होगा कि अमेरिका पुरानी गलतियों से सीख चुका है। उन्होंने कहा- हम भारत के साथ वह गलती नहीं दोहराने जा रहे हैं, जो हमने 20 साल पहले चीन के साथ की थी। चीन इन्हीं छूटों का फायदा उठाकर आज अमेरिका का एक बड़ा प्रतिद्वंद्वी बन गया है। क्रिस्टोफर लैंडौ ने कहा, हम उस व्यापार समझौते को लेकर उत्साहित हैं जो अब लगभग अंतिम चरण में है, और मुझे लगता है कि यह वास्तव में असीमित संभावनाओं के द्वार खोलने का आधार बन सकता है। हम भारत और इन आर्थिक व वाणिज्यिक अवसरों पर ध्यान केंद्रित करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। लेकिन भारत को यह समझना चाहिए कि हम भारत के साथ वो गलतियां नहीं दोहराने जा रहे हैं जो हमने 20 साल पहले चीन के साथ यह कहकर की थीं कि, आप इन सभी बाजारों को विकसित कर सकेंगे, और फिर बाद में हम देखते हैं कि आप हमें ही कई व्यावसायिक मोर्चों पर पछाड़ रहे हैं।

एनएचएआई ने 5,100 से अधिक महिलाओं को टोल प्लाजा पर तैनात किया

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे स्थित टोल प्लाजा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए देशभर में 1,140 से अधिक टोल प्लाजा पर दिन की शिफ्ट में 5,100 से अधिक महिला कर्मचारियों को तैनात किया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य टोल संचालन में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना, रोजगार के अवसर पैदा करना और टोल प्लाजा पर यात्रियों को अधिक संवेदनशील और उपयोगकर्ता अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना है। अधिकारियों का कहना है कि महिला कर्मचारियों की तैनाती से विवादों की संभावना कम होगी और सेवा की गुणवत्ता बेहतर होगी। एनएचएआई ने इस निर्णय पर विभिन्न हितधारकों, टोल ऑपरेटरों और उद्योग संगठनों जैसे नेशनल हाईवेज बिल्डर फेडरेशन, हाईवे ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और ऑल इंडिया यूज़र फी कॉन्ट्रैक्टर्स फेडरेशन से चर्चा की थी। सभी ने इस पहल का समर्थन किया और महिला कर्मचारियों को दिन की शिफ्ट में तैनात करने पर सहमति जताई।

अमेरिका का रुसी तेल खरीद पर छूट से संबंधित बयान भारतीय संप्रभुता का अपमानः कांग्रेस

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट के भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने को लेकर 30 दिन की अस्थाई छूट से जुड़े बयान को लेकर कांग्रेस ने इसे देश की संप्रभुता का अपमान बताया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय संप्रभुता गंभीर खतरे में है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ब्लैकमेल हो रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारत को अनुमति देने की भाषा उन देशों के लिए इस्तेमाल होती है जिन पर प्रतिबंध लगे हों, न कि भारत जैसे जिम्मेदार साझेदार के लिए। मोदी सरकार लगातार कूटनीतिक स्पेस छोड़ रही है और भारत को एक 'अमेरिका के अधीन अभाषी देश' बना दिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लिखा कि भारत की विदेश नीति जनता की सामूहिक इच्छा से निकलती है और यह सत्य एवं अहिंसा पर आधारित होनी चाहिए। आज जो हो रहा है वह नीति नहीं बल्कि एक समझौता कर चुके व्यक्ति के शोषण का नतीजा है। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने कहा कि अमृत काल में भारतीय प्रधानमंत्री को तेल खरीदने के लिए दूसरे देशों से अनुमति मांगनी पड़ रही है, जो भारत की संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय साख के लिए बेहद अपमानजनक है। अमेरिका की शर्तों के आगे झुकने के बजाय भारत को स्वतंत्र रुख अपनाना चाहिए और सर्वोच्च राष्ट्रीय हित में खुद निर्णय लेना चाहिए। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की ऊर्जा नीति के कारण अमेरिका में तेल और गैस उत्पादन अभी तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति बरकरार रखने के लिए अमेरिकी वित्त विभाग ने भारतीय रिफाइनरों को रूसी तेल खरीदने की अनुमति देने से संबंधित 30 दिनों की अस्थायी छूट दी है।

अमेरिका-इजराइल के हमले से ईरान में भारी तबाही, लेबनान से भागने लगे लोग

एजेंसी। तेहरान/लेबनान/वाशिंगटन

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच छिड़े युद्ध का आज सातवां दिन है। इजराइल ने सारी रात ईरान की राजधानी तेहरान पर मिसाइल और रॉकेट दागे हैं। इससे कई जगह आग लग गई। तेहरान की इमारतों से इस समय भी धुआं उठ रहा है। यही हाल लेबनान की राजधानी बेरूत का है। राजधानी में दहशत है। लोग लेबनान छोड़कर भागने लगे हैं। इजराइल ने लेबनान में सारी रात हवाई हमले किए। आतंकी समूह हिजबुल्लाह को निशाना बनाया।

धमाकों से ईरान का आसमान चमक उठा : सीएनएन की आज दोपहर बाद प्रसारित रिपोर्ट के अनुसार, धमाकों से ईरान का आसमान चमक उठा है। तेहरान धुएं से भर गया है। इजराइल के एक व्यस्त शॉपिंग स्ट्रीट पर किए गए हमले से जानमाल की भारी क्षति हुई है। इजराइल ने स्वीकार किया है कि उसने लेबनान की राजधानी में पूरी रात हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाया। हमले से पहले स्थानीय निवासियों को इलाका खाली करने की चेतावनी जारी की गई।

खामेनेई के उत्तराधिकारी के चयन में शामिल होना चाहते हैं ट्रंप : इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई के उत्तराधिकारी के चयन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इस प्रक्रिया में उन्हें भी शामिल किया जाए। ट्रंप ने कहा कि गैस की बढ़ती कीमतों से अमेरिका को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। भले ही युद्ध से ग्लोबल एनर्जी सप्लाई में रुकावट आ रही हो। उन्होंने कहा कि भारत को समुद्र में फंसे रूसी तेल को खरीदने के लिए 30 दिन की छूट दे दी है।

ईरान के कमजोर पड़ने का दावा : द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और इजराइल ने कहा कि ईरान के मिसाइल हमले में काफी कमी आई है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने दावा कि उनके हमलों की लहरों ने ईरान के 80 प्रतिशत एयर डिफेंस और 60 प्रतिशत मिसाइल लॉन्चर तबाह कर दिए हैं। जमीर ने कहा कि हमला अभी जारी रहेगा। जमीर ने माना कि ईरान ने मध्य इजराइल पर रात को क्लस्टर वॉरहेड दागा।

ब्रिगेडियर जनरल वाहिदी बने आईआरजीसी के नए कमांडर, ट्रंप के दुश्मन को मिली ताकतवर कमान

तेहरान। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच छिड़े भीषण युद्ध के बीच एक बड़ा सैन्य उलटफेर देखने को मिला है। ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की कमान अब ब्रिगेडियर जनरल अहमद वाहिदी को सौंपी गई है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब ईरान की सीनियर मिलिट्री लीडरशिप को इजरायल और अमेरिका के हमलों में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। हाल ही में मोहम्मद पाकपुर और हुसैन सलामी जैसे शीर्ष कमांडरों की मौत के बाद वाहिदी को इस बेहद शक्तिशाली पद की जिम्मेदारी दी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप के पुराने दुश्मन माने जाने वाले वाहिदी की नियुक्ति इस बात का संकेत है कि ईरान अब इस जंग में आर-पार की लड़ाई लड़ने के मूड में है। ब्रिगेडियर जनरल अहमद वाहिदी का सैन्य और राजनीतिक करियर बेहद लंबा और प्रभावशाली रहा है। वे 1970 के दशक के अंत से ही आईआरजीसी के साथ जुड़े हुए हैं और 1980 के दशक में उन्होंने खुफिया और सैन्य अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

केजरीवाल का विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग का अनुरोध खारिज

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा ने विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग की आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल के अनुरोध को खारिज कर दिया है। दिल्ली विधानसभा ने आज पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग के उनके अनुरोध को खारिज कर दिया है। समिति ने 'फांसी घर' से जुड़े मामले में केजरीवाल को समन जारी कर शुक्रवार को 03 बजे तलब किया हुआ है। इसके बाद गुरुवार को केजरीवाल ने एक पत्र लिखकर विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही लाइव स्ट्रीमिंग करने का अनुरोध किया था। अध्यक्ष के निर्देश के मुताबिक विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही गोपनीय होती है और प्रक्रिया के नियम इसकी लाइव स्ट्रीमिंग की इजाजत नहीं देते हैं। इसके अलावा, विशेषाधिकार समिति की बैठक का संसद या दूसरे राज्यों में टेलीकास्ट होने का कोई उदाहरण नहीं है। अध्यक्ष ने इस मामले में केजरीवाल को जानकारी न होने पर भी हैरानी जताई है, जबकि वे दस साल से ज्यादा समय तक विधानसभा के सदस्य रहे हैं। इस समय भी विशेषाधिकार समिति की कई बैठकें हुईं, लेकिन एक भी बैठक का कभी टेलीकास्ट/लाइव स्ट्रीम नहीं किया गया।

शिवराज चौहान शनिवार को चेन्नई दौरे में नारियल संवर्धन योजना पर स्टेक होल्डर से करेंगे बात

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को चेन्नई दौरे पर रहेंगे जहां वे आईआईटी में किसानों से बात करेंगे। वे नारियल संवर्धन योजना पर विभिन्न स्टेक होल्डर से भी मुलाकात कर उनके सुझाव लेंगे। केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नारियल उत्पादकों के लिए नारियल संवर्धन योजना बनाई जिसकी घोषणा बजट में की गई है। इस योजना में नारियल उत्पादन से संबंधित हर पहलू पर विचार कर उसकी उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने को लेकर फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आईआईटी चेन्नई में किसानों और स्टेक होल्डर्स से चर्चा होगी। उन्होंने किसानों से इस संबंध में सुझाव भी मांगे। उल्लेखनीय है कि बजट 2026 में घोषित नारियल संवर्धन योजना का उद्देश्य पुराने और कम उत्पादक नारियल पेड़ों को हटाकर नई उन्नत किस्मों के पौधे लगाना है, जिससे नारियल की उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार हो। यह योजना नारियल किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादन में विविधता लाने और नए रोजगार के अवसर पैदा करने पर केंद्रित है।

दिल्ली के नवनियुक्त उपराज्यपाल संधू ने प्रधानमंत्री-गृह मंत्री का जताया आभार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के नवनियुक्त उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने दिल्लीवासियों की सेवा का अवसर प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार प्रकट किया है। संधू ने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को पोस्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व और दूरदर्शी मार्गदर्शन सदैव प्रेरणा का स्रोत रहा है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के विश्वास और मार्गदर्शन के लिए भी आभार व्यक्त किया। संधू ने कहा कि वह दिल्लीवासियों और राष्ट्र की सेवा समर्पण, निष्ठा और विनम्रता के साथ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ने गुरुवार को विनय कुमार सक्सेना के स्थान पर वरिष्ठ राजनयिक तरनजीत सिंह संधू को दिल्ली का उपराज्यपाल नियुक्त किया था। वे एक भारतीय राजनीतिज्ञ और भारतीय विदेश सेवा के सेवानिवृत्त राजनयिक हैं। उन्होंने श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त और अमेरिका में भारत के 28वें राजदूत के रूप में कार्य कर चुके हैं। तरनजीत सिंह संधू का जन्म 23 जनवरी 1963 को पंजाब में हुआ। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा लॉरेंस स्कूल सनावर से पूरी की। उसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कॉलेज से इतिहास में बीए की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एमए की डिग्री हासिल की।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिविल सेवा परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को दी बधाई

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को सिविल सेवा परीक्षा 2025 में सफल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा, "सिविल सेवा परीक्षा 2025 में सफल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को बधाई। उनकी समर्पण भावना, दृढ़ता और कड़ी मेहनत ने उन्हें इस महत्वपूर्ण उपलब्धि तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि देश की सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए ये युवा राष्ट्र के विकास और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में उन अभ्यर्थियों का भी हौसला बढ़ाया जो इस बार अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षण कठिन हो सकते हैं, लेकिन यह यात्रा का केवल एक पड़ाव है और आगे अनेक अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने सभी अभ्यर्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने शुक्रवार को सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम घोषित किया। लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के बाद कुल 958 अभ्यर्थियों को विभिन्न केंद्रीय सेवाओं में नियुक्ति के लिए अनुशंसित किया गया है।

कांग्रेस का सवाल- भारत को रूस से तेल आयात की अनुमति देने या न देने का अधिकार अमेरिका को किसने दिया?

लोकतंत्र की शान

» पवन खेड़ा ने कहा- मोदी सरकार अमेरिका की कठपुतली बनकर भारत के हितों के साथ समझौता कर रही

» मोदी अमेरिका के सामने पूरी तरह झुक गए, उन्हें एपस्टीन फाइल्स का डर- पवन खेड़ा

नई दिल्ली: कांग्रेस ने भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए अमेरिका द्वारा 30 दिनों की छूट देने के मुद्दे पर मोदी सरकार पर तीखा हमला किया है। पार्टी ने सवाल किया कि भारत को रूस से तेल आयात की अनुमति देने या न देने का अधिकार अमेरिका को किसने दिया। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी प्रवक्ता और मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने कहा कि मोदी सरकार अमेरिका की कठपुतली बनकर भारत के हितों के साथ समझौता कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के सामने पूरी तरह झुक गए हैं और उन्हें 'एपस्टीन फाइल्स' का डर है। उन्होंने कहा कि भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए 30 दिन की छूट मिलना कोई एहसान नहीं, बल्कि दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। उन्होंने पूछा कि क्या अब तेल आयात के लिए भी अमेरिका से लाइसेंस लेना पड़ेगा? उन्होंने कहा कि व्यापार समझौते पर तो अभी हस्ताक्षर भी नहीं हुए हैं, लेकिन शर्तें और प्रतिबंध भारत पर पहले से लागू हो गए हैं। खेड़ा ने सवाल किया कि क्या एक कॉम्प्रोमाइज्ड कैबिनेट और कॉम्प्रोमाइज्ड प्रधानमंत्री देश के साथ न्याय कर सकते हैं? उन्होंने जोर देकर कहा कि मोदी सरकार अब अपनी स्वतंत्र विदेश नीति तय करने के बजाय अमेरिका और इजराइल की कठपुतली बन गई है। खेड़ा ने कहा कि रूस पहले से ही भारत को तेल देने के लिए तैयार था और भारत वर्षों से रूस से तेल खरीदता रहा है, लेकिन इसके बावजूद सरकार ने इस पर अपना रुख स्पष्ट नहीं किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस विषय पर पहले सूत्रों के हवाले से मीडिया में खबरें चलवाईं, जिनमें ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूएई और अमेरिका से तेल खरीदने की संभावनाओं की बात कही गई, लेकिन रूस का नाम नहीं लिया गया। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि अमेरिका की अनुमति के बिना मोदी सरकार रूस का नाम कैसे ले सकती थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार की नीतियों से भारत की संप्रभुता और स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता कमजोर हो रही है। अपनी बात को पुख्ता करने के लिए खेड़ा ने कुछ वीडियो भी दिखाए। 14 फरवरी 2026 को हुए म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उपनिवेशवाद का सपना पूरा करने की बात कही। उन्होंने अमेरिका के उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडो के हाल ही में रायसीना डायलॉग में दिए बयान पर भी कड़ी आपत्ति जताई, जिसे विदेश मंत्री एस जयशंकर चुपचाप सुनते रहे। खेड़ा ने बताया कि लैंडो ने कहा था कि अमेरिका चीन के साथ 20 साल पहले की गई गलतियां भारत के साथ नहीं दोहराएगा और यह सुनिश्चित करेगा कि सबकुछ अमेरिका के लोगों के लिए न्यायसंगत हो। उन्होंने कहा कि ये बातें दिल्ली में उस मंच से कही गईं, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पहुंचे थे। खेड़ा ने एआई समिट में व्हाइट हाउस के वरिष्ठ नीति सलाहकार श्रीराम कृष्णन के बयान का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि डेटा और बाजार भारत का होगा, लेकिन एआई का इन्फ्रास्ट्रक्चर अमेरिका का होगा। खेड़ा ने केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे अमेरिकी टाइम ज़ोन के हिसाब से चलते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब भी वे अपने कार्यालय की फाइल उठाते हैं, उन्हें शायद एपस्टीन की फाइलें याद आ जाती हैं और वे डर जाते हैं। कांग्रेस प्रवक्ता ने राहुल गांधी के संसद में दिए गए भाषण का वीडियो भी साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भविष्य में अमेरिका तय करेगा कि भारत किससे तेल खरीदेगा और किससे नहीं। खेड़ा ने कहा कि राहुल गांधी की बात एक बार फिर सच साबित हुई है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी से व्यापार समझौते को फ़िलहाल स्थगित रखने की अपील की थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी में इससे पीछे हटने की हिम्मत नहीं है। पवन खेड़ा ने कांग्रेस के कार्यकाल से तुलना करते हुए कहा कि कांग्रेस ने कभी देश की गरिमा को गिरने नहीं दिया, लेकिन आज एक समझौता किए हुए प्रधानमंत्री और कैबिनेट के कारण देश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि मोदी एपस्टीन गैंग के हाथों में खेल रहे हैं क्योंकि उन्हें एपस्टीन फाइल्स का डर है।

द्वारका जिले में अवैध विदेशी नागरिकों पर शिकंजा, पांच नाइजीरियन पकड़े गए

लोकतंत्र की शान

शांति सेवा न्याय
Delhi Police
SHANTI SEWA NYAYA

नई दिल्ली। द्वारका जिले में पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए फरवरी 2026 के दौरान पांच नाइजीरियन नागरिकों को डिपोर्टेशन और रिपैट्रिएशन के लिए भेजा है। ये सभी बिना वैध वीजा के भारत में रह रहे थे। पुलिस ने उन्हें पकड़कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद एफआरआरओ के आदेश पर डिटेंशन सेंटर भेज दिया। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने शुक्रवार को बताया कि ऑपरेशन यूनिट और विभिन्न थानों की टीमें लगातार ऐसे विदेशी नागरिकों की जानकारी जुटा रही हैं, जो बिना वैध दस्तावेजों के इलाके में रह रहे हैं या घूम रहे हैं। इसी क्रम में फरवरी माह के दौरान अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई के तहत थाना उत्तम नगर की टीम ने तीन नाइजीरियन नागरिकों को गिरफ्तार कर डिपोर्टेशन की प्रक्रिया शुरू की, जबकि द्वारका जिले की एंटी नारकोटिक्स सेल ने दो अन्य नाइजीरियन नागरिकों को पकड़कर रिपैट्रिएशन के लिए भेजा। इस तरह कुल पांच विदेशी नागरिकों को अवैध रूप से भारत में रहने के आरोप में पकड़ा गया।पुलिस के अनुसार जांच के दौरान पता चला कि ये सभी नाइजीरियन नागरिक वैध वीजा के बिना भारत में रह रहे थे। दस्तावेजों की जांच और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी को एफआरआरओ के सामने पेश किया गया। एफआरआरओ ने मामले की समीक्षा करने के बाद इनके डिपोर्टेशन और रिपैट्रिएशन के आदेश जारी किए। डिपोर्ट किए जाने वालों में मैथ्यू चिक्वाडो ओनुवा, पॉल ओन्येकाची एक्वेंजे और अइयुगुहज एल्विस शामिल हैं, जबकि क्रिस्टोफर उचेचुक्वू कालू और जॉन ननमदी ओकाफोर को रिपैट्रिएशन के लिए भेजा गया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की टीमें ऐसे लोगों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए लगातार खुफिया जानकारी विकसित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस तरह के अभियान जारी रहेंगे, ताकि अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

कॉंग्रेस के विचार विभागकी वरिष्ठ उपाध्यक्षा डॉ़ जया शुक्ला ने वर्तमान नैश्निक घटनाक्रम मैं भारत की भाजपा सरकार की भूमिका और उसका देश की परिस्थिति पर असर के ऊ पर गहरी चिन्ता और क्षोभ व्यक्त किया है

लोकतंत्र की शान

दिल्ली: डॉ.शुक्लाने कहा कि कभी मोदी डींगें हांकते थे कि हम घुसकर मारतेहैं। उनकी नाककेनीचे अमेरिकाने भारतकी सीमामें घुसकर ईरानी सैनिकों को मार डाला।हिन्द महासागर में अमेरिका द्वारा ईरानके जहाजको डुबो देना सच-मुच भारत की सम्प्रभुता पर बेख़ौफ़ सीधा हमला है और भारत सरकार के लिए शर्म की बात है कि वह इसपर भी चुप रही। हमले में जो 87 ईरानी मारे गए, वे भारत के मेहमान थे। हिन्द महासागर भारतीय सीमाक्षेत्र है और भारत की इजाज़त के बिना अमेरिका का उसमें घुसकर हमला करना भारत सरकार के मुंह पर तमाचा है। देश-विदेश में बुद्धिजीवियों, राजनीतिज्ञों ने इसकी कड़ी निन्दा की। भारतने डूबते सैनिकों की कोई मदद नहीं की, जबकि श्रीलंका की नेवीने तुरंत बचाव अभियान शुरू कर दिया और जो बच सकते थे उन्हें बचा लिया। बेशर्मीसे घटनाके चार दिन बाद अब भारतकी तरफ़ से एक झूठ भी कहा गया कि हमने ही श्रीलंका नेवी को वहां भेजा। खुमैनी की मौतपर भी मोदी की ज़ुबानसे दो शब्द भी नहीं निकले थे। डॉ.शुक्ला ने पीड़ा व्यक्त की कि इस सब घटनाक्रम से भारतने अपना एकमात्र बचा हुआ मित्र देश भी खो दिया। ईरानने अब सख्त लहजे में कह दिया कि यह ठीक नहीं हुआ। ईरानके विदेशमंत्री अब्बास अरागचीने भारतपर भी नाराज़गी ज़ाहिर करते हुए कहा कि हमारा वह जहाज़ भारत की जिम्मेदारी थी, क्योंकि वह भारतके बुलाने पर ही वहां युद्धाभ्यास के लिए गया था। भारत स्थित ईरानके राजदूत मोहम्मद फथाली ने भी कह दिया कि अबहम तय करेंगे कि युद्ध कब और कैसे खत्म करना है। ईरानकी दोस्ती खोनेसे भारतके साथभी जबरदस्त चोट हो गई। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ हार्मुज़ से चीन और रूसके तेल जहाजोंको सुरक्षित निकलने की अनुमति देदी। जबकि भारत के लिए इन्कार कर दिया गया। ऐसेमें भारतीय तेल कंपनियोंका 10 हज़ारकरोड़ का माल फंस गया। अब रूस भी खुलकर ईरानके साथ आ गया है। डॉ.शुक्ला ने पूछा कि इस बेशर्म और बेहद कायर मोदी के लिये भारत कबतक और कितना नुकसान उठाएगा?

पश्चिम एशिया संकट से निपटने में निर्यातकों की मदद के लिए हरसंभव नीतिगत कदम उठाएंगे: पीयूष गोयल

नव दर्पण

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा पश्चिम एशिया संकट से निपटने में सरकार घरेलू निर्यातकों की मदद के लिए सभी नीतिगत और सहायक उपायों का इस्तेमाल करेगी। सरकार ने रोजाना इन मामलों पर गौर करने के लिए एक अंतर-मंत्रालयी समूह का गठन किया है।पीयूष गोयल ने भारत मंडपम में 'आईआईएफटी वाइस चांसलर कॉन्क्लेव' 2026 के अवसर पर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने कहा, ''सरकार हमारे निर्यातकों को समर्थन देने के लिए हर नीतिगत उपाय और निर्यात प्रोत्साहन मिशन का उपयोग करेगी। सरकार ने दैनिक आधार पर मुद्दों पर विचार करने के लिए एक अंतर-मंत्रालयी समूह का गठन किया है।'' मंत्री ने कहा, ''हम अपने निर्यातकों को सहूलियत देने के लिए कुछ तरीकों को औपचारिक रूप देंगे। हर दिन अंतर-मंत्रालयी समूह निर्यातकों से बात करता है... वे प्रतिक्रिया लेते हैं और हम किसी भी तरह से अपने निर्यातकों का समर्थन करने में पीछे नहीं रहेंगे।'' गोयल ने कहा कि भारत अपने उद्योगों द्वारा विदेशों के खरीदारों से किए गए सभी समझौतों और वादों को पूरा करता रहेगा, चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों। गोयल से जब माल ढुलाई के बढ़ते खर्च के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मंत्रालय इस पर भी काम कर रहा है और यह देख रहा है कि निर्यातकों पर पड़ने वाले बोझ को कैसे कम किया जाए। उन्होंने बताया कि वाणिज्य मंत्रालय इस मुद्दे पर पोत परिवहन मंत्रालय और शिपिंग कंपनियों से भी लगातार बातचीत कर रहा है, ताकि निर्यातकों की समस्याओं का समाधान निकाला जा सके। इससे पहले गोयल ने आज इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ फॉरेन ट्रेड (आईआईएफटी) के वाइस चांसलर कॉन्क्लेव 2026 को संबोधित करते हुए कहा कि एक सर्विस के तौर पर शिक्षा में भारत की एक्सपोर्ट कमाई में योगदान देने और दुनिया के बाकी हिस्सों में हाई क्वालिटी भारतीय शिक्षा को ले जाने में मदद करने की काफी क्षमता है। गोयल ने एक्स पोस्ट पर लिखा वाइस चांसलर कॉन्क्लेव 2026 को संबोधित करते हुए खुशी हुई, जिसमें विकसित भारत 2047 के लिए हायर एजुकेशन के इंटरनेशनलाइजेशन की फिर से कल्पना की गई। उल्लेखनीय है कि ईरान पर अमेरिका और इजराइल द्वारा शुरू किए गए संयुक्त हमले के बाद निर्यातकों को पश्चिम एशिया में खेप की आवाजाही के संबंध में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

मेट्रो के आगे कूदकर महिला ने की खुदकुशी की कोशिश

नव दर्पण

नई दिल्ली। राजधानी के सबसे भीड़भाड़ वाले राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर शुक्रवार सुबह एक महिला ने मेट्रो के आगे छलांग लगा दी। गनीमत रही कि लोको पायलट ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए। जिससे महिला की जान तो बच गई, लेकिन वह प्लेटफार्म पर गिरने के कारण घायल हो गई। महिला के मेट्रो के आगे कूदते ही वहां अफरा-तफरी मच गई। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे सीआरपीएफ के जवानों ने महिला को ट्रैक से उठाया और पुलिस की मदद से लेडी हार्डिंग अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में महिला का उपचार जारी है। पुलिस का कहना है कि महिला ने खुदकुशी के इरादे से मेट्रो के आगे छलांग लगाई थी। फिलहाल वह बयान देने की स्थिति में नहीं है। उसकी हालत में सुधार के बाद पूछताछ कर आत्महत्या के कारणों का जानने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान कुछ समय के लिए ब्लू लाइन पर मेट्रो सेवाएं बाधित रहीं। हालांकि आधे घंटे के अंतराल के बाद सभी मेट्रो सेवाएं सामान्य हो गईं। मेट्रो का काम देख रहे पुलिस उपायुक्त भरत रेड्डी के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे एक महिला के राजीव चौक मेट्रो स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक के आगे कूदने की सूचना मिली थी। एक प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब ट्रेन प्लेटफार्म पर आ रही थी, तभी अचानक से महिला ने ट्रैक पर छलांग लगा दी। ट्रेन लोको पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए, जिससे वह मेट्रो की चपेट में आने से बच गई। लेकिन ट्रैक पर गिरने के कारण महिला को गंभीर चोट आई हैं। शुरुआती जांच में पता चला कि महिला जनकपुरी ईस्ट मेट्रो स्टेशन से चढ़ी थी। इसके बाद वह राजीव चौक मेट्रो पर उतरी और कुछ देर बाद उसने मेट्रो के आगे छलांग लगा दी। सीसीटीवी में वह काफी परेशान नजर आ रही थी। फिलहाल पुलिस खुदकुशी करने के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस का कहना है कि महिला की हालत में सुधार के बाद उसकी काउंसलिंग भी कराई जाएगी।

चिढ़ाने से नाराज नाबालिग ने साथियों संग मिलकर की डेयरी संचालक की हत्या

लोकतंत्र की शान

शांति सेवा न्याय
Delhi Police
SHANTI SEWA NYAYA

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के पालम गांव इलाके में होली वाले दिन बार बार चिढ़ाए जाने से नाराज नाबालिग ने साथियों संग मिलकर एक डेयरी संचालक की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस को घटना की सूचना अस्पताल से मिली थी। मृतक की पहचान पुनीत यादव (25) के रूप में हुई है। हत्या की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वारदात में शामिल तीन नाबालिगों तथा धर्मेंद्र (24) व ओमकार (24) नामक युवकों को पकड़ा है। उनके कब्जे से हत्या में इस्तेमाल चाकू बरामद किया गया है। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने शुक्रवार को बताया कि चार मार्च को पालम गांव पुलिस को मणिपाल अस्पताल से घटना के संबंध में पीसीआर कॉल मिली। जिसमें बताया गया कि महावीर एनक्लेव गली नंबर 7 में एक व्यक्ति को कुछ लोगों ने चाकू मार दिया है। पुलिस टीम अस्पताल पहुंची तो पता चला गंभीर रूप से घायल अवस्था में लाए गए युवक को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया है। मृतक की पहचान पुनीत के रूप में हुई। वह गोयला डेरी इलाके में दूध की डेयरी चलाता था। पुलिस ने घटनास्थल पर जाकर जांच की तथा स्थानीय लोगों से जानकारी जुटाई गई। इस दौरान पता चला कि सीसीटीवी कैमरों में यह पूरी वारदात कैद हो गई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तीन नाबालिगों समेत धर्मेंद्र एवं ओमकार को पकड़ा। धर्मेंद्र व ओंमकार दूध बेचने का काम करते हैं। पूछताछ में सामने आया कि होली वाले दिन पुनीत ने एक नाबालिग को बार बार चिढ़ाया था। इसका उसे बुरा लगा था। पुनीत को सबक सिखाने के लिए उसने अपने साथियों संग मिलकर पुनीत पर हमले का प्लान बनाया। नशे की हालत में नाबालिग ने मौका देखकर गली से गुजर रहे पुनीत को पकडक़र उस पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फिल्म चरक : जब अंधविश्वास बन जाता है खतरनाक

रेटिंग: 4 स्टार

लोकतंत्र की शान

बॉक्स ऑफिस के ट्रेंड और मसाला फ़िल्मों से दूरी बनाकर फिल्म बनाना बेहद जोखिम का काम होता है , ऐसे में हमें तारीफ करनी होगी सुदीप्तो सेन की जिन्होंने हमेशा ही ऐसे विषयों पर दिल को झकझोर कर रख देने वाली फिल्में बनाई है सुदीप्तो की पिछली फिल्म केरल स्टोरी ने टिकट खिड़की पर भी 300 करोड़ से ज्यादा की कमाई करने के साथ साथ क्रिटिक्स और दर्शको की भी भी खूब तारीफे बटोरी अब यह बात अलग है कि उन्हें अक्सर कट्टर पंथियों की खरी खोटी सुनने के साथ जान से मारने तक की धमकियां भी मिलती रही है । अब बात करते है उनकी नई फिल्म चरक की एक ऐसे विषय पर बनी फिल्म जिसे सेंसर ने ही क्लियर कराना मेकर्स के लिए टेडी खीर साबित हुआ सेंसर कमेटी के सदस्यों को सुदीप्तो ने इस फिल्म की कहानी को लेकर अपनी रिसर्च से जुड़े दस्तावेज और अन्य रिकॉर्ड उपलब्ध कराए तब जाकर फिल्म को कमेटी ने एडल्ट सर्टिफिकेट के साथ क्लियर किया । फिल्म की कहानी चरक उत्सव से जुड़ी है जो लगभग एक हजार साल से भी अधिक समय से पूर्वी भारत बंगाल, बिहार, असम, ओडिशा और झारखंड के साथ दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में मनाया जाता रहा है। आज भी यह उत्सव हर साल करीब 15 मार्च से 15 मई) के आसपास बीच यह उत्सव बड़े पैमाने पर आयोजित होता है। चरक उत्सव को मां काली और भगवान शिव की आराधना से जोड़ा जाता है। कहते है इस दौरान देवी-देवता धरती पर आकर भक्तों की हर मनोकामना पूरी करते है दूसरी और इस उत्सव का दूसरा पक्ष तांत्रिक साधनाएं और अघोरी प्रथाएं और अंध विश्वास से जुड़ी है । आज भी इस उत्सव के दौरान बलि देने की कुप्रथा है अपनी मनोकामना को पूर्ण करने की चाह में कुछ तो छोटे बच्चों की बलि देने के अंधविश्वास के जाल में है

स्टोरी प्लॉट: चारो और से ऊंचे पहाड़ों और घने जंगलों के बीच बसे एक छोटे से गांव में भी हर कोई इस उत्सव की तैयारियों मे लगा है, गांव के ज्यादातर लोग बेहद गरीब है बावजूद इसके शाम की दारू पीने और ताश के पत्ते खेलते और अपनी कमाई का एक हिस्सा इसी में उड़ा देते है यहां भी चरक उत्सव के लिए दूर दराज से कई अघोरियों ने डेरा डाला हुआ है, गांव के छोटे से स्कूल में पढ़ने वाले दो दोस्त भी इस स्टोरी के अहम किरदार है तो गांव की पुलिस चौकी का इंस्पेक्टर और उसकी राइटर पत्नी भी अब शहर से स्टडी टूर के बाद गांव में पति के पास वापस आ गई है , शादी के बारह साल बाद भी इनकी की औलाद नहीं है , कहीं ना कहीं इंस्पेक्टर पति के मन में भी इस चरक उत्सव के दौरान पिता बनने का ख्वाब पल रहा है ऐसे में गांव के दो बच्चों का किडनैप हो जाता है और फिर ऐसा कुछ होता है जो हर किसी को विचलित कर देता है।

ओवर ऑल-अगर आप यह मानते है कि रूढ़िवादी और अंधविश्वासी सिर्फ अनपढ़ और दूर दराज के लोग ही होते है तो फिल्म का क्लाईमेक्स आपका यह भ्रम तोड़ता है फिल्म की लीड जोड़ी अंजली पाटिल (लेखिका)और साहिदुर रहमान (पुलिस इंस्पेक्टर) के रूप में जमे है अन्य कलाकारो में सुब्रत दत्ता, नवनीश ने अपने अपने किरदार को जीवंत कर दिया है, किसी स्टूडियो में लगाए गए सेट पर नहीं वेस्ट बंगाल के एक गांव में शूट यह फिल्म उन दर्शकों की कसौटी पर 100 फीसदी खरी उतरेगी जो सिनेमा मौज मस्ती नहीं समाज की रियल्टी देखने की आस में जाते है तो चरक आपके लिए है। कलाकार: अंजलि पाटिल, साहिदुर रहमान, सुब्रत दत्ता,शशि भूषण, नवनीश नील, शंखदीप, , निर्माता: सुदीप्तो सेन, जयंती लाल गाड़ा, निर्देशक:शीलादित्य मौलिक संगीत: 123 मिनट, सेंसर सर्टिफिकेट: एडल्ट,

संक्षिप्त समाचार

रमजान में तीसरे जुमे पर मस्जिदों में उमड़ी नमाजियो की भारी भीड़, अमन चैन की मांगी दुआए

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः अमरोहा/ हसनपुरः रमजान के पाक महीने में तीसरे जुमे पर शुक्रवार को अमरोहा नगर सहित पूरे जिले भर में नवाजियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी बच्चे, बुजुर्ग सभी ने नमाज अदा की और मुल्क में अमन चैन तथा आपसी भाईचारे की दुआएं मांगी, सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए मस्जिदों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा, रमजान के तीसरे जुम्मा होने के कारण रोजेदारो में सुबह से ही नवाज अदा करने को लेकर विशेष उत्साह देखा गया था दिन चढ़ते ही बच्चे बुजुर्ग सभी पारंपरिक परिधानों में नजर आए दोपहर होते-होते हसनपुर नगर की सभी मस्जिदों में नवाजी भारी संख्या में पहुंच गए शहर की जामा मस्जिद में रोजे की फजीलत और जकात अदा करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई, जामा मस्जिद के अलावा शहर की विभिन्न मस्जिदों पर जुम्मे की नवाज अदा की गई, नवाज से पहले उलेमाओं ने खुतबे के दौरान तकरीर की, नवाज के बाद दुआओं का सिलसिला शुरू हुआ जिसमें लोगों ने बरकत, बीमारियों से शिफा और देश में अमन चैन कायम रहने की दुआएं मांगी, अमरोहा के साथ-साथ हसनपुर नगर, क्षेत्र के गांवो सहित थाना सैद नंगली, आदमपुर, ढवारसी, रहरा, बुरावली तथा गजरौला, नौगांव सादात, इलाकों की मस्जिदों में भारी भीड़ देखी गई, सभी स्थानों पर मस्जिदों के बाहर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए पुलिस बल मुस्तादी से तैनात रहा और हर घटनाक्रम पर नजर रखें हुए था, वही हसनपुर में पुलिस क्षेत्राधिकारी पंकज कुमार त्यागी एवं प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी भारी पुलिस बल के साथ क्षेत्र में गस्त करते रहे ।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को मिला सिक्योरिटी वेटिंग क्लीयरेंस, उड़ानों की शुरुआत का रास्ता साफ

लोकतंत्र की शान : लखनऊ। योगी सरकार के महत्वाकांक्षी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) परियोजना को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। एयरपोर्ट को ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी की ओर से सिक्योरिटी वेटिंग क्लीयरेंस (Security Vetting Approval) मिल गया है। यह प्रक्रिया एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्थाओं की विस्तृत जांच के बाद पूरी की जाती है। इस मंजूरी के साथ ही अब डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) से एयरोड्रम लाइसेंस मिलने का रास्ता साफ हो गया है, जिसके बाद यहां से फ्लाइट ऑपरेशंस शुरू किए जा सकेंगे। प्रदेश सरकार की प्राथमिकता वाली इस परियोजना को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ाया गया है। योगी सरकार का लक्ष्य जेवर एयरपोर्ट को देश के सबसे आधुनिक और बड़े एयरपोर्ट्स में शामिल करना है, जो उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति में अहम भूमिका निभाएगा।

सुरक्षा मानकों की हुई विस्तृत जांच-यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) के सीईओ राकेश कुमार सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट पर फ्लाइट संचालन शुरू होने से पहले सुरक्षा मानकों का परीक्षण अनिवार्य होता है। इसके लिए ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) की टीम एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी प्रणाली, एक्सेस कंट्रोल, यात्रियों और कार्गो की जांच व्यवस्था सहित कई पहलुओं का निरीक्षण करती है। सभी मानकों के अनुरूप पाए जाने पर ही सिक्योरिटी वेटिंग क्लीयरेंस दिया जाता है।

डीजीसीए लाइसेंस के बाद उड़ानें होंगी शुरू-सिक्योरिटी वेटिंग अप्रूवल का मतलब है कि एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था उड़ान संचालन के लिए सुरक्षित मानी गई है। इसके बाद ही फ्लाइट शुरू होने की अंतिम प्रक्रिया आगे बढ़ती है। सुरक्षा मंजूरी मिलने के बाद अगला चरण डीजीसीए द्वारा एयरोड्रम लाइसेंस जारी करना होता है। यह लाइसेंस मिलने के बाद ही किसी एयरपोर्ट से व्यावसायिक उड़ानों का संचालन संभव होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने जेवर एयरपोर्ट को राज्य के सबसे महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया है। यह एयरपोर्ट न केवल पश्चिमी उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए एक महत्वपूर्ण एविएशन हब के रूप में उभर रहा है। सरकार का मानना है कि इसके शुरू होने से प्रदेश में निवेश, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स और व्यापार को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। साथ ही हजारों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला अज्ञात युवक

लोकतंत्र की शान : शाहाबाद हरदोई। कस्बे के मोहल्ला दिलेरगंज में स्टेट बैंक तिराहे पर संदिग्ध परिस्थितियों में एक अज्ञात युवक गुरुवार की रात से पड़ा था। मोहल्ले वालों ने शुक्रवार सुबह उसके मुंह से झाग निकलता देख इसकी सूचना पुलिस को दी।पुलिस ने 108 एम्बुलेंस के माध्यम से घायल युवक को सीएचसी भेजा जहाँ से इलाज के लिए घायल युवक को जिला चिकित्सालय भेजा गया है। जामा मस्जिद पुलिस चौकी के प्रभारी अनिल कुमार ने बताया घायल को इलाज के जिला चिकित्सालय भिजवाया गया है। जहाँ उसका इलाज चल रहा है।उसकी तबियत सही होने पर आगे की विधिक कार्यवाही की जाएगी।

अभ्युदय योजना से मिली उड़ान यूपीएससी-2025 में 6 अभ्यर्थियों का चयन

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के मेधावी युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर संसाधन और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की दिशा में चलाई जा रही मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना एक बार फिर अपने प्रभावशाली परिणामों के साथ सामने आई है। समाज कल्याण विभाग द्वारा गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में संचालित आवासीय कोचिंग और मॉक इंटरव्यू कार्यक्रम से जुड़े 6 अभ्यर्थियों का चयन सिविल सेवा परीक्षा (यूपीएससी-2025) में हुआ है। योगी सरकार की इस पहल के माध्यम से प्रदेश के प्रतिभाशाली युवाओं को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सफलता के लिए मजबूत आधार मिल रहा है। इससे न केवल युवाओं का आत्मविश्वास बढ़ रहा है, बल्कि प्रशासनिक सेवाओं में उत्तर प्रदेश की भागीदारी भी लगातार मजबूत हो रही है।

चयनितों को दी मंत्री असीम अरुण ने बधाई-इन सभी चयनित अभ्यर्थियों को समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का लक्ष्य है कि आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली युवाओं को भी सिविल सेवा जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं की तैयारी के लिए गुणवत्तापूर्ण कोचिंग और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए।

अभ्यर्थियों का शानदार प्रदर्शन-समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक आनंद कुमार सिंह के अनुसार, भागीदारी भवन में संचालित आवासीय कोचिंग से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विमल कुमार को 107वीं और विपिन देव यादव को 316वीं रैंक प्राप्त हुई है। वहीं, भागीदारी भवन आवासीय कोचिंग एवं अभ्युदय योजना के अंतर्गत आयोजित मॉक इंटरव्यू में शामिल मानसी को 444वीं, महेश जायसवाल को 590वीं, अदिति सिंह को 859वीं और तनीषा सिंह को 930वीं रैंक हासिल हुई है।

स्किलिंग और स्टार्टअप नीति से उत्तर प्रदेश में इनोवेशन की नई लहर

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित स्किलिंग को बढ़ावा देने की दिशा में योगी सरकार लगातार नए कदम उठा रही है। स्टार्टअप नीति और एआई प्रज्ञा प्रोग्राम के माध्यम से प्रदेश में नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में तैयारी जारी है। सरकार का लक्ष्य है कि एआई और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में लगभग 10 लाख युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर उपलब्ध कराए जाएं। स्टार्टअप नीति, एआई स्किलिंग और तकनीकी निवेश के संयुक्त प्रयासों से प्रदेश के कानपुर, लखनऊ, नोएडा और वाराणसी जैसे शहरों में स्टार्टअप गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं, जिससे एमएसएमई क्षेत्र को भी नई दिशा मिल रही है और युवा उद्यमिता को बढ़ावा मिल रहा है। प्रदेश में टेक्नोलॉजी आधारित स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) की लगभग 400 यूनिट्स सक्रिय हैं। इसके साथ ही प्रदेश में 100 से अधिक स्टार्टअप इन्क्यूबेटर विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इन इन्क्यूबेटरों के माध्यम से युवाओं को अपने नवाचार और तकनीकी विचारों को व्यवसाय में बदलने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी वैश्विक तकनीकी कंपनियों के साथ साझेदारी के माध्यम से युवाओं को आधुनिक डिजिटल स्किल्स और एआई तकनीक की ट्रेनिंग दी जा रही है। उत्तर प्रदेश का इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र भी तेजी से विस्तार कर रहा है। देश में मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में लगभग 65 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ प्रदेश एक बड़े विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है। इससे स्टार्टअप और एमएसएमई क्षेत्र को भी नई ऊर्जा मिल रही है। मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण से जुड़ी सप्लाई चेन में कई छोटे और मध्यम उद्योगों को नए अवसर मिल रहे हैं, जिससे रोजगार के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है।

बिजनौर के दो युवाओं ने UPSC 2025 में लहराया परचम, जिले का नाम किया रोशन

लोक तंत्र की शान, (खिज़र अहमद)

नगीना संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की सिविल सेवा परीक्षा 2025 के अंतिम परिणाम घोषित होते ही बिजनौर जिले में खुशी की लहर दौड़ गई। जिले के दो होनहार युवाओं ने परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नगीना तहसील के जट नगला गांव निवासी अजीम अहमद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 588वीं रैंक हासिल की है। जैसे ही उनकी सफलता की खबर मिली, परिवार और गांव में खुशी का माहौल बन गया और लोगों ने उन्हें बधाई दी। वहीं दूसरी बड़ी सफलता में नगीना के मोहल्ला छिप्पीपाड़ा निवासी असद अकील अंसारी ने भी यूपीएससी परीक्षा पास कर आईएएस अधिकारी बनने का गौरव प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि से परिजनों और क्षेत्रवासियों में जबरदस्त खुशी का माहौल है। दोनों युवाओं की इस कामयाबी से पूरे जिले में गर्व और उत्साह का माहौल है। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने दोनों प्रतिभाओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पत्नी ने ही प्रेमी के साथ मिलकर की थी पति की गला घोट कर हत्या

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

गजरौलाः होली की रात को प्रेमी के साथ मिलकर एक पत्नी ने अपने पति को मौत के घाट उतार दिया हत्या को आत्महत्या दिखाने के लिए शक को पंखे से लटका दिया गया था परिजनों की शिकायत और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद पुलिस ने मामले का खुलासा किया, बताते चलें कि गजरौला थाना क्षेत्र के दारानगर गांव में होली के दिन रात में गांव निवासी 35 वर्षीय ओमपाल पुत्र महावीर सिंह का शव उसके घर में पंखे से लटका मिला था, गले पर रस्सी के निशान देखकर परिजनों को संदेह हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ओमपाल की मौत गला दबाने से होने की पुष्टि हुई, मृतक के भाई योगेश की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की जांच के दौरान मृतक की पत्नी कल्लो के आदमपुर थाना क्षेत्र के सिकंदराबाद निवासी बबलू पुत्र दिनेश से अवैध संबंध होने की बात सामने आई, पुलिस पूछताछ में कल्लो ने बताया कि होली के दिन उसका प्रेमी बबलू उससे मिलने गांव आया था जिसे उसके पति ओमपाल ने देख लिया था इसके बाद पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था कल्लो ने बताया कि झगड़े के बाद बबलू चला गया था लेकिन रात में फिर से उसके पास आया इसके बाद दोनों ने मिलकर सोते समय ओमपाल की रस्सी से गला घोटकर हत्या कर दी थी, इस संबंध में पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजलि कटारिया ने बताया कि आरोपी पत्नी कल्लो को गिरफ्तार कर लिया गया है उसका प्रेमी बबलू अभी फरार है पुलिस ने घटना में प्रयुक्त रस्सी को भी बरामद कर लिया है और मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है तथा आरोपी बबलू की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दविश दी जा रही है ।

सिरसी की जामा मस्जिद में जुमे की नमाज़ के बाद ईरान के रहबर की शहादत पर ग़म का इज़हार, अमेरिका-इज़रायल के खिलाफ लगे नारे

» इमाम-ए-जुमा मौलाना सैयद हसीन अख्तर ज़ैदी, मुतवल्ली चौधरी सीरत उरूज आलम और मार्केटिंग सम्भल के पूर्व चेयरमैन व मुन्तज़िर मुतवल्ली चौधरी सैयद फैज़ान अली नक़वी ने जताया गहरा दुख

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

जनपद सम्भलः के थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र के कस्बा सिरसी स्थित मोहल्ला गरबी की जामा मस्जिद में जुमे की नमाज़ के बाद शिया समुदाय के लोगों ने ईरान के रहबर की शहादत पर गहरा रंज-ओ-ग़म और अफ़सोस का इज़हार किया। इस दौरान नमाज़ियों ने अमेरिका और इज़रायल के खिलाफ एहतिजाज दर्ज करते हुए मुर्दाबाद के नारे लगाए। इस मौके पर इमाम-ए-जुमा मौलाना सैयद हसीन अख्तर ज़ैदी ने अपने बयान में कहा कि रहबर-ए-उम्मत की शहादत पूरी उम्मत-ए-मुस्लिम के लिए बेहद अफसोसनाक और बड़ा नुकसान है। उन्होंने कहा कि मज़लूमों की आवाज़ को दबाने की कोशिश करने वाली ताकतें कभी कामयाब नहीं होंगी। उन्होंने मुसलमानों से इत्तेहाद और सब्र के साथ हक़ के रास्ते पर डटे रहने की अपील की। जामा मस्जिद के मुतवल्ली चौधरी सीरत उरूज आलम ने भी गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि आज पूरी इस्लामी दुनिया ग़मगीन है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इज़रायल दुनिया में अमन के सबसे बड़े दुश्मन बनकर सामने आए हैं और मज़लूमों पर हो रहे जुल्म के खिलाफ आवाज़ उठाना इंसानियत का फ़र्ज़ है। वहीं मार्केटिंग सम्भल के पूर्व चेयरमैन मुन्तज़िर मुतवल्ली चौधरी सैयद फैज़ान अली नक़वी ने अपने बयान में कहा कि रहबर की शहादत से उम्मत-ए-मुस्लिम को गहरा सदमा पहुँचा है। उन्होंने कहा कि शहीदों की कुर्बानियां हमेशा ज़िंदा रहती हैं और यही कुर्बानियां दुनिया भर के मज़लूमों को हौसला देती हैं। उन्होंने लोगों से इत्तेहाद, सब्र और मज़हबी हमआहंगी बनाए रखने की अपील की। इस दौरान नमाज़ियों ने अमेरिका और इज़रायल के खिलाफ नारेबाज़ी करते हुए अपना एहतिजाज दर्ज कराया। मौके पर अमीरुल जाफरी चौधरी हैदर अली नक़वी, मौलाना शमीम हैदर, चौधरी सैयद अब्बास अली नक़वी, मज़हर हुसैन जाफरी, ज़फ़र अब्बास समेत समाज के कई जिम्मेदार और अकीदतमंद बड़ी तादाद में मौजूद रहे। अंत में शहीद रहबर के लिए दुआ-ए-मगफिरत और उम्मत-ए-मुस्लिम की सलामती के लिए खास दुआ की गई।

500 रुपए छीनने तथा मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाते हुए दी तहरीर

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शुक्रवार को मोहल्ला मनिहारान कोट पूर्वी निवासी आस्करा पत्नी मोबीन ने अपने बड़े लड़के के साथ तीन लड़कों द्वारा 500 छीनने तथा मारपीट करने का आरोप लगाते हुए नाम जद तहरीर दी है, प्रार्थनी ने बताया कि उनके पति रिक्शा चला कर जीवन यापन करते है तथा उनका बड़ा लड़का सोजीन सीधे स्वभाव का लड़का है, गुरुवार की शाम लगभग 8:00 बजे प्रार्थी ने अपने पुत्र को 500 देकर घर के लिए खाना लेने भेजा था जब प्रार्थनी का पुत्र खनकर वाले कुएं पर खाना खरीदने गया तो वहां तीन लड़के जिसमें शौकीन पुत्र गफ्फार मुरसलीन पुत्र ना मालूम, पप्पू पुत्र ना मालूम ने प्रार्थनी के पुत्र के रुपए छीन लिए और प्रार्थनी के पुत्र को निकट के एक बाग में ले जाकर प्रार्थनी के बेटे को बेल्टो और डंडों से मारा पीटा तथा पुत्र को रस्सी से लटकाने का प्रयास किया और जान से मारने की कोशिश की, पुत्र किसी प्रकार उन तीनों के चंगुल से बचकर भागा और घर आकर उसने आप बीती बताई इसके बाद प्रार्थनी ने शुक्रवार को हसनपुर कोतवाली पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया है, वही इस संबंध में कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि दो आरोपियों को गिरफ्तार कर एसडीएम न्यायालय में पेश किया गया है जहां से उनके खिलाफ उचित कार्यवाही अमल में लाई गई ।

राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासभा ने भाजपा जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी का किया जोरदार स्वागत

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शुक्रवार को नगर के एक बैंकट हॉल में राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ द्वारा उदयगिरि गोस्वामी को फिर से अमरोहा जिले का जिला अध्यक्ष मनोनीत होने पर जोरदार अभिनंदन एवं स्वागत किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर और दीप प्रज्वलित करके किया गया समारोह का सफल नेतृत्व महासंघ के जिला अध्यक्ष शोभित शर्मा ने किया समारोह में भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष (पश्चिम उत्तर प्रदेश)! मानसिंह गोस्वामी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे वहीं राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित आर,डी शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की भाजपा से हसनपुर विधायक महेंद्र सिंह खड़कबंशी विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए, इस अवसर पर विभिन्न वक्ताओं ने उदयगिरि गोस्वामी के पिछले कार्यकाल की उपलब्धियां को सराहा, उन्होंने कहा कि गोस्वामी के नेतृत्व में संगठन को नई मजबूती मिली है, जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी ने सभी का आभार व्यक्त किया और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया, कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्लॉक प्रमुख ममता गुर्जर, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष उषा शर्मा, पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य पूर्व चंद्रपाल सिंह खड़कवंशी, मंडल अध्यक्ष राजू राणा, राजीव गोयल, उत्तम सिंह प्रजापति, देवेंद्र खड़कवंशी, तथा समारोह को सफल बनाने में स्वागत समिति के सदस्यों का विशेष योगदान रहा जिसमें अतुल शर्मा, अनुज शर्मा, नितिन शर्मा, मोहित शर्मा, कपिल शर्मा, नंदन त्यागी, शिवम त्यागी, प्रियांशु, अभिषेक त्रिवेदी, रिंकू शर्मा, विशाल शर्मा, महंत वेद प्रकाश, रोहित शर्मा, वंदना शर्मा, विजय शर्मा, आरती शर्मा, दिव्या शर्मा आदि सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे ।

संविलियन विद्यालय अलीपुर खादर के 8 छात्र राष्ट्रीय छात्रवृत्ति के लिए चयनित

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा 2025 -26 के परिणाम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमरोहा डॉ0 मोनिका के दिशा निर्देशन एवं नोडल शिक्षक राजदीप सिरोही के मार्गदर्शन में संविलियन विद्यालय अल्लीपुर खादर विकास क्षेत्र हसनपुर ने जनपद अमरोहा में सबसे ज्यादा सिलेक्शन दिए हैं। विद्यालय के कुल 8 बच्चों का चयन छात्रवृत्ति के लिए हुआ है। विद्यालय की छात्रा अंजलि पुत्री इकपाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जनपद में द्वितीय रैंक प्राप्त की है। अन्य छात्रों में राजकुमारी पुत्री विजेंद्र सिंह, हर्षित पुत्र आल्हा सिंह, सोनम पुत्री देशराज सिंह, शिवानी पुत्री हरपाल सिंह, खुशी पुत्री विजयपाल सिंह, नाजिश पुत्री इकरार, और सोनाक्षी पुत्री रामनिवास का चयन छात्रवृत्ति के लिए हुआ है। सभी बच्चों की रैंक 50 के अंतर्गत है।आज परीक्षा में चयनित छात्रों को तथा उनके अभिभावकों को विद्यालय द्वारा फूल माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक एव उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष होमपाल सिंह ने चयनित छात्रों और अभिभावकों को बधाई दी और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। खास बात यह है कि चयनित छात्रों में सबसे ज्यादा 7 छात्राएं व 1 छात्र है, होमपाल सिंह द्वारा बताया की इस परीक्षा के लिए विद्यालय स्टाफ ने बच्चों के अभिभावकों से बात कर छुट्टियों के दिनों में भी बच्चों को बुलाकर परीक्षा की तैयारी कराई जिसका परिणाम आज हम सबके सामने है ।इसी प्रकार होमपाल सिंह ने कक्षा 7 और कक्षा 6 के बच्चों को भी इन बच्चों से प्रेरणा लेकर और अधिक मेहनत से पढ़ाई करने की सीख दी। बताते चलें कि राष्ट्रीय आय एवं छात्रवृत्ति परीक्षा का परिणाम परीक्षा नियामक प्राधिकारी प्रयागराज द्वारा घोषित किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत चयनित छात्रों को कक्षा 9 से कक्षा 12 तक पढ़ाई हेतु 48000 की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष विक्रम सिंह, हरपाल सिंह, विजेंद्र सिंह, सुमन रानी,रामनिवास सिंह, राकेश कुमार, पंकज कुमार, बलराज सिंह,नसरीन जहां ,नीरज रानी, कुमारी नीतू व विजयपाल सिंह उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

अनुष्का यादव की बेटी 'उज्जैनी' एक महीने की हुई, भाई आकाश यादव ने किया हवन-पूजन

लोकतंत्र की शान : पटना। अनुष्का यादव की बेटी एक महीने की हो गई है। इस मौके पर उनके भाई आकाश यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि ,'बाबा महाकाल, माँ हरसिद्धि और माँ गढ़कालिका की असीम कृपा से आज उज्जैनी ने अपना एक महीना पूरा किया। इस शुभ अवसर पर हमने परिवार के साथ मिलकर देवी-देवताओं का विशेष पूजन और हवन किया। हमारी उज्जैनी को आशीर्वाद देने के लिए आप सभी का धन्यवाद।' इससे पहले भी आकाश यादव ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की थी, जिसमें उन्होंने एक नवजात बच्ची का हाथ अपनी उंगलियों से पकड़ा हुआ था। उस पोस्ट को लेकर भी सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हुई थी। 5 फरवरी को अनुष्का यादव को बेटी हुई। 9 फरवरी को चर्चा होने लगी कि बच्ची के पिता तेजप्रताप यादव हैं। खबर सामने आते ही तेजप्रताप यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अनुष्का की बेटी का पिता होने से इनकार कर दिया। उन्होंने इस खबर को झूठा बताते हुए कहा कि अनुष्का से उनका कोई संबंध नहीं है। तेजप्रताप यादव ने आकाश भाटी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, 'बच्चा आकाश भाटी का है।' इधर, इस मामले में अनुष्का यादव के भाई आकाश यादव पहली बार सामने आए हैं। आकाश यादव ने कहा है, हमारे घर में लक्ष्मी आई है। उसका नाम मैंने उज्जैनी रखा है, ये हमारे लिए खुशी की बात है। आकाश यादव ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में कहा, "आज तक मैंने परिवार की बात सार्वजनिक मंच पर नहीं रखी है और ना आगे रखूंगा। ये मामला अनुष्का यादव और तेज प्रताप यादव के बीच का है। इन दो लोगों के मामले में मैं कौन होता हूं बोलने वाला।"

वरिष्ठ भाजपा नेता नंदकिशोर यादव को राज्यपाल बनाए जाने पर सम्राट चौधरी ने दी बधाई

लोकतंत्र की शान : पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वरिष्ठ भाजपा नेता नंदकिशोर यादव को नागालैंड का राज्यपाल बनाए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। शुक्रवार को उन्होंने नंदकिशोर यादव से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि नंदकिशोर यादव का लंबा सार्वजनिक जीवन, संगठन के प्रति समर्पण और प्रशासनिक अनुभव राज्यपाल के रूप में उनके दायित्वों को नई गरिमा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिए जाने से पार्टी कार्यकर्ताओं और बिहार के लोगों में भी गर्व की भावना है। चौधरी ने इस अवसर पर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के प्रति भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बिहार के एक अनुभवी और समर्पित नेता को यह सम्मान देकर पार्टी ने उनके योगदान को मान्यता दी है। उपमुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि नंदकिशोर यादव के मार्गदर्शन में नागालैंड प्रगति, सुशासन और विकास की दिशा में नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि यादव की नेतृत्व क्षमता, प्रशासनिक दक्षता और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता राज्य के विकास, शांति और समृद्धि को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सम्राट चौधरी ने कहा कि नंदकिशोर यादव का राजनीतिक जीवन अत्यंत लंबा और समृद्ध रहा है। वे सात बार विधायक रह चुके हैं और बिहार सरकार में मंत्री के साथ-साथ बिहार विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियां सफलतापूर्वक निभा चुके हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन और सरकार में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए नंदकिशोर यादव ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनके लंबे अनुभव, सादगीपूर्ण व्यक्तित्व और प्रशासनिक समझ से नागालैंड को निश्चित रूप से नई दिशा और गति मिलेगी। उपमुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि नंदकिशोर यादव अपने अनुभव और नेतृत्व क्षमता के बल पर नागालैंड में विकास, सुशासन और सामाजिक समरसता को और मजबूत करेंगे।

वैशाली में चूल्हे की चिंगारी से भीषण आग, लालगंज के लक्ष्मीनारायणपुर में आधा दर्जन घर जले

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के लालगंज थाना क्षेत्र में भीषण आग लगने से आधा दर्जन घर जलकर राख हो गए। इस घटना में लाखों रुपये का अनाज, कपड़े, बिस्तर, सोने-चांदी के जेवरात और नगदी नष्ट हो गए। कई परिवार बेघर हो गए हैं और खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। यह घटना लालगंज थाना क्षेत्र के लक्ष्मीनारायणपुर पंचायत के वार्ड नंबर 6 में हुई। जानकारी के अनुसार, सुबह लालति देवी अपने घर में खाना बना रही थीं और पानी लेने चापाकल पर गई थीं। इसी दौरान चूल्हे से निकली चिंगारी फूस की बनी टाटी में जा लगी, जिससे आग तेजी से फैल गई। आग की लपटें उठती देख लालति देवी ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग आग बुझाने में जुट गए। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैली और कई घरों को अपनी चपेट में ले लिया। अग्निशमन की टीम सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था। पीड़ित परिवार पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। आग लगने के बाद उनके पास रहने और खाने की व्यवस्था नहीं बची है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत सामग्री और मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, नौवीं कक्षा में पढ़ता था, दूसरा भाई गंभीर

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के सदर थाना क्षेत्र स्थित दिग्घी कला पूर्वी गांव में बुधवार शाम एक अज्ञात वाहन की टक्कर से दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से 14 वर्षीय आयुष कुमार की गुरुवार सुबह पटना पीएमसीएच में इलाज के दौरान मौत हो गई। दूसरा घायल युवक आर्यन कुमार एक निजी अस्पताल में भर्ती है और उसकी हालत भी गंभीर बताई जा रही है। यह घटना बुधवार शाम करीब 3 बजे हुई थी। मृतक आयुष कुमार रविंद्र दास के पुत्र थे और नौवीं कक्षा में पढ़ते थे। वह अपने चार भाई-बहनों में तीसरे नंबर पर थे। घायल आर्यन कुमार आयुष का भाई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों घायल युवकों को तुरंत हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया था। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया था। आयुष कुमार ने गुरुवार सुबह पीएमसीएच में दम तोड़ दिया। वहीं, आर्यन कुमार का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। मृतक आयुष के चाचा शिव शंकर दास ने बताया कि उन्हें बुधवार शाम को ही अज्ञात वाहन की टक्कर लगने की जानकारी मिली थी। उन्होंने आरोप लगाया कि जब घायलों को सदर अस्पताल लाया गया, तो कुछ देर के लिए इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टर मौजूद नहीं थे, जिससे उनकी स्थिति और बिगड़ गई।

सिमराहा गोलीकांड में SIT की बड़ी कार्रवाई, मुख्य आरोपी सहित 9 गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सदर थाना क्षेत्र के सिमराहा चौक के समीप 18 फरवरी 2026 को हुए जघन्य गोलीकांड मामले में सहरसा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इस घटना में 13 वर्षीय बालक की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया था। SIT द्वारा सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण, तकनीकी सर्विलांस, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य संकलन, मानव स्रोतों से प्राप्त सूचना तथा जिला आसूचना इकाई के सहयोग से इस मामले में अब तक कुल 9 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसी क्रम में कांड के मुख्य आरोपी राजीव कुमार उर्फ बउआ ठाकुर (पुत्र अमोद कुमार ठाकुर), निवासी सिमराहा वार्ड संख्या–04, थाना सदर, जिला सहरसा को भी विधिवत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

घटना के पीछे का कारण–पुलिस जांच में सामने आया कि राजीव कुमार का अपनी पत्नी के साथ लगातार विवाद चल रहा था। इस विवाद में वादी अनुज कुमार सिमराहा द्वारा बीच-बचाव किए जाने से राजीव कुमार उनसे रंजिश रखने लगा। इसी रंजिश के चलते राजीव ने अपने भाई रंजन ठाकुर के साथ मिलकर वादी की हत्या की योजना बनाई और अपने पड़ोसी पारस ठाकुर के माध्यम से हत्या की सुपारी दिलवाई।

अन्य आरोपियों की भूमिका–जांच में यह भी सामने आया कि पारस ठाकुर का भी वादी के आवासीय स्थल के पास रास्ते को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी कारण उसने अपने पड़ोसी पवन ठाकुर के साथ मिलकर हत्या की सुपारी ली। पुलिस के अनुसार पवन ठाकुर एवं उसके परिजनों का भी वादी से सिमराहा स्थित पोखर की जमीन को लेकर पूर्व से विवाद चल रहा था। बदला लेने की नीयत से पवन ठाकुर ने अपने दो साथियों के साथ घटना को अंजाम देने की योजना बनाई। घटना के दिन आरोपियों ने लगभग चार घंटे तक वादी की गतिविधियों पर नजर रखी और मौका मिलने पर हमला कर दिया। हालांकि वादी की हत्या का उद्देश्य पूरी तरह सफल नहीं हो सका, लेकिन घटना में 13 वर्षीय बालक की मौत हो गई। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि पवन ठाकुर ने राजीव ठाकुर से संपर्क बनाए रखने के लिए उसे एक नया मोबाइल फोन और सिम कार्ड भी उपलब्ध कराया था।

पुलिस टीम को किया जाएगा सम्मानित–सहरसा पुलिस ने बताया कि इस कांड के सफल अनावरण और उच्च कोटि के साक्ष्य संकलन के लिए जांच में शामिल पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

जांच टीम में शामिल अधिकारी–इस मामले की जांच में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर आलोक कुमार के नेतृत्व में पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष अजीत कुमार, पुनि जिंदेंद्र ठाकुर (अनुसंधानकर्ता), पुनि रोशन कुमार, पुनि गुंजन कुमार, पुनि सनोज वर्मा, जिला आसूचना इकाई के अधिकारी एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस का कहना है कि इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

सैयद अता हसनैन को बिहार और नंदकिशोर यादव को नागालैंड का राज्यपाल बनाए जाने पर बधाई

लोकतंत्र की शान, पटना

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन को बिहार का नया राज्यपाल नियुक्त किए जाने और बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष नंदकिशोर यादर को नागालैंड का राज्यपाल बनाए जाने पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। संजय सरावगी ने कहा कि सैयद अता हसनैन भारतीय सेना के वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारी रहे हैं। उन्होंने अपने लगभग 40 वर्षों के सैन्य करियर में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर में उनकी भूमिका को बेहद अहम माना जाता है। उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में उनकी रणनीति और नेतृत्व की काफी सराहना हुई है। कहा कि सेना में उनका करियर उत्कृष्ट नेतृत्व, रणनीतिक सोच और राष्ट्रसेवा के लिए जाना जाता है। सेवानिवृत्ति के बाद भी सैयद अता हसनैन सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहे और वर्ष 2018 में उन्हें कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय का कुलाधिपति बनाया गया, जहां उन्होंने अपनी जिम्मेदारियां सफलतापूर्वक निभाईं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सैयद अता हसनैन का प्रशासनिक अनुभव और जनसेवा की भावना बिहार के लिए लाभकारी साबित होगी। उनके दूरदर्शी नेतृत्व से राज्य को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने ईश्वर से उनके सफल और उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। संजय सरावगी ने साथ ही भाजपा के वरिष्ठ नेता नंद किशोर यादव को नागालैंड का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर भी बधाई दी। उन्होंने इस निर्णय के लिए केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नेतृत्व ने "बिहार की मिट्टी के लाल" और बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष को उनके व्यापक प्रशासनिक अनुभव के आधार पर यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली में "एलुमनी मीट–2026" का भव्य आयोजन

लोकतंत्र की शान

इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में किया गया, जिसमें देश-विदेश में कार्यरत विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. समित तिवारी, प्रति-कुलपति डॉ. बसंत सिंह, कुलसचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह, डीन एकेडमिक डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. अमरीश कुमार सिंह सहित विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। एलुमनी मीट में ऑनलाइन माध्यम से भी कई पूर्व विद्यार्थियों ने सहभागिता की। नैरोबी से रौवचिश रंजन तथा यूएई से केशव ने कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से जुड़कर अपने अनुभव साझा किए और विश्वविद्यालय से जुड़ी अपनी स्मृतियों को ताजा किया। कार्यक्रम के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उत्साह और उमंग से भर दिया। इस अवसर पर विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट पूर्व विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। प्रत्याशा कुमारी को बेस्ट एलुमनी अवार्ड, रौवचिश रंजन को इंटरनेशनल एलुमनी अवार्ड तथा रकिया नाज़ को बेस्ट परफॉर्मिंग एलुमनी अवार्ड प्रदान किया गया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. समित तिवारी ने कहा कि विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी उसकी सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। उनकी उपलब्धियाँ न केवल संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़ाती हैं, बल्कि वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनती हैं। प्रति-कुलपति डॉ. बसंत सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि एलुमनी मीट के माध्यम से पूर्व विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय के बीच संबंध और अधिक मजबूत होते हैं। इससे वर्तमान छात्रों को मार्गदर्शन और करियर संबंधी नई संभावनाओं के बारे में जानकारी मिलती है। कुलसचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर गर्व करता है और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से एलुमनी को संस्थान से जोड़ने का प्रयास जारी रहेगा। इस अवसर पर सम्मानित पूर्व छात्रा रकिया नाज़ ने कहा कि डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय ने उन्हें न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की, बल्कि जीवन में आगे बढ़ने का आत्मविश्वास भी दिया। उन्होंने कहा कि आज जिस मुकाम पर वह हैं, उसमें विश्वविद्यालय का महत्वपूर्ण योगदान है। पूर्व छात्रा ज्योति द्विवेदी ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में प्राप्त शिक्षा, मार्गदर्शन और अनुशासन ने उनके व्यक्तित्व के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने वर्तमान विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर श्री संजीत कुमार, सुरभि कुमारी तथा पंकज कुमार का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन सभी एलुमनी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए तथा भविष्य में भी इस परंपरा को और व्यापक रूप देने के संकल्प के साथ किया गया।

प्रमंडलीय आयुक्त की अध्यक्षता में जनता से संवाद, 10 आवेदनों पर हुई सुनवाई

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सेवा–संवाद–समाधान अनुश्रवण प्रणाली के तहत ''सबका सम्मान–जीवन आसान'' (Ease of Living) कार्यक्रम के अंतर्गत कोशी प्रमंडल के प्रमंडलीय आयुक्त राजेश कुमार की अध्यक्षता में आम नागरिकों से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान प्रमंडल से संबंधित कुल 10 आवेदनों पर सुनवाई की गई और संबंधित विभागों को उनके शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया गया। कार्यक्रम में सहरसा से संबंधित 4 तथा मधेपुरा से संबंधित 3 आवेदनों पर समेकित रूप से विचार किया गया। सत्तर कटैया निवासी गोरेलाल यादव और सोनवर्षा राज निवासी अमृता भारती ने भू-अतिक्रमण से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया। वहीं सलखुआ के मुबारकपुर निवासी गुड़िया कुमारी ने दबंग तत्वों द्वारा भूमि पर कार्य में बाधा उत्पन्न करने की शिकायत की। मधेपुरा जिले के अंतर्गत नीलम देवी ने आगजनी की घटना के बाद नियमानुसार मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर आवेदन दिया। प्राप्त सभी आवेदनों के निष्पादन के लिए संबंधित अंचलाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता तथा आपदा प्रबंधन विभाग को आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर आयुक्त के सचिव सह उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी दिनेश लाल दास सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनता दरबार, 35 आवेदनों पर हुई सुनवाई

सहरसा। इसी क्रम में ''सबका सम्मान–जीवन आसान'' कार्यक्रम के अंतर्गत जिलाधिकारी दीपेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित जनता से संवाद कार्यक्रम में आम नागरिकों की समस्याओं को सुना गया। इस दौरान कुल 35 आवेदनों पर सुनवाई कर संबंधित विभागों को उनके समुचित निष्पादन के निर्देश दिए गए। सुनवाई के दौरान बिहरा निवासी गणेश प्रसाद साह ने आवासीय भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत की, जिसके समाधान के लिए भूमि सुधार उप समाहर्ता, सहरसा को निर्देशित किया गया। वहीं हसोलिया कनेरिया निवासी नुनूलाल यादव ने अपने पुत्र द्वारा प्रताड़ित किए जाने की शिकायत की, जिस पर अनुमंडल पदाधिकारी, सदर तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। सिमराहा निवासी बैजनाथ यादव ने दाखिल-खारिज लंबित रहने की समस्या रखी, जिसके निवारण के लिए भूमि सुधार उप समाहर्ता को निर्देश दिया गया। वहीं भरौली सोनवर्षा कचहरी निवासी डोली कुमारी के आवेदन के निष्पादन के लिए सामान्य शाखा को निर्देशित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित अन्य आवेदनों की भी सुनवाई की गई। जनता दरबार में जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार, अपर समाहर्ता (वित्त/जांच) गणेश कुमार, प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत कोषांग सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बिहार की राजनीति के लिए ऐतिहासिक और गौरव का समय: प्रेम रंजन पटेल

लोकतंत्र की शान, पटना

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक प्रेम रंजन पटेल ने बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री नितीश कुमार का राज्यसभा के लिए नामांकन कर केंद्र की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने का निर्णय, बिहार की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूत करने के साथ राज्य के विकास से जुड़े मुद्दों को भी नई गति प्रदान करेगा। उनके लंबे प्रशासनिक अनुभव और संतुलित नेतृत्व का लाभ अब राष्ट्रीय नीति निर्माण में होगा, जिससे बिहार के हितों को और अधिक मजबूती से रखा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि बिहार के ऊर्जावान युवा नेता नितिन नविन का भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना और राज्यसभा में नामांकन के माध्यम से राष्ट्रीय राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनना पूरे बिहार के लिए गौरव का विषय है। युवा नेतृत्व, संगठनात्मक क्षमता और राजनीतिक अनुभव के साथ वे राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी को नई दिशा देने के साथ-साथ बिहार की जन आकांक्षाओं को मजबूती प्रदान करेंगे।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लंबे समय से सार्वजनिक जीवन में सक्रिय, अनुभवी और लोकप्रिय नेता नंद किशोर यादव को राज्यपाल के महत्वपूर्ण दायित्व से सम्मानित किया जाना भी बिहार के लिए गर्व का विषय है। अपने लंबे राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव के कारण वे संवैधानिक पद की गरिमा को और अधिक सुदृढ़ करेंगे तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। यह बिहार के लिए अत्यंत सकारात्मक और प्रेरणादायक स्थिति है कि राज्य से जुड़े अनुभवी, दूरदर्शी और समर्पित नेता राष्ट्रीय राजनीति के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपनी भूमिका निभा रहे हैं। इससे न केवल बिहार की राजनीतिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी बल्कि विकास, आधारभूत संरचना, उद्योग, शिक्षा और रोजगार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में राज्य को अधिक अवसर और सहयोग प्राप्त होगा।

पटना के पुनडीह में 'बसियौरा' मेले का आयोजन, निकली माता सती की पालकी

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना के पुनडीह गांव में पारंपरिक 'बसियौरा' मेले का आयोजन किया गया। होली के समापन के बाद आयोजित होने वाला यह प्राचीन मेला गुरुवार देर रात पारंपरिक लोक संगीत और भजनों से शुरू हुआ। अगले दिन यानी आज शुक्रवार सुबह पुनडीह से एक विशाल जुलूस निकाला गया। इसमें हाथी, घोड़े और बैंड-बाजे शामिल थे। शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण सजे हुए रथ पर विराजमान माता सती की प्रतिमा और कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सती की झांकी रही। इसे देखने के लिए गुलमहियाचक और आलमपुर सहित आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

होली के दूसरे दिन विधि-विधान से होती है पूजा: पुनडीह पंचायत के मुखिया मनोज यादव ने मेले के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया किस यह परंपरा सदियों पुरानी है। लोक मान्यताओं के अनुसार, प्राचीन काल में होली के अगले दिन एक नवविवाहिता के पति का निधन हो गया था, जिसके बाद वह महिला अपने पति की चिता पर सती हो गई थी। उस घटना के कुछ समय बाद क्षेत्र में भीषण महामारी फैल गई थी। ग्रामीणों ने तब माता सती का मंदिर बनवाकर उनकी प्रतिमा स्थापित की और विशेष पूजा-अर्चना शुरू की, जिससे महामारी का प्रकोप शांत हुआ। तभी से हर साल होली के दूसरे दिन तांत्रिक विधि-विधान और पूर्ण मंत्रोच्चार के साथ यहां विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं।

माता सती को डोली पर बैठाकर कराया नगर भ्रमण: परंपरा के अनुसार, विशेष पूजा के बाद सती स्वरूप कन्या को डोली पर बैठाकर पूरे क्षेत्र का भ्रमण कराया गया। ग्रामीण होली के पारंपरिक गीत और भजन गाते हुए कच्ची दरगाह मार्ग से सबलपुर घाट पहुंचे। यहां सती की प्रतिमा के विसर्जन के साथ इस वर्ष के आयोजन का समापन हुआ। स्थानीय निवासियों का मानना है कि यदि इस पूजा में कोई बाधा आती है, तो गांव पर विपत्ति आ सकती है। यही कारण है कि पीढ़ी दर पीढ़ी इस परंपरा का पूरी निष्ठा से पालन किया जा रहा है।

होली बाद यात्रियों की भीड़, पटना-दानापुर पर होल्डिंग एरिया, 9 स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

लोकतंत्र की शान, पटना

होली के बाद घर लौटने वाले यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए दानापुर रेल मंडल ने विशेष तैयारी की है। भीड़ प्रबंधन और यात्रियों की सुविधा के लिए पटना और दानापुर स्टेशन पर होल्डिंग एरिया बनाया गया है। गुरुवार को दानापुर मंडल से नियमित ट्रेनों के अलावा 9 फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, होली के बाद लौटने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनों की व्यवस्था की गई है। साथ ही, स्टेशनों और ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ाई गई है ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सीसीटीवी कैमरों से चौबीसों घंटे निगरानी

नई दिल्ली के लिए चलाई जा रही स्पेशल ट्रेनें: दानापुर मंडल से गुरुवार को पटना से राजगीर, पुरी और नई दिल्ली के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। दानापुर से लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मुंबई), पुणे, एसएमवीटी बेंगलुरु और चर्लपल्ली के लिए भी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। चर्लपल्ली के लिए दो ट्रेनें चल रही हैं। स्थानीय यात्रियों के लिए पटना और राजगीर के बीच भी एक फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन संचालित हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

यमुनानगरःघर में घुसकर हमला, दो पर केस दर्ज

लोकतंत्र की शान : यमुनानगर। यमुनानगर शहर के पटेल नगर क्षेत्र में किराये के मकान में रहने वाले एक युवक पर पड़ोस में रहने वाले कुछ लोगों द्वारा घर में घुसकर हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में युवक और उसके रिश्तेदार घायल हो गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर दो युवकों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में पवन कुमार ने बताया कि वह पटेल नगर क्षेत्र में किराये के मकान में रहता है और एक फैक्टरी में वेल्डर के रूप में कार्य करता है। पवन कुमार के अनुसार शाम के समय वह अपने कमरे में अपने मामा रविंद्र और विक्की सिंह के साथ बैठा हुआ था। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले वरुण, निखिल और एक अन्य युवक अचानक गाली-गलौच करते हुए उनके घर में घुस आए।आरोप है कि तीनों युवकों के हाथों में डंडे और लोहे की रॉड थीं। घर में घुसते ही उन्होंने पवन कुमार पर हमला कर दिया। शिकायतकर्ता के अनुसार वरुण ने डंडे से उसकी टांग पर कई वार किए, जबकि निखिल ने लोहे की रॉड से उसके सिर पर प्रहार किया। घटना के दौरान मकान मालिक की पत्नी बीच-बचाव के लिए पहुंचीं, लेकिन आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें भी अपशब्द कहे और जान से मारने की धमकी दी। जाते समय आरोपियों ने दोबारा सामने आने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस चौकी हमीदा में प्राप्त शिकायत और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर थाना शहर यमुनानगर में वरुण और निखिल के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बादशाह के हरियाणवी रैप 'टटीरी' पर विवाद, हरियाणा महिला आयोग ने जारी किया समन

लोकतंत्र की शान : चंडीगढ़। बॉलीवुड रैपर बादशाह (आदित्य प्रतीक सिंह सिसोदिया) हरियाणवी फोक सॉन्ग 'टटीरी' के रीमिक्स रैप पर विवाद में फंस गए हैं। हरियाणा राज्य महिला आयोग ने गाने के बोल और वीडियो पर आपत्ति के बाद उन्हें समन जारी किया है। बादशाह को 13 मार्च को आयोग के समक्ष पेश होकर पक्ष रखने को कहा गया है।हरियाणा के पानीपत की नारी तू नारायणी संस्था की अध्यक्ष सविता आर्य और शिव आरती फाउंडेशन के प्रमुख शिव कुमार की शिकायत पर महिला आयोग ने यह नोटिस जारी किया है। इसके अलावा रोहतक के एडवोकेट राजनारायण पंघाल ने भी राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग को शिकायत भेजी है।शिकायत में बादशाह के रैप की लाइन 'आया बादशाह डोली चढ़ाने, इन सबकी घोड़ी बनाने' पर आपत्ति उठाई है। उन्होंने कहा कि इस गाने में गंदी शब्दावली का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही स्कूल ड्रेस में नाबालिग बच्चियों को स्कूल बैग फेंकते हुए दिखाया गया। बादशाह के गीत में छोटी-छोटी नाबालिग बच्चियां हरियाणा के सरकारी स्कूल की यूनिफॉर्म पहने हुए हैं और उन्हें अपनी किताबें व बस्ते फेंकते हुए और पढ़ाई से दूर भागते हुए दिखाया गया है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि गाने के ये सीन और शब्द समाज में गलत मैसेज दे सकते हैं कि पढ़ाई जरूरी नहीं है। इससे बच्चे गलत और भद्दी भाषा को आम बात समझ सकते हैं। खासकर जब छोटे बच्चों को स्कूल की यूनिफॉर्म में ऐसा करते हुए दिखाया जाता है, तो इससे दूसरे बच्चे भी पढ़ाई से दूर हो सकते हैं।उल्लेखनीय है कि टटीरी हरियाणवी गीत है। जिसे एक हरियाणवी सिंगर की बेटी ने गाया था। इस गीत में लड़कियां हरियाणवी परिधान में नृत्य करती हैं। बादशाह रैपर की इस पर नजर पड़ी तो उन्होंने इसे रैप के रूप में पेश कर दिया। इस रैप की शूटिंग जींद जिले में की गई थी। यह गीत एक मार्च को रिलीज हुआ था। इस गाने में कैथल की रहने वाली बॉक्सर सिमरन जागलान की भी आवाज है। वह हरियाणवी सिंगर कर्मबीर फौजी की बेटी हैं। टटीरी गाने को अभी तक यूट्यूब पर 2 मिलियन से ज्यादा लोग सुन चुके हैं।यह गीत रिलीज होने के बाद रैप के बोल तथा फिल्मांकन पर विवाद हो गया है। गुरुवार की रात जयहिंद सेना के प्रमुख नवीन जयहिंद ने सोशल मीडिया एक्स पर इसका विरोध करते हुए बैन करने की मांग की।महिला आयोग ने पानीपत पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर समन जारी किया है। यह सुनवाई 13 मार्च को महिला आयोग अध्यक्षा रेनु भाटिया द्वारा जिला उपायुक्त कार्यालय पानीपत के कांफ्रेंस हॉल में होगी। शिकायतकर्ता सविता आर्य और शिव कुमार तथा उत्तरवादी के रूप में बादशाह को पेश होना है।

राष्ट्रीय महिला आयोग आपके द्वारः जयपुर में नौ मार्च को महिला जनसुनवाई

लोकतंत्र की शान : जयपुर। महिलाओं की समस्याओं के त्वरित समाधान और उन्हें न्याय दिलाने के उद्देश्य से नौ मार्च को जयपुर में 'राष्ट्रीय महिला आयोग आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत महिला जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। इस जनसुनवाई में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर स्वयं उपस्थित रहकर महिलाओं की शिकायतों और समस्याओं की सुनवाई करेंगी। यह जनसुनवाई सोमवार को सुबह 11 बजे से राजस्थान पुलिस अकादमी के बैठक कक्ष में आयोजित होगी। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं से जुड़ी विभिन्न प्रकार की शिकायतों जैसे पारिवारिक विवाद, घरेलू हिंसा, उत्पीड़न, संपत्ति विवाद और अन्य सामाजिक समस्याओं पर सुनवाई कर उनके समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। जिला कलक्टर जितेन्द्र कुमार सोनी ने कार्यक्रम के सफल एवं सुचारू आयोजन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी हैं। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जनसुनवाई में प्राप्त होने वाली शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए सभी विभाग पूरी तैयारी के साथ मौजूद रहें और महिलाओं को आवश्यक सहयोग प्रदान करें। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं और समन्वय के लिए अरुण कुमार (उपखण्ड अधिकारी, जयपुर दक्षिण) को समग्र प्रभारी बनाया गया है।

मझौली पुलिस की तत्परता से सुरक्षित दस्तयाब हुए दो लापता नाबालिग

लोकतंत्र की शान

सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी श्री संतोष कोरी के कुशल निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अरविंद श्रीवास्तव एवं एसडीओपी चुरहट/कुसमी श्री रवि प्रकाश कौल के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी मझौली उप निरीक्षक विशाल शर्मा के नेतृत्व में मझौली पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए दो लापता नाबालिग बच्चों को सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। घटना का संक्षिप्त विवरणः- थाना मझौली अंतर्गत क्षेत्र के निवासी दो महिलाओं ने थाने में सूचना दी कि उनके नाबालिग पुत्र सुबह करीब 09:00 बजे घर के पास खेलते समय पास के खेत में चले गए थे। खेत में चना की फसल उखाड़ने की बात पर बड़े-बुजुर्गों द्वारा डांटे जाने के कारण दोनों बच्चे डर गए और वहां से कहीं चले गए। काफी खोजबीन और रिश्तेदारों के यहाँ पता करने के बाद भी जब बच्चों का कोई सुराग नहीं मिला, तब परिजनों ने थाना मझौली में रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मामला कायम कर तलाश शुरू की। पुलिस की त्वरित कार्यवाहीः- थाना प्रभारी मझौली के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए संभावित स्थानों पर दबिश दी और स्थानीय स्तर पर सूचनाएं संकलित कीं। पुलिस की तत्परता और प्रभावी खोजबीन के परिणामस्वरूप यह जानकारी प्राप्त हुई कि बच्चे डर के कारण अपने मामा के घर चले गए थे। मझौली पुलिस ने बिना समय गवाए बच्चों को सुरक्षित दस्तयाब किया और आवश्यक वैधानिक कार्यवाही एवं काउंसलिंग के उपरांत उन्हें सकुशल उनके परिजनों को सौंप दिया। अपने बच्चों को सुरक्षित पाकर परिजनों ने सीधी पुलिस का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता शिवमूरत देव जी महाराज के पूज्य दादा विजयलाल उपाध्याय का 100 वर्ष की आयु में निधन

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के मड़वास नरगी क्षेत्र में उस समय शोक की लहर दौड़ गई, जब प्रसिद्ध कथावाचक एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता शिवमूरत देव जी महाराज के पूज्य दादा, स्वर्गीय विजयलाल उपाध्याय (बब्बा जी) का 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके देहावसान से क्षेत्र ने एक विद्वान, धर्मनिष्ठ और समाजसेवी व्यक्तित्व को खो दिया है। स्वर्गीय विजयलाल उपाध्याय जी अपने सादगीपूर्ण जीवन, धार्मिक आस्था और सामाजिक सक्रियता के लिए पूरे क्षेत्र में सम्मानित थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यों को समर्पित किया। विशेष रूप से आदिवासी अंचलों में सनातन संस्कृति के संरक्षण और प्रसार के लिए उन्होंने अनेक धर्मार्थ कार्य कराए। धर्मांतरण जैसी चुनौतियों के बीच उन्होंने समाज को जागरूक करते हुए धर्म और संस्कारों का उपदेश दिया। उनकी समाज में प्रतिष्ठा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि क्षेत्रीय विधायक कुंवर सिंह टेकाम (विधायक, धौहनी) का नामकरण संस्कार भी स्वर्गीय उपाध्याय जी द्वारा ही संपन्न कराया गया था। वे न केवल धार्मिक मार्गदर्शक थे, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने वाले सेतु के रूप में भी जाने जाते थे। उनके निधन से मड़वास नरगी सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में शिष्य परिकरों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उपस्थित होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

जनपद उपाध्यक्ष का निर्वाचन अवैध घोषित, सदस्य निर्वाचित होने के लिए किया था अनुचित दस्तावेज का प्रयोग

- रामपुर नैकिन जनपद पंचायत के वार्ड क्रमांक 01 के मामला
- उच्च न्यायालय जबलपुर ने रद्द किया निर्वाचन परिणाम

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख

सीधी। उच्च न्यायालय जबलपुर ने जनपद पंचायत रामपुर नैकिन जिला सीधी के वार्ड नंबर 1 के चुनाव को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने अवैध रूप से निर्वाचित उम्मीदवार का चुनाव रद्द करते हुए दोबारा चुनाव कराने का आदेश दिया है। दरअसल वर्ष 2022 में जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के वार्ड क्रमांक 1 के लिए चुनाव हुए थे, जिनका परिणाम 14 जुलाई 2022 को घोषित हुआ था। इस चुनाव में ऋषिराज मिश्रा सबसे अधिक वोट पाकर विजयी हुए थे, जबकि राकेश पांडेय दूसरे स्थान पर रहे थे। इसके बाद राकेश पांडेय ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर चुनाव को चुनौती दी थी। याचिका में आरोप लगाया गया कि निर्वाचित उम्मीदवार ने नामांकन पत्र और शपथपत्र में गलत जानकारी दी। उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज कई आपराधिक मामलों की जानकारी छिपाई और अपनी शैक्षणिक योग्यता भी गलत बताई। शपथपत्र में उन्होंने स्वयं को वर्ष 2008 में हाई स्कूल पास बताया था, जबकि रिकॉर्ड के अनुसार वे वर्ष 2004 में हाई स्कूल परीक्षा में असफल हुए थे। इसके अलावा वर्ष 2005, 2007, 2010, 2011 और 2021 के आपराधिक मामलों का भी शपथपत्र में उल्लेख नहीं किया गया था। जबकि पंचायत चुनाव के नियमों के अनुसार उम्मीदवार को अपने सभी आपराधिक मामलों की जानकारी देना अनिवार्य होता है। मामले की सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने पाया कि विजेता उम्मीदवार ने महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई है और ऐसी स्थिति में उनका नामांकन स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए था। कोर्ट ने कहा कि यदि नामांकन निरस्त हो जाता तो वे चुनाव लड़ ही नहीं पाते, जिससे चुनाव परिणाम प्रभावित हुआ है। इसी आधार पर हाई कोर्ट ने 29 जुलाई 2024 के आदेश को निरस्त करते हुए निर्वाचित उम्मीदवार का चुनाव रद्द कर दिया और वार्ड क्रमांक 1 के लिए पुनः चुनाव कराने का निर्देश दिया है।

कटनी में नियमों की धज्जियां: सड़क से सटाकर काटे जा रहे प्लॉट, जिम्मेदार मौन

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनीः जिले में अवैध प्लॉटिंग का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिला प्रशासन समय-समय पर कार्रवाई का दावा जरूर करता है, लेकिन इसके बावजूद शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक भूमाफिया बेखौफ होकर कृषि भूमि को काटकर प्लॉट बेच रहे हैं। इससे न केवल सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है बल्कि आम नागरिक भी भविष्य के संकट की ओर धकेले जा रहे हैं। इसी कड़ी में कुठला थाना क्षेत्र के रीठी मार्ग पर बायपास से पहले आईटीआई भवन के सामने बड़े पैमाने पर अवैध प्लॉटिंग किए जाने का मामला सामने आया है। यहां सड़क से सटाकर कृषि भूमि को छोटे-छोटे प्लॉटों में काटा जा रहा है, जिससे प्रशासन की निगरानी और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना वैधानिक प्रक्रिया पूरी किए भूमाफिया खुलेआम प्लॉटिंग कर रहे हैं। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो भविष्य में यहां बड़ी समस्याएं खड़ी हो सकती हैं।सड़क की चौड़ाई पर पड़ेगा असर, बढ़ेगा हादसों का खतरा क्षेत्रवासियों के अनुसार सड़क की पट्टी से बिल्कुल सटाकर प्लॉट तैयार किए जा रहे हैं। आने वाले समय में यदि इन प्लॉटों पर मकान और दुकानें बनती हैं तो सड़क की चौड़ाई प्रभावित होगी। इससे ट्रैफिक जाम, पार्किंग की समस्या और सड़क दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ सकता है। मुख्य मार्ग पर निर्धारित सेटबैक और सुरक्षा मानकों की अनदेखी आम लोगों की जान को जोखिम में डाल सकती है।बिना अनुमति चल रही प्लॉटिंग, मिलीभगत की चर्चासूत्रों की मानें तो यह प्लॉटिंग बिना भूमि कन्वर्जन और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग की अनुमति के की जा रही है। मामले में राजस्व विभाग के कुछ जिम्मेदार अधिकारियों की संभावित मिलीभगत की भी चर्चा स्थानीय स्तर पर हो रही है, जिससे प्रशासन की साख पर सवाल उठ रहे हैं।

बंगला लाइन माधवनगर कटनी में बम फेकने वाले आरोपीयों को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर किया गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डा. संतोष डेहरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमति नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी माधवनगर संजय दुबे के नेतृत्व में बंगला लाइन माधवनगर में बम फेकने वाले आरोपीयों को पकड़ा गया। **विवरणः-** दिनांक 05.03.26 को प्रार्थी रोहनी वंशकार द्वारा थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट लेख कराई कि दोपरह करीब 2.30 बजे परिवार जनों के साथ बंगला लाइन स्थित घर के आगन पर बैठे तभी बंगला लाइन के रहने वाले अट्ठा डुमार, मिंटु डुमार, आनु डुमार व अन्य साथी गण आये और जान से मारने की नियत से ज्वलनशील पदार्थ फेके जिसके फटने से शरीर में, चेहरे व भागों में परिवार के लगभग 08 लोग को जलने से से चोट लगी है। जिनको तत्काल जिला अस्पताल कटनी रिफर किया गया। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना माधव नगर में अपराध धारा 109(1) बीएनएस, 3(क) विस्फोटक अधि. 1908 का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना स्थल से आरोपगण द्वारा फेके गये जल्वलनशील पदार्थ के अवशेष मोके पर जप्त किये गये। व आरोपीगण की तलाश की गई। जो मुखबिर सूचना पर 1. अट्ठाउर्फ अमन विरहा पिता अशोक विरहा उम्र 27 वर्ष निवासी बंगला लाइन 2. आर्यन उर्फ अनु धारक पिता रवि उम्र 20 वर्ष निवासी बंगला लाइन 3. ऋतिक उर्फ उल्लू चाहोतेल पिता राजकुमार उम्र 20 वर्ष निवासी बंगला लाइन 4. मिंटू उर्फ विकास पिता अशोक बिरहा उम्र 30 वर्ष निवासी बांग्ला एवं विधि से संघर्षरत बालक सभी निवासी बंगला लाइन थाना माधवनगर कटनी को पकड़ा गया। आरोपीगण द्वारा स्यवं का किया गया कृत्य स्वीकार किया गया। आरोपीगण 1. अट्ठाउर्फ अमन विरहा पिता अशोक विरहा उम्र 27 वर्ष निवासी बंगला लाइन 2. आर्यन उर्फ अनु धारक पिता रवि उम्र 20 वर्ष निवासी बंगला लाइन 3. ऋतिक उर्फ उल्लू चाहोतेल पिता राजकुमार उम्र 20 वर्ष निवासी बंगला लाइन 4 मिंटू उर्फ विकास पिता अशोक बिरहा उम्र 30 वर्ष निवासी बांग्ला लाइन थाना माधवनगर कटनी को गिरफ्तार किया गया एवं एक विधि विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लिया गया

मायके में महिला ने खाया जहर, इलाज के दौरान मौत

मर्ग कायम कर जांच में जुटी मझौली पुलिस

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के मझौली थाना क्षेत्र अंतर्गत एक महिला की जहर खाने से मौत हो गई। महिला ने अपने मायके में जहर खाया था, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मझौली थाना क्षेत्र के ग्राम अतरैला निवासी गुड़िया साहू 30 वर्ष पत्नी गोकुल साहू कुछ दिन पहले अपने ससुराल से मायके आई हुई थीं। शुक्रवार को उन्होंने अज्ञात कारणों से जहर का सेवन कर लिया। परिजनों को जानकारी मिलने पर गुड़िया को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनका उपचार शुरू किया, लेकिन उनकी हालत बिगड़ती चली गई और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस घटना को लेकर मृतका के पति गोकुल साहू ने बताया कि उनकी पत्नी उनके साथ मायके गई हुई थीं। उन्होंने कहा कि रात में सब सामान्य था और उन्हें किसी प्रकार की आशंका नहीं थी। सुबह परिजनों से जानकारी मिलने पर उन्हें जहर सेवन का पता चला। पति ने बताया कि उन्हें अभी तक समझ नहीं आ रहा है कि उनकी पत्नी ने यह कदम क्यों उठाया। घटना की सूचना मिलते ही मझौली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

गढ़वाली फिल्म 'घंगतोल' 6 मार्च को दिल्ली और एनसीआर के 11 सिनेमाघरों में रिलीज हुई

लोकतंत्र की शान, सुनील नेगी

उत्तराखंड की क्षेत्रीय फिल्म 'घंगतोल', जिसका अर्थ है भ्रम, 6 मार्च, 2026 को देश भर के तेरह सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसका निर्माण जोधा फिल्म्स, संजय जोशी और सुधीर धर ने किया है और निर्देशन उत्तराखंड सिनेमा की पहली महिला निर्देशक सुशीला रावत ने किया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और एनसीआर (नोएडा और गाजियाबाद) में यह फिल्म पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण दिशाओं में ग्यारह सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। यह पहली बार है कि कोई गढ़वाली फिल्म राष्ट्रीय राजधानी और एनसीआर में इतने बड़े पैमाने पर रिलीज हो रही है। क ड्रामा है जो रिवर्स माइग्रेशन का सामाजिक संदेश देती है और इसमें सौ से अधिक कलाकारों ने अभिनय किया है, जिससे यह सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म बन गई है। उत्तराखंड फिल्म उद्योग ने इस दशक में काफी प्रगति की है और उत्तराखंड तथा उत्तराखंड की आबादी वाले देश के अन्य हिस्सों में बड़ी संख्या में फिल्में सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई हैं। फिल्म समीक्षकों का कहना है कि उत्तराखंड में क्षेत्रीय फिल्मों के निर्माण को बढ़ावा देने में सरकारी सब्सिडी की महत्वपूर्ण भूमिका है। निर्माता संजय जोशी ने बताया कि 'घंगतोल' ने देहरादून और उत्तराखंड के अन्य हिस्सों में अच्छा कारोबार किया। उनकी पिछली फिल्म 'चक्रव्यूह' गढ़वाली, कुमाऊँनी और नेपाली भाषाओं में डब होने के बावजूद अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और ज्यादा मुनाफा नहीं कमा सकी। हालांकि, माना जा रहा है कि वर्तमान फिल्म 'घंगतोल' अच्छा कारोबार कर रही है और दर्शकों द्वारा पसंद की जा रही है क्योंकि इसकी पटकथा, संगीत, गीत, प्राकृतिक सौंदर्य और सिनेमैटोग्राफी उत्कृष्ट हैं। फिल्म की शूटिंग गढ़वाल, उत्तराखंड के शांत वातावरण और खूबसूरत स्थानों में की गई है, जिसमें सुशीला रावत का निर्देशन बेहद सराहनीय है। इस फिल्म में अभिनय करने वाले कलाकार हैं: विशंभर के रूप में कुलदीप असवाल, भास्कर के रूप में जितेन बिष्ट, जाहन्वी के रूप में सर्षती रावत, खीम दा के रूप में पदमेंद्र रावत, विक्रम प्रधान के रूप में विकास खत्री, आभा के रूप में नीलम रावत, चंद्र मोहन के रूप में अजय सिंह बिष्ट, नीरजा के रूप में किरण लखेरा इस्टवाल, पीतांबर दत्त के रूप में खुशाल सिंह बिष्ट, विभा के रूप में प्रज्ञा रावत मालती के रूप में वैभवी, चंदन के रूप में दक्ष दिगंबर के रूप में सुशील पुरोहित। फिल्म का संगीत प्रसिद्ध संगीत निर्देशक राजेंद्र चौहान ने दिया है। उत्तराखंड के प्रतिष्ठित पुरुष और महिला गायक नरेंद्र नेगी, अनुराधा निराला, कल्पना चौहान, रोहित चौहान और विवेक नौटियाल ने इस फिल्म के प्रभावशाली गीतों को अपनी सुरीली आवाज दी है। इन गीतों के गीत श्रीमती सुशीला रावत, डॉ. शिवानंद नौटियाल, राजा बिष्ट और डॉ. सतीश कालेश्वरी ने लिखे हैं। फिल्म के छायांकन ध्रुव त्यागी और संपादन पुष्कर भरत पंत ने किया है। ध्वनि अभियंता जितेंद्र पाठक हैं, जबकि पटकथा संजय जोशी और सुशीला रावत ने संयुक्त रूप से लिखी है। मेकअप लकी मुस्तकीम ने किया है और पृष्ठभूमि संगीत विजय कपूर ने दिया है। फिल्म के संपूर्ण निर्माण का नियंत्रण प्रोडक्शन इंचार्ज कुशल सिंह बिष्ट ने संभाला है, जो स्वयं एक प्रमुख अभिनेता हैं।

रंगोत्सव पर बच्चों ने कलेक्टर संग खेली रंगों की होली

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

- आसरा बाल गृह के बच्चों ने कलेक्टर को किया रंगों से सराबोर
- बच्चों ने चलाई पिचकारियां, मची रंग-गुलाल की धूम
- होली खेलने के साथ साथ बच्चों पारंपरिक व्यंजनों सहित चटपटे स्वाद का आनंद उठाया

कटनी । रंगों के पर्व होली पर कलेक्टर आशीष तिवारी बच्चों के साथ बच्चे बने नजर आए। उन्होंने आसरा बाल गृह के बच्चों की नटखट टोली के साथ कलेक्टर निवास में रंग और गुलाल की जमकर होली खेली और बच्चों की खुशियों में शामिल हुए। बच्चों ने यहां गुझिया, जलेबी, खस्ता,कचौड़ी, आलू टिकिया -मटर चाट, पानी पूरी, आइसक्रीम सहित भांति-भांति के लजीज व्यंजनों और मिठाईयों का जायका लिया। इस दौरान जिले के कई प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। इनमें पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा,निगमायुक्त तपस्या परिहार,अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा, एसडीएम कटनी प्रमोद चतुर्वेदी, एसडीएम बहोरीबंद राकेश चौरसिया एवं विजयराघवगढ़ एसडीएम विवेक गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रदीप मिश्रा , तहसीलदार अजीत तिवारी सहित अन्य विभागों के जिला अधिकारी । कलेक्टर श्री तिवारी ने निज निवास पर आयोजित होली कार्यक्रम में बाल गृह के बच्चों को विशेष तौर पर आमंत्रित किया। जहां कलेक्टर ने बच्चों के साथ करीब 3 घंटे तक जमकर होली खेली। बच्चों की खुशियों में शामिल कलेक्टर श्री तिवारी को, बच्चों ने रंग और गुलाल से सराबोर कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

रायसीना डायलॉग, ईरानी उप-विदेश मंत्री बोले- आखिरी गोली तक लड़ेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली में चल रहे रायसीना डायलॉग 2026 में शुक्रवार को ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खतीबजादेह भी शामिल हुए। उन्होंने कहा- तेहरान के पास अमेरिकी-इजराइली हमले के खिलाफ देश की रक्षा के लिए बहादुरी से लड़ने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। हमने कसम खाई है कि देश आखिरी गोली और आखिरी सैनिक तक विरोध करेगा। उन्होंने कहा- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ईरान में नेतृत्व बदलने की बात करते हैं, जबकि वे अपने ही देश में न्यूयॉर्क के मेयर तक नियुक्त नहीं कर सकते। यह एक तरह का औपनिवेशिक नजरिया है। वे अपने देश में लोकतंत्र की बात करते हैं, लेकिन ईरान की लोकतांत्रिक सरकार को गिराना चाहते हैं। न्यूज एजेंसी ANI से चर्चा के दौरान खतीबजादेह ने कहा- ईरान इस समय पूरी तरह से युद्ध की स्थिति से गुजर रहा है। जब हम बात कर रहे हैं, मेरे साथी नागरिकों पर अमेरिका-इजराइल का लगातार हमला हो रहा है। मुझे लगता है कि अभी ईरान के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि वह हमलावर के खिलाफ पूरी तरह से विरोध करे। अमेरिका के संभावित जमीनी हमले के सवाल पर उन्होंने कहा कि ईरान किसी भी औपनिवेशिक मिशन को रोकने के लिए तैयार है। अपने देश की राजनीतिक व्यवस्था बदलने की किसी भी कोशिश का विरोध करेगा। उन्होंने कहा कि ईरान के कुर्द समुदाय को अलगाववाद से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। ईरान के कुर्द देश की पहचान का अहम हिस्सा हैं, जबकि कुछ अलगाववादी समूहों को बाहरी एजेंसियों का समर्थन मिला है।

ट्रम्प बोले- ईरान मेरे बिना सुप्रीम लीडर न चुने, सिलेक्शन में अमेरिका का रोल जरूरी, खामेनेई का बेटा मंजूर नहीं

तेल अवीव/तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान को उनके बिना नया सुप्रीम लीडर नहीं चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि नए नेता के चयन में अमेरिका की भूमिका जरूरी है और बिना अमेरिका की भागीदारी के ऐसा करना वक्त की बर्बादी होगी। एक्सिओस को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि ईरान अगर अमेरिका को शामिल किए बिना नया सुप्रीम लीडर चुनता है तो इसका कोई मतलब नहीं होगा। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा है, लेकिन वह इसे स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर नया नेता भी पुराने नेतृत्व की नीतियां जारी रखता है तो अमेरिका और ईरान के बीच आने वाले वर्षों में फिर टकराव हो सकता है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ऐसा नेता चाहता है जो ईरान में शांति और स्थिरता ला सके। भारत ने पहली बार ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर शोक जताया है। भारत सरकार की ओर से विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने नई दिल्ली स्थित ईरान दूतावास जाकर खामेनेई के निधन पर संवेदना जताई।उन्होंने कंडोलेंस बुक (शोक पुस्तिका) पर हस्ताक्षर कर श्रद्धांजलि दी। खामेनेई के निधन के बाद दुनियाभर के कई देशों से शोक संदेश भेजे जा रहे हैं।

चारधाम यात्रा 2026- ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू, वॉट्सएप से कर सकते हैं आवेदन

देहरादून। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा 2026 के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रोसेस शुरू हो गया है। अब श्रद्धालु घर बैठे मोबाइल, कंप्यूटर, मोबाइल एप या वॉट्सएप के जरिए भी यात्रा के लिए पंजीकरण करा सकते हैं। यात्रा में शामिल होने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य रखा गया है, ताकि प्रशासन यात्रियों की संख्या, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को बेहतर तरीके से संभाल सके। इस साल चारधाम यात्रा की शुरुआत 19 अप्रैल से हो रही है। परंपरा के अनुसार इसी दिन यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खुलेंगे। इसके बाद 22 अप्रैल को केदारनाथ धाम और 23 अप्रैल को बद्रीनाथ धाम के कपाट खोले जाएंगे। फिलहाल सरकार ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू किया है, जबकि ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन 17 अप्रैल से शुरू किया जाएगा। यात्रा शुरू होने से पहले हरिद्वार, ऋषिकेश समेत कई प्रमुख स्थानों पर बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन काउंटर लगाए जाएंगे, ताकि जिन श्रद्धालुओं के पास इंटरनेट की सुविधा नहीं है वे भी आसानी से पंजीकरण करा सकें। वेबसाइट से रजिस्ट्रेशनः श्रद्धालु उत्तराखंड सरकार की वेबसाइट registrationandtouristcare.uk.gov.in पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। इसके लिए पहले वेबसाइट पर अकाउंट बनाना होता है। इसके बाद यात्रा की तारीख, धाम और यात्रियों की जानकारी भरनी होती है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद रजिस्ट्रेशन स्लिप डाउनलोड की जा सकती है।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के पक्ष में दिख रही लहर सुशासन के लिए शांतिपूर्ण बगावत : भट्टराई

काठमांडू। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. बाबुराम भट्टराई ने कहा है कि राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के पक्ष में दिखाई दे रही जनलहर सुशासन और समृद्धि की चाह रखने वाले नागरिकों की 'शांतिपूर्ण बगावत' है। भट्टराई ने प्रारम्भिक चुनाव परिणाम सामने आने के बीच सोशल मीडिया के माध्यम से यह टिप्पणी की। उन्होंने लिखा, "ऐतिहासिक जनआंदोलन के बाद उत्पन्न विशेष परिस्थितियों में हुए आम चुनाव में नवगठित आरएसपी के पक्ष में पूरे देश में एक लहर दिखाई दे रही है। सभी को यह स्वीकार करना चाहिए कि यह मूल रूप से साधारण नागरिकों द्वारा सुशासन और समृद्धि की अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए व्यक्त की गई एक शांतिपूर्ण बगावत है।" उन्होंने आरएसपी और उसके नेतृत्व को बधाई भी दी। भट्टराई ने आशा व्यक्त की कि यह पार्टी जनता की वैध आकांक्षाओं को पूरा करते हुए देश की लंबे समय से चली आ रही आंतरिक आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों के साथ-साथ बाहरी भू-राजनीतिक मुद्दों का समाधान करने में सफल होगी।

भागवत बोले-हम बंटे हुए हैं, इसलिए आक्रमण हो रहे हैं:भेद और स्वार्थ को तिलांजली दें; संत ने कहा-जैनों को हिंदुओं से अलग न समझें

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा- आक्रमण भी इसलिए चल रहे हैं क्योंकि हम सोए और बंटे हुए हैं। हम वास्तव में एक ही हैं, पंथ-संप्रदाय से अलग हैं। संस्कृति, देश, समाज के नाते हम एक हैं। ज्ञान नहीं है तो वह भेद मानता है। आज से सद्भावना की शुरुआत कर देनी चाहिए। मेरा एक-एक मित्र कुटुम्ब होगा, उनका मेरा यहां आना-जाना, सुख-दुख, खाना-पीना सभी रहेगा। क्योंकि समय बड़ा कठिन है। मोहन भागवत ने यह बात शुक्रवार को जैसलमेर में जैन समाज के चादर महोत्सव कार्यक्रम में कही। इससे पहले भागवत ई-रिक्शा में बैठकर सोनार दुर्ग गए। जहां पर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में दर्शन-पूजन कर जिनभद्र सूरी ज्ञान भंडार और दादा गुरुदेव की पावन चादर के दर्शन किए।

इसके बाद वे देदांसर मेला ग्राउंड में आयोजित तीन दिवसीय चादर महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने सभा को संबोधित किया। भागवत ने कहा- हम सभी भेद और स्वार्थ को तिलांजली दें और देश के लिए जीने-मरने को उतारूं हो जाएं तो हमारा समाज अच्छा बनेगा। कलह और भेद खत्म हो जाएंगे तो भारत विश्वगुरु बनकर एक सुखी-सुंदर दुनिया को जन्म देगा।

जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी महाराज ने सभा में कहा- जैनों को हिंदुओं से अलग समझने का प्रयास कभी मत करना। हम हिंदुस्तान में रहने वालें और यहां रहने वाले का पहला धर्म हिंदू हैं। जैन धर्म परमात्मा महावीर की शिक्षाओं को आगे बढ़ाने का उपदेश है।

कार्यक्रम से जुड़ीं PHOTOS- जैसलमेर के देदांसर मेला ग्राउंड में कार्यक्रम के मंच पर राजस्थानी साफा व मोमेंटो देकर मोहन भागवत का स्वागत किया गया।

जैसलमेर के देदांसर मेला ग्राउंड में कार्यक्रम के मंच पर राजस्थानी साफा व मोमेंटो देकर मोहन भागवत का स्वागत किया गया।

डॉ. मोहन भागवत ने डॉ. विद्युत प्रभा द्वारा लिखित पुस्तक 'दादा गुरुदेव' का विमोचन किया।

अमेरिका-इजराइल का आजादी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स पर हमला

एजेंसी, तेहरान/वाशिंगटन

12 हजार सीटों की क्षमता वाला इंडोर एरिना पूरी तरह ध्वस्त

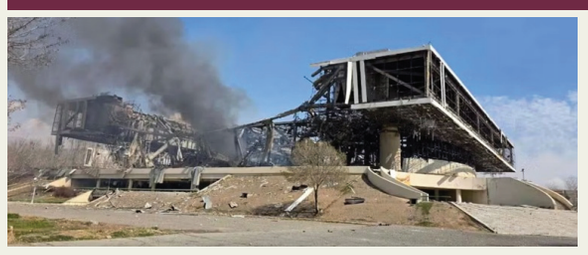

अमेरिका-इजराइल के संयुक्त सैन्य अभियान से ईरान थर्रा उठा है। अमेरिका और इजराइल ने युद्ध के छठवें दिन ईरान की राजधानी तेहरान में स्थित दुनिया के बेहिसाब खूबसूरत और प्रतिष्ठित फुटबाल मैदान 'आजादी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स' को निशाना बनाया। इस बमबारी में इसका 12 हजार सीटों की क्षमता वाला इंडोर एरिना पूरी तरह ध्वस्त हो गया। ईरान इंटरनेशनल समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान सरकार ने आजादी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स पर अमेरिकी-इजराइली हमले हमले की निंदा की है। ईरान ने माना है कि उस जगह पर बने 12,000 सीटों वाले इंडोर स्टेडियम को भारी नुकसान हुआ है।

खेलमंत्री अहमद दोन्यामाली ने घटनास्थल का दौरा किया और हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून और ओलंपिक चार्टर का उल्लंघन बताया। उन्होंने दुनिया भर से जवाबदेही तय करने की अपील की। अमेरिका और इजराइल ने इस दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की है। तेहरान का आजादी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ईरान का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित खेल परिसर है। इस फुटबाल स्टेडियम की क्षमता लगभग 78,000 से 1,00,000 के बीच है।

इंडोर एरिना का उपयोग वॉलीबॉल, कुश्ती, बास्केटबॉल और फुटसल के लिए किया जाता रहा है। कॉम्प्लेक्स में अन्य सुविधाएं भी हैं। इसमें एक कृत्रिम झील (रोइंग और कयाकिंग के लिए), तैराकी केंद्र, वेलोड्रोम (साइकिलिंग) और प्रशिक्षण मैदान शामिल हैं। इसका ऐतिहासिक महत्व भी है। मोहम्मद रजा शाह के शासनकाल में इसका निर्माण 1974 के एशियाई खेलों की मेजबानी के लिए किया गया था। इसने 1976 एएफसी एशियाई कप जैसे कई बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी की है। स्थापना के समय मूल रूप से इसे 'आर्यमेहर स्टेडियम' कहा जाता था। 1979 की ईरानी क्रांति के बाद इसका नाम बदलकर आजादी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स कर दिया गया।

ईरान सरकार ने माना कि पांच मार्च के हवाई हमले में इंडोर एरिना के साथ साइकिलिंग फेडरेशन की नई इमारत और डॉरमिटरी (छात्रावास) को भी भारी क्षति हुई है। सरकार ने लोगों को इस क्षेत्र में जाने से बचने की सलाह दी है। यह कॉम्प्लेक्स तेहरान के पश्चिम में एकबतन जिले के पास स्थित है। अमेरिका के रक्षामंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान को चेताते हुए कहा कि अभी तो लड़ाई शुरू हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि अभी और भी बड़ी कॉम्बैट पावर (सैन्य शक्ति) आनी बाकी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजराइल की सेनाएं मौजूदा क्षमता से कई गुना तेज हमला करेंगी। वाशिंगटन सैन्य अभियान बंद नहीं करेगा।

असम में वायुसेना का सुखोई फाइटर जेट क्रैश, दोनों पायलट की मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

- इनमें एक ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा थे
- जोरहाट से 60 किमी दूर हादसा

असम के कार्बी आंगलोंग इलाके में ट्रेनिंग के दौरान रडार से गायब हुआ भारतीय वायु सेना का सुखोई Su-30MKI फाइटर जेट क्रैश हो गया है। हादसे में दोनों पायलट स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पूर्वेश दुरागकर की भी मौत हो गई है। पूर्वेश ऑपरेशन सिंदूर का भी हिस्सा थे। वायु सेना ने गुरुवार देर रात 1 बजकर 9 मिनट पर क्रैश की पुष्टि की थी। शुक्रवार सुबह 9.14 पर एक और X पोस्ट में दोनों पायलट की मौत की जानकारी दी। विमान ने जोरहाट एयरबेस से उड़ान भरी थी और शाम करीब 7:42 बजे रडार संपर्क टूट गया था। जब ये हादसा हुआ तब फाइटर जेट नियमित उड़ान पर था। वायु सेना के मुताबिक रडार से संपर्क समाप्त होने के बाद वायु सेना ने तुरंत अलर्ट जारी करते हुए घटना की जांच के लिए IAF टीम को असम रवाना किया। फिलहाल विमान की सटीक स्थिति और संपर्क टूटने की वजह का पता लगाया जा रहा है।

नागपुर के न्यू सुबेदार लेआउट में रहने वाले फ्लाइट लेफ्टिनेंट पूर्वेश दुरागकर के पिता रविंद्र दुरागकर ने बताया कि उनका बेटा देश सेवा के लिए पूरी तरह समर्पित अधिकारी था। यूनिट के ग्रुप कैप्टन ने फोन कर उन्हें हादसे की जानकारी दी। रविंद्र ने बताया कि तेजपुर में रनवे से जुड़े काम के कारण पूर्वेश की पोस्टिंग फिलहाल जोरहाट में थी। वे अक्सर अपने काम के बारे में परिवार से बात करते थे और हमेशा अपने कर्तव्य को पूरी ईमानदारी से निभाने की कोशिश करते थे। पूर्वेश के पड़ोसी ने बताया कि अपने माता-पिता और अमेरिका में रहने वाली बहन को पीछे छोड़ गए हैं। पूर्वेश और उनकी बहन करीब 10 दिन पहले परिवार के एक कार्यक्रम के लिए घर आए थे।

नेपालः प्रतिनिधि सभा चुनाव के लिए मतगणना जारी

शुरुआती रुझानों में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सबसे आगे

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल में प्रतिनिधि सभा सदस्य निर्वाचन के लिए हुए मतदान के बाद मतगणना जारी है। शुरुआती रुझानों में सामने आने लगे हैं। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी अन्य दलों की तुलना में बहुत आगे है। कुल 165 सीटों में से अब तक करीब 60 सीटों का रुझान मिल रहा है, जिसमें 51 सीटों पर राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के उम्मीदवार अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों से काफी आगे चल रहे हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, अधिकांश जिलों में मतगणना रात से ही शुरू कर दी गई थी। सुरक्षा व्यवस्था के बीच मुख्य निर्वाचन कार्यालयों में मतों की गिनती की जा रही है। मतगणना केंद्रों के बाहर सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। अब तक प्राप्त रुझानों के मुताबिक नेपाली कांग्रेस 5, के पी ओली की पार्टी नेकपा एमाले 4 और प्रचण्ड की पार्टी सिर्फ 1 सीटपर ही आगे है। इन सीटों पर दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के उम्मीदवार बहुत ही कम मतों से पीछे चल रहे है। निर्वाचन आयोग ने बताया कि प्रत्यक्ष प्रणाली के तहत जीते हुए उम्मीदवारों के परिणाम क्रमशः घोषित किए जाएंगे, जबकि समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के लिए दलों को मिले कुल मतों की गणना अलग से की जा रही है।

ममता बनर्जी कोलकाता में धरने पर बैठीं

एजेंसी, कोलकाता

- कहा- चुनाव आयोग ने जिन वोटर को मृत बताया, मैं उन्हें सामने लाऊंगी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता में वोटर रोल से नाम हटाने के खिलाफ धरना शुरू किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पोस्ट-SIR प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची से मनमाने तरीके से नाम हटाए जा रहे हैं। कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर शुरू हुए इस विरोध के दौरान ममता बनर्जी ने कहा कि BJP और चुनाव आयोग बंगाली मतदाताओं को वोट देने से रोकने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे इस साजिश को बेनकाब करेंगी। TMC प्रमुख ने आरोप लगाया कि संशोधित वोटर सूची में कई मतदाताओं को गलत तरीके से मृत घोषित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को वे धरना स्थल पर लाकर दिखाएंगी, जिन्हें चुनाव आयोग ने मृतक के रूप में दर्ज कर दिया है। यह धरना दोपहर करीब 2:15 बजे शुरू हुआ। प्रदर्शन राज्य में चुनाव आयोग के पूरे दल के प्रस्तावित दौरे से दो दिन पहले हो रहा है। इसकी घोषणा पहले TMC के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने की थी। 28 फरवरी को चुनाव आयोग ने पोस्ट-SIR के बाद संशोधित वोटर लिस्ट जारी की थी। इसके बाद सत्तारूढ़ TMC और चुनाव आयोग के बीच टकराव तेज हो गया है।

टीएमसी के चुनाव आयोग पर आरोपः चुनाव आयोग वोटर लिस्ट का स्पेशल इंटेसिव रिविजन (SIR) राजनीतिक मकसद से कर रहा है। हटाए गए नामों में अल्पसंख्यक समुदाय, प्रवासी मजदूर और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग ज्यादा प्रभावित हुए हैं। वोटर लिस्ट से एक करोड़ से ज्यादा नाम हटाने का लक्ष्य प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही तय कर लिया गया था।

SIR के बाद 63.66 लाख नाम वोटर लिस्ट से हटाएः 28 फरवरी को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल नवंबर में SIR प्रक्रिया शुरू होने के बाद से करीब 63.66 लाख नाम यानी कुल मतदाताओं के लगभग 8.3% नाम सूची से हटाए गए हैं। इसके बाद राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या लगभग 7.66 करोड़ से घटकर करीब 7.04 करोड़ रह गई है। इसके अलावा 60.06 लाख से अधिक मतदाताओं को 'अंडर एडजुडिकेशन' श्रेणी में रखा गया है। इसका मतलब है कि उनकी पात्रता आने वाले हफ्तों में कानूनी जांच के बाद तय की जाएगी। इससे कई विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी समीकरण बदल सकते हैं।

'सीआईडी ने अभी तक एफआईआर क्यों नहीं की'

अजित पवार प्लेन क्रैश मामला

एजेंसी, पुणे

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के प्लेन क्रैश मामले में अजित के भतीजे रोहित पवार ने महाराष्ट्र सीआईडी की जांच पर सवाल खड़े किए। शुक्रवार को उन्होंने X पोस्ट में लिखा, 'CID ने विमान कंपनी VSR के मालिक सिंह से पूछताछ की या उनकी मेहमाननवाजी की है।' सीआईडी ने एक दिन पहले वी.के सिंह से 28 जनवरी को हुए बारामती प्लेन क्रैश मामले में पूछताछ की थी। अधिकारियों ने कहा था कि सिंह से सुबह 11 बजे से शाम 7.30 बजे तक पूछताछ की गई थी। इस दौरान उनका बयान भी रिकॉर्ड किया गया था। रोहित ने आरोप लगाते हुए लिखा- सीआईडी का ज्यादा समय सिंह से पूछताछ से ज्यादा उनकी देखभाल में बीता। रात में वीके सिंह को काले शीशे वाली पुलिस गाड़ी में मेहमान की तरह ले जाया गया। इतने बड़े हादसे के बावजूद अबतक FIR दर्ज नहीं की गई है। उल्टा मीडिया और मेरे साथ बुरा बर्ताव किया।

रोहित का आरोप- सिंह को VIP ट्रीटमेंट मिलाः रोहित पवार ने कहा कि वीएसआर कंपनी के मालिक वी.के सिंह सीआईडी के सामने पेश हुए। उस व्यक्ति को सिक्योरिटी गार्ड ने घेर रखा था। सिंह को सीआईडी कार्यालय में नाश्ता कराया गया, लंच कराया गया। यहां तक कि क्रिकेट मैच भी दिखाया गया।

यह दुखद है कि किसी को इस तरह का वीआईपी ट्रीटमेंट दिया जा रहा है। रोहित ने लिखा कि सच को छिपाने के लिए चाहे कितने भी पर्दे डाल दिए जाएं, सच्चाई का सूरज एक दिन जरूर उगेगा। दरअसल, 28 जनवरी की सुबह महाराष्ट्र के बारामती में VSR कंपनी का लियरजेट 45 एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया था। हादसे में अजित पवार समेत 5 लोगों की डेथ हुई थी।

रोहित ने शिंदे-सुनेत्रा पवार से मुलाकात कीः NCP-SCP के विधायक रोहित पवार ने अजित पवार प्लेन क्रैश मामले में राज्य के दोनों डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार (अजित पवार की पत्नी) से मुलाकात की। रोहित ने इस मामले में जांच की मांग की है। रोहित राज्य के सीएम देवेंद्र फडणवीस से भी मुलाकात कर चुके हैं। रोहित का कहना है कि अगर VSR कंपनी एक विमान दुर्घटना में लापरवाही बरत रही है, तो वह दूसरे विमान दुर्घटना में भी लापरवाही बरत सकती है। क्या कोई यही कहना चाह रहा है कि उन्हें पता था कि अजीत पवार के विमान में लापरवाही बरती जा रही है। क्या इसके पीछे कोई साजिश थी। उनकी हत्या की योजना बनाई गई थी। रोहित पवार ने कहा कि जय पवार और मैं भी मांग करते हैं कि वीएसआर कंपनी के सभी विमानों को रोक दिया जाए। ताकि अजीत पवार के मामले में जो हुआ, वह अन्य नेताओं के साथ न हो। हम वीएसआर के खिलाफ लड़ रहे हैं।

सीबीआई प्रस्ताव क्यों नहीं स्वीकार रहीः रोहित पवार ने कहा कि अजीत पवार की दुर्घटना के पीछे साजिश होने की बात कहने के बावजूद उचित जांच नहीं की गई। कहा जाता है कि सीबीआई को प्रस्ताव भेजा गया था। सुशांत सिंह के मामले में बिहार सरकार ने प्रस्ताव भेजा और सीबीआई ने दो दिन के भीतर उसे स्वीकार कर लिया, लेकिन महाराष्ट्र के नेता की मृत्यु हो गई। इस मामले में प्रस्ताव भेजे हुए 22 दिन हो चुके हैं, लेकिन इसे अभी तक क्यों नहीं स्वीकारा गया है? लोग सवाल उठा रहे हैं।

ढाका में रसोई गैस सिलेंडर में विस्फोट से लगी आग, 10 लोग झुलसे

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश की राजधानी ढाका के तुराग के कमरपारा इलाके में आज रसोई गैस सिलेंडर में विस्फोट हो जाने से लगी आग में 10 लोग झुलस गए। सभी को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी में भर्ती कराया गया। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार घटना शुक्रवार तड़के कमरपारा के सेक्टर-10 में एक इमारत की दूसरी मंजिल पर हुई। झुलसे लोगों में रुबेल (30), उसकी गर्भवती पत्नी सोनिया अख्तर (25), उनकी बेटी रोजा (3), सोनिया की बड़ी बहन रिया (27) रुबेल का चचेरा भाई इनायत (32), उसकी पत्नी डेलेरा (28) उनका बेटा जुनैद (10) इनायत का छोटा भाई हबीब (30), इनायत की भतीजी आयशा (19) और अबुल कलाम रुबेल (35) हैं।

इनायत के भतीजे साजेद मतब्बर ने कहा कि यह विस्फोट रुबेल और सोनिया के दूसरी मंजिल के फ्लैट में हुआ। रुबेल मोटरसाइकिल राइड-शेयर ड्राइवर का काम करता है। इनायत दुबई से हाल ही में बांग्लादेश लौटा है। साजेद ने कहा कि सुबह दूसरी मंजिल के फ्लैट में धमाका सुनकर लोग बाहर भागे। धमाके से दूसरी मंजिल की दीवारों के कुछ हिस्से गिर गए। तुराग थाना के सब-इंस्पेक्टर नूरे आलम सिद्दीकी ने कहा कि आशंका है कि रात में गैस लीक हुई। सुबह किसी ने आग जलाने की कोशिश की तो धमाका हुआ। रेजिडेंशियल सर्जन शॉन बिन रहमान ने कहा कि सोनिया 100 प्रतिशत, रुबेल प्रतिशत, रोज़ा प्रतिशत, हबीब प्रतिशत, रिया प्रतिशत, इनायत प्रतिशत, डेलेरा 14 प्रतिशत, जुनैद प्रतिशत, आयशा प्रतिशत और अबुल कलाम रुबेल 7 प्रतिशत झुलसे हैं।

तमिलनाडु में 17 जुलाई से शुरू होगी डिजिटल जनगणना

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु सरकार ने राज्य में जनगणना कराने के लिए एक सरकारी आदेश जारी किया है। इस आदेश के अनुसार तमिलनाडु में जनगणना का कार्य 17 जुलाई से शुरू होगा। इसका पहला चरण 30 अगस्त तक चलेगा, जो कुल 45 दिनों का होगा। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल पद्धति से की जाएगी, जिसमें सभी आंकड़े इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से दर्ज किए जाएंगे। राज्य सरकार के अनुसार, इस कार्य में लगभग 50 हजार सरकारी कर्मचारी लगाए जाएंगे। ये कर्मचारी घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करेंगे और उनकी सामाजिक व आर्थिक स्थिति से संबंधित जानकारी एकत्र करेंगे। कर्मचारियों द्वारा लोगों से कुल 33 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनके उत्तर डिजिटल रूप से दर्ज किए जाएंगे।

जनगणना के दौरान कर्मचारियों द्वारा घर की स्थिति, संपत्ति, वाहन और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी जानकारी ली जाएगी। इसमें यह भी पूछा जाएगा कि घर किराये का है या स्वयं का, परिवार की आय कितनी है, घर में शौचालय है या नहीं, साइकिल, दोपहिया वाहन या कार है या नहीं। इसके अलावा फ्रिज, एयर कंडीशनर जैसी सुविधाओं की उपलब्धता से संबंधित प्रश्न भी पूछे जाएंगे। जनगणना कार्य में लगे सरकारी कर्मचारियों के मानदेय (भत्ता) और अन्य आवश्यक प्रावधानों को शामिल करते हुए तमिलनाडु सरकार ने यह सरकारी आदेश जारी किया है, ताकि इस कार्य को सुचारु रूप से पूरा किया जा सके। इस बीच केंद्र सरकार ने वर्ष 2027 की राष्ट्रीय जनगणना को दो चरणों में कराने का निर्णय लिया है।

बच्चों के सोशल मीडिया यूज पर बैन लगेगा

एजेंसी, बेंगलुरु

- अकांउट के लिए पैरेंट्स की परमिशन जरूरी होगी, आंध्र भी 90 दिन में बैन लगाएगा

कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगाने की घोषणा की है। सीएम सिद्दारमैया ने कहा कि बच्चों में मोबाइल और सोशल मीडिया का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिससे उन पर गलत असर पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने 2026-27 के राज्य बजट भाषण में कहा कि इस बैन को किस तरह लागू किया जाएगा, इसकी तैयारी चल रही है।

यह प्रस्ताव देश के डेटा सुरक्षा कानून डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 (DPDP) और पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन रूल्स 2025 से भी जुड़ा है। इसके तहत बच्चों को अकाउंट बनाने से पहले माता-पिता की अनुमति और उनकी वयस्कता की पुष्टि जरूरी होगी। इसके लिए सरकारी पहचान प्रणाली या डिजिटल लॉकर का उपयोग किया जा सकता है। वहीं आंध्र प्रदेश में सरकार को 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर बैन लगाने का सुझाव मिला है। मुख्यमंत्री CM एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को विधानसभा में इसकी जानकारी दी।

सरकार स्कूल-कॉलेजों में नशे पर रोक की कोशिशः कर्नाटक के बजट भाषण में सीएम ने कहा कि स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय छात्रों के स्वास्थ्य, व्यक्तित्व और भविष्य को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों में नशे की समस्या रोकने के लिए भी कदम उठाने की बात कही है। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे, सख्त अनुशासन लागू किया जाएगा और छात्रों के लिए सहायता व काउंसलिंग केंद्र बनाए जाएंगे।

कंसेंट बिना डेटा नहीं ले सकतेः कोई कंपनी या ऐप आपका पर्सनल डेटा कलेक्ट करने से पहले साफ-साफ बताएगी कि इसका क्या यूज होगा। बिना आपकी इजाजत के ये नहीं कर सकतीं। अगर आप नहीं चाहते, तो डेटा शेयर न करें- ये आपका हक है।

डेटा सिर्फ जरूरी काम के लिएः कंपनियां आपका डेटा सिर्फ वही काम कर सकती हैं जो उन्होंने बताया। मिसाल के तौर पर, शॉपिंग ऐप सिर्फ ऑर्डर के लिए यूज करेगी, मार्केटिंग के लिए नहीं। अगर गलत यूज हो, तो आप शिकायत कर सकते हैं।

अपना डेटा कंट्रोल में रखेंः आप कभी भी अपनी जानकारी देख सकते हैं, गलतियां सुधार सकते हैं, अपडेट कर सकते हैं या पूरा डेटा डिलीट करवा सकते हैं। कंपनियों को 90 दिनों के अंदर जवाब देना पड़ेगा।

डेटा लीक होने पर तुरंत खबरः अगर आपका डेटा चोरी या ब्रेक होता है, तो कंपनी को तुरंत घंटों में आपको आसान भाषा यानी आपके समझने लायक भाषा में बताना पड़ेगा- क्या हुआ, असर क्या हो सकता है और क्या कदम उठाए। इससे आप सतर्क रह सकेंगे।

ईरान और अरब देशों को बड़ा झटका-ईरान युद्ध, हॉर्मुज़ संकट और रूस से 30 दिन की तेल छूट-भड़की कांग्रेस,कबतक चलेगा अमेरिकी ब्लैकमेल- वैश्विक भू-राजनीति और बदलता तेल बाजार-समग्र विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था के लिए एक गंभीर चेतावनी

» हॉर्मुज़ संकट ने यह दिखा दिया है कि भू- राजनीतिक तनाव किस तरह वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है।क्या अमेरिका की ओर से मिली छूटभारतीय संप्रभुता पर हमला? -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया में चल रहा सैन्य तनाव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया है,बल्कि उसने पूरी दुनियाँ की ऊर्जा सुरक्षा को चुनौती दे दी है।ईरान और कई अरब देशों के बीच बढ़ते सैन्य टकराव ने वैश्विक तेल आपूर्ति की जीवनरेखा माने जाने वाले समुद्री मार्गों को अस्थिर कर दिया है। इसका सबसे बड़ा प्रभाव उस संकीर्ण समुद्री मार्ग पर पड़ा है जिसके माध्यम से दुनियाँ का लगभग एक-तिहाई समुद्री तेल व्यापार गुजरता है। जैसे -जैसे संघर्ष बढ़ रहा है, तेल बाजार में अनिश्चितता और भय का माहौल बन गया है। ऐसे समय में भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे अपनी घरेलू ऊर्जा जरूरतों को कैसे स्थिर रखें। इसी संदर्भ में अमेरिका द्वारा भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए 30 दिनों की अस्थायी छूट देना एक अत्यंत महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक और आर्थिक निर्णय बन गया हैजबकि कांग्रेस अमेरिका की ओर से मिली छूट को न सिर्फ भारतीय संप्रभुता पर हमला बता रही है, बल्कि केंद्र सरकार की यह कहकर आलोचना कर रही है कि आखिर अमेरिका इस तरह से हमें कबतक ब्लैकमेल करता रहेगा। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूँ क्रि यह निर्णय न केवल भारत की ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित करेगा, बल्कि वैश्विक ऊर्जा राजनीति के नए समीकरण भी स्थापित कर सकता है।बता दें भारत दुनियाँ का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता देश है और अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है। देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और इसके साथ ही ऊर्जा की मांग भी लगातार बढ़ रही है। पिछले कुछ वर्षों में भारत की दैनिक तेल खपत में लगातार वृद्धि हुई है और अनुमान है कि आने वाले वर्षों में यह और बढ़ेगी। ऐसी स्थिति में यदि वैश्विक आपूर्ति बाधित होती है तो उसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। इसलिए भारत के लिए ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण और आपूर्ति की स्थिरता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक हो गया है।इसी पृष्ठभूमि में अमेरिका द्वारा भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने की 30 दिन की अस्थायी छूट देना एक महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम है। अमेरिकी वित्त विभाग ने यह स्पष्ट किया है कि यह छूट केवल उन तेल टैंकरों के लेन- देन के लिए दी गई है जो पहले से समुद्र में फंसे हुए हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वैश्विक बाजार में तेल का प्रवाह पूरी तरह से बाधित न हो। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम अल्पकालिक है और इससे रूसी सरकार को कोई बड़ा आर्थिक लाभ नहीं होगा। लेकिन यह वैश्विक ऊर्जा संकट को अस्थायी रूप से कम करने में मदद कर सकता है।इस संकट ने एक बार फिर रूस को वैश्विक ऊर्जा बाजार में महत्वपूर्ण खिलाड़ी बना दिया है। पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातकों में से एक बना हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने रूस से तेल आयात में काफी वृद्धि की है। इसका मुख्य कारण यह है कि रूसी तेल अपेक्षाकृत सस्ता मिलता है और भारत की रिफाइनरियों के लिए उपयुक्त भी है।वर्तमान संकट के दौरान रूस भारत के लिए एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक स्रोत के रूप में सामने आया है। इससे दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग और बहुत सटीक मजबूत हो सकता है। साथियों बात अगर हम पश्चिम एशिया का संघर्ष और तेल आपूर्ति की अस्थिरता को समझने की करें तो,पश्चिम एशिया लंबे समय से विश्व ऊर्जा बाजार का केंद्र रहा है। दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादक देशों का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र में स्थित है। लेकिन वर्तमान संघर्ष ने इस पूरे क्षेत्र की स्थिरता को झकझोर दिया है। ईरान और उसके विरोधी देशों के बीच सैन्य टकराव ने तेल उत्पादन और निर्यात दोनों को प्रभावित किया है। कई तेल टैंकर समुद्र में फंस गए हैं और कई मार्गों पर सुरक्षा जोखिम इतना बढ़ गया है कि कंपनियां वहां से जहाज भेजने में हिचकिचा रही हैं। इस स्थिति ने वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति को अस्थिर बना दिया है। परिणामस्वरूप अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव बढ़ गया है और ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए स्थिति और जटिल हो गई है। साथियों बात अगर हम हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य : वैश्विक ऊर्जा

की जीवनरेखा इसको समझने की करें तो पश्चिम एशिया के संकट का सबसे बड़ा प्रभाव उस समुद्री मार्ग पर पड़ा है जिसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की धुरी कहा जाता है। यह जलमार्ग ईरान और अरब प्रायद्वीप के बीच स्थित है और दुनिया के तेल व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि इस मार्ग से आपूर्ति बाधित होती है तो उसका असर तुरंत वैश्विक तेल कीमतों पर पड़ता है। वर्तमान संघर्ष के कारण इस क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां बढ़ गई हैं और कई जहाजों को रोकना या मोड़ना पड़ा है। इससे तेल की आपूर्ति में अनिश्चितता पैदा हो गई है। यही कारण है कि कई देशों ने वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों की तलाश शुरू कर दी है। साथियों बात अगर हम भारतीय रिफाइनरियों की क्षमता और संभावनाएं इसको समझने की करें तो भारत के पास दुनियाँ की सबसे बड़ी रिफाइनिंग क्षमताओं में से एक है। देश की कई बड़ी रिफाइनरियां प्रतिदिन लाखों बैरल कच्चे तेल को संसाधित करने में सक्षम हैं।इन रिफाइनरियों की आयात क्षमता और भंडारण क्षमता यह तय करती है कि भारत कितनी मात्रा में तेल खरीद सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि भारत अपनी अधिकतम क्षमता का उपयोग करे तो वह अगले 30 दिनों में रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल आयात कर सकता है।ऐतिहासिक आंकड़े और संभावित आयात ऊर्जा क्षेत्र के आंकड़ों के अनुसार भारत ने पिछले वर्षों में रूस से तेल आयात के कई रिकॉर्ड बनाए हैं। उदाहरण के लिए जून 2025 में भारत ने प्रतिदिन लगभग 2.1 मिलियन बैरल रूसी तेल खरीदा था, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। यदि भारत इसी स्तर पर फिर से आयात शुरू करता है तो 30 दिनों में लगभग 63 मिलियन बैरल तेल खरीदा जा सकता है। यह मात्रा भारत की ऊर्जा जरूरतों को कुछ समय तक स्थिर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। साथियों बात अगर हम भारत की दैनिक तेल खपत और वास्तविकता इसको समझने की करें तो,भारत की दैनिक तेल खपत लगातार बढ़ रही है। हाल के वर्षों में यह आंकड़ा लगभग 5.6 मिलियन बैरल प्रतिदिन से बढ़कर 5.7 मिलियन बैरल तक पहुंच गया है। अनुमान है कि 2026 तक यह लगभग 6 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक पहुंच सकता है। इस हिसाब से यदि भारत 30 दिनों में रूस से लगभग 60 मिलियन बैरल तेल आयात करता है तो यह देश की लगभग 10 दिनों की जरूरतों को पूरा करने के बराबर होगा। इसलिए यह छूट दीर्घकालिक समाधान नहीं है, लेकिन अल्पकालिक राहत जरूर प्रदान कर सकती है।तेल आयात केवल खरीद पर निर्भर नहीं करता, बल्कि इसके लिए पर्याप्त भंडारण और परिवहन व्यवस्था भी जरूरी होती है। भारत की रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण सुविधाएं सीमित हैं, हालांकि सरकार पिछले कुछ वर्षों में इन्हें बढ़ाने का प्रयास कर रही है। यदि भारत को बड़ी मात्रा में तेल आयात करना है तो रिफाइनरियों और भंडारण केंद्रों की क्षमता का भी पूरा उपयोग करना होगा। इसके अलावा समुद्री परिवहन और बीमा जैसी चुनौतियां भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। साथियों बात अगर हम समुद्र में फंसे टैंकर और तत्काल अवसर इसको समझने की करें तो, रूस के अनुसार लगभग 9 मिलियन बैरल तेल पहले से ही जहाजों में लोड होकर समुद्र में मौजूद है और भारत के संकेत का इंतजार कर रहा है। इसके अलावा लगभग 6 मिलियन बैरल तेल भेजने का अतिरिक्त प्रस्ताव भी दिया गया है। इस तरह कुल मिलाकर लगभग 15 मिलियन बैरल तेल तुरंत उपलब्ध हो सकता है। यदि भारत तेजी से निर्णय लेता है तो वह इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी ऊर्जा आपूर्ति को मजबूत कर सकता है। साथियों बात अगर हमअमेरिका -भारत ऊर्जा संबंध और रणनीतिक संतुलन को समझने की करें तोअमेरिका ने यह भी संकेत दिया है कि वह चाहता है कि भारत भविष्य में अमेरिकी तेल की खरीद बढ़ाए। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका भारत के लिए एक महत्वपूर्ण ऊर्जा आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है। लेकिन भारत की ऊर्जा नीति हमेशा बहु-स्रोत रणनीति पर आधारित रही है। इसका उद्देश्य यह है कि किसी एक देश या क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता न हो। इसलिए भारत अमेरिका, रूस, मध्य-पूर्व और अन्य देशों से तेल खरीदकर अपने ऊर्जा स्रोतों को संतुलित रखने की कोशिश करता है। साथियों बात अगर हम वैश्विक तेल बाजार पर संभावित प्रभाव को समझने की करें तो,यदि पश्चिम एशिया का संकट लंबे समय तक जारी रहता है तो इसका असर वैश्विक तेल बाजार पर गहरा पड़ सकता है। तेल की कीमतों में तेजी आने से दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव बढ़ेगा। विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण हो सकती है क्योंकि उनकी अर्थव्यवस्था ऊर्जा आयात पर अधिक निर्भर होती है। ऐसे में वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों और रणनीतिक भंडारण की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाएगी।भू- राजनीतिक संतुलन और भारत की कूटनीति भारत की विदेश नीति हमेशा संतुलन और बहुपक्षीय सहयोग पर आधारित रही है। वर्तमान संकट में भी भारत को अमेरिका, रूस और पश्चिम एशिया के देशों के साथ अपने संबंधों को संतुलित रखना होगा। एक ओर भारत को अपनी ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित रखना है, तो दूसरी ओर उसे वैश्विक राजनीतिक समीकरणों को भी ध्यान में रखना होगा। यह एक जटिल कूटनीतिक चुनौती है, लेकिन भारत ने अतीत में भी ऐसे संतुलन को सफलतापूर्वक बनाए रखा है।वर्तमान संकट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा सुरक्षा केवल आयात पर निर्भर रहकर सुनिश्चित नहीं की जा सकती। भारत को दीर्घकालिक रणनीति के तहत वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हाइड्रोजन पर अधिक निवेश करना होगा। इसके साथ ही घरेलू तेल और गैस उत्पादन को भी बढ़ाने की जरूरत है। रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का विस्तार भी ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि संकट में अवसर और भविष्य की दिशा,पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था के लिए एक गंभीर चेतावनी है। इस संकट ने यह दिखा दिया है कि भू-राजनीतिक तनाव किस तरह वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। अमेरिका द्वारा भारत को रूस से तेल खरीदने की 30 दिन की छूट एक अस्थायी समाधान है,लेकिन इससे भारत को अपनी ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर रखने का अवसर मिल सकता है। साथ ही यह स्थिति भारत के लिए एक बड़े सबक की तरह भी है कि ऊर्जा सुरक्षा के लिए दीर्घकालिक और बहुआयामी रणनीति अपनाना आवश्यक है। यदि भारत इस संकट से सीख लेकर अपनी ऊर्जा नीति को और मजबूत बनाता है तो भविष्य में ऐसे वैश्विक संकटों का प्रभाव कम किया जा सकता है।

-संकलनकर्ता लेखक - क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

सुशासन के शिखर से सियासी शून्य तक नीतीश कुमार के ऐतिहासिक अवसान की दास्तां

लेखक- दिलीप कुमार पाठक

नीतीश कुमार भारतीय राजनीति के एक ऐसे विलक्षण चरित्र हैं, जिन्हें इतिहास क्या हो सकता था और क्या हो गए के बीच के द्वंद्व के रूप में याद रखेगा। 2005 में जब उन्होंने बिहार की सत्ता संभाली, तो वह केवल एक मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के एक नए विजन और सुशासन के प्रतीक बनकर उभरे थे। 2005 से 2010 का वह स्वर्ण काल आज भी बिहार के मानस पटल पर अंकित है, जब उन्होंने जंगलराज की राख से एक नए बिहार की नींव रखी थी। उस दौर में नीतीश कुमार का कद इतना विराट था कि उन्हें प्रधानमंत्री पद का सबसे स्वाभाविक और योग्य दावेदार माना जाता था। उनकी तुलना अक्सर बड़े सुधारकों से की जाती थी, लेकिन आज का परिदृश्य कुछ और ही कहानी बयां करता है। नीतीश की सबसे बड़ी ताकत उनका प्रशासनिक विजन था। उन्होंने दिखा दिया था कि इच्छाशक्ति हो तो बिहार जैसे जटिल राज्य की कानून-व्यवस्था को बदला जा सकता है। सड़कों का जाल बिछाना, स्कूल की बच्चियों को साइकिल बांटकर सामाजिक क्रांति लाना और पंचायत चुनावों में महिलाओं को आरक्षण देना—ये उनके ऐसे मास्टरस्ट्रोक थे जिन्होंने उन्हें विकास पुरुष की उपाधि दी। उन्होंने राजनीति को जाति के दलदल से निकालकर विकास की मेज पर लाने की गंभीर कोशिश की थी। नीतीश कुमार में एक राष्ट्रीय नेता बनने की हर खूबी मौजूद थी—साफ सुथरी छवि, प्रशासनिक अनुभव और धर्मनिरपेक्ष साख। लेकिन 2013 के बाद उनकी राजनीति ने एक ऐसी करवट ली, जिसने उनकी विश्वसनीयता पर बड़े सवाल खड़े कर दिए। नरेंद्र मोदी के उदय के विरोध में एनडीए छोड़ना और फिर बार-बार गठबंधन बदलना उनकी राजनीति का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। यहीं से सुशासन बाबू की छवि धीरे-धीरे एक संकीर्ण पहचान में तब्दील होने लगी। एक ऐसा नेता जो कभी देश को दिशा देने की क्षमता रखता था, वह अपनी कुर्सी बचाने के लिए छोटे-छोटे समीकरणों में उलझ कर रह गया। नीतीश कुमार की सबसे बड़ी कमी उनकी अति-व्यावहारिकता रही, जो अंततः अवसरवाद के रूप में दिखने लगी। सत्ता के शीर्ष पर बने रहने की उनकी चाहत ने उनके वैचारिक आधार को कमजोर कर दिया। जब कोई नेता बार-बार अपने सिद्धांतों के विपरीत पाले बदलता है, तो वह जनता का विश्वास खो देता है। उनकी राजनीति धीरे-धीरे समावेशी विकास से हटकर केवल उत्तरजीविता की राजनीति बन गई। उन्होंने खुद को एक ऐसे घेरे में सीमित कर लिया जहाँ उनके पास न तो कोई बड़ा वैचारिक आधार बचा और न ही एक कड़क विद्रोही का तेवर। विशेष रूप से भाजपा के साथ उनके संबंधों का ग्राफ उनकी राजनीतिक गिरावट की सबसे बड़ी गवाह है। एक दौर वह था जब भाजपा में नीतीश कुमार का कद इतना बड़ा था कि उन्हें सिर-आंखों पर बिठाया जाता था। बिहार में भाजपा उनके पीछे खड़ी रहती थी और राष्ट्रीय स्तर पर वे एनडीए के सबसे प्रभावशाली चेहरे माने जाते थे। तब भाजपा उन्हें बड़ा भाई मानती थी और उनकी हर शर्त स्वीकार्य होती थी। लेकिन आज स्थिति बिल्कुल उलट है। बार-बार गठबंधन बदलने और अपनी विश्वसनीयता खोने के कारण आज वे भाजपा के लिए केवल एक रणनीतिक आवश्यकता बनकर रह गए हैं। कल तक जो नीतीश भाजपा की दिशा तय करते थे, आज वे भाजपा की बिछाई हुई बिसात पर एक मोहरे के समान नजर आते हैं। अब गठबंधन में शर्तें वे नहीं, बल्कि भाजपा तय करती है। यह एक सशक्त नेता का धीरे-धीरे हुआ वह अवसान है, जहाँ जिस भाजपा को वे कभी चुनौती देते थे, आज उसी की छत्रछाया में अपनी राजनीतिक आयु बढ़ाने को मजबूर हैं। यह एक विडंबना ही है कि जो नेता जातिवाद को खत्म करने की बात करता था, अंत में वह स्वयं जातीय गणना और छोटे कबीलाई वोट बैंक की राजनीति के इर्द-गिर्द सिमट गया। विकास का बड़ा कैनवास अब गठबंधन के जोड़-तोड़ की छोटी फाइलों में दब गया है। जब नीतीश कुमार भविष्य में पीछे मुड़कर देखेंगे, तो उन्हें निश्चित रूप से उस खोए हुए अवसर का मलाल होगा, जहाँ वह भारत के एक बड़े विकल्प का नेतृत्व कर सकते थे। इतिहास नीतीश कुमार का मूल्यांकन एक अधूरी क्रांति के नायक के रूप में करेगा।

अन्न से आत्मनिर्भरता तकः विश्व अनाज दिवस का संदेश

लेखक- सुनील कुमार महला

अनाजों के महत्व, पोषण और खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 7 मार्च को विश्व अनाज दिवस (वर्ल्ड सीरियल डे) मनाया जाता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि 'सीरियल' शब्द की उत्पत्ति प्राचीन रोमन देवी सेरेस के नाम से हुई है। दरअसल, रोमन पौराणिक कथाओं में सेरेस को खेती, फसल और मातृत्व की देवी माना जाता था और उन्हीं के सम्मान में अनाज को 'सीरियल' कहा जाने लगा। वैसे, गेहूं, चावल, मक्का, जौ और जई जैसे खाद्यान्न सीरियल्स की श्रेणी में आते हैं। विश्व अनाज दिवस वस्तुतः खाद्य सुरक्षा की नींव को रेखांकित करता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि गेहूं, चावल, मक्का, जौ और बाजरा जैसे अनाज केवल भोजन नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के आधार स्तंभ हैं। उल्लेखनीय है कि आज विश्व की आधी से अधिक आबादी की दैनिक ऊर्जा आवश्यकताएँ मुख्यतः तीन अनाजों-गेहूं, चावल और मक्का से ही पूरी होती हैं। यदि अनाज न हों, तो वैश्विक खाद्य सुरक्षा की कल्पना भी संभव नहीं। आज जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, जनसंख्या वृद्धि और भूख जैसी चुनौतियों का लगातार सामना कर रही है, तब अनाजों का महत्व और बढ़ जाता है। आज तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा और सूखा जैसी परिस्थितियाँ विशेषकर गेहूं और चावल की पैदावार को प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में टिकाऊ कृषि पद्धतियाँ अपनाना समय की आवश्यकता है। भारत के संदर्भ में देखें तो हमारा देश विश्व के प्रमुख गेहूं और चावल उत्पादक देशों में शामिल है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से करोड़ों लोगों तक सस्ती दरों पर अनाज पहुँचाया जाता है। हाल के वर्षों में मोटे अनाज-जैसे बाजरा, ज्वार और रागी आदि को पुनः प्रोत्साहित किया जा रहा है, क्योंकि ये पोषक तत्वों से भरपूर होने के साथ-साथ कम पानी में भी उगाए जा सकते हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2023 को 'अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष' घोषित किया, जिससे वैश्विक स्तर पर मोटे अनाजों के महत्व को नई पहचान मिली। विश्व अनाज दिवस का उद्देश्य केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि अनाजों के पोषण मूल्य, खाद्य अपव्यय रोकने, संतुलित आहार अपनाने और किसानों के परिश्रम के सम्मान के प्रति जागरूकता फैलाना भी है। वास्तव में यह दिवस कुपोषण और भूख की समस्या को कम करने, टिकाऊ कृषि (सस्टेनेबल एग्रीकल्चर) को बढ़ावा देने तथा खाद्य सुरक्षा में किसानों की भूमिका को रेखांकित करता है। इतिहास की दृष्टि से जौ को दुनिया के सबसे प्राचीन खेती किए गए अनाजों में से एक माना जाता है, जिसके प्रमाण लगभग 10,000 वर्ष पुराने मिलते हैं। इतिहासकारों का मत है कि मिस्र, मेसोपोटामिया और सिंधु घाटी जैसी प्राचीन सभ्यताओं का विकास कृषि, विशेष रूप से अनाज उत्पादन, के कारण ही संभव हुआ। आज बाजरा, ज्वार और रागी जैसे मोटे अनाजों को 'फ्यूचर फूड' कहा जा रहा है। ये प्रायः ग्लूटेन-रहित होते हैं और आयरन व कैल्शियम जैसे पोषक तत्वों से समृद्ध होते हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी कुछ अनाज अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, 'पेरेनियल ग्रेन्स' (बारहमासी अनाज) ऐसी फसलें हैं जिन्हें हर वर्ष दोबारा बोने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इनकी गहरी जड़ें मिट्टी के कटाव को रोकती हैं और कार्बन अवशोषण में सहायक होती हैं। पाठक जानते होंगे कि मक्का विश्व में सर्वाधिक उगाई जाने वाली फसल है, किंतु इसका बड़ा हिस्सा प्रत्यक्ष भोजन के बजाय एथेनॉल (ईंधन) और पशु आहार के रूप में प्रयुक्त होता है। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्व में उत्पादित अनाज का बड़ा भाग भंडारण और परिवहन के दौरान नष्ट हो जाता है। यदि इस अपव्यय को रोका जाए तो करोड़ों लोगों की भूख मिटाई जा सकती है। 19वीं सदी के अंत में डॉ. जॉन हार्वे केलॉग ने कॉर्नफ्लेक्स जैसे ब्रेकफास्ट सीरियल का आविष्कार किया था। उनका उद्देश्य इसे सादा और स्वास्थ्यवर्धक भोजन के रूप में प्रस्तुत करना था, ताकि लोग अत्यधिक मसालेदार और गरिष्ठ भोजन से बच सकें। अनाज ऊर्जा, फाइबर, विटामिन और खनिजों का महत्वपूर्ण स्रोत हैं। विश्व की बड़ी आबादी का मुख्य भोजन अनाज ही है, जिनमें गेहूं और चावल का उपभोग सर्वाधिक होता है। जलवायु परिवर्तन का अनाज उत्पादन पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है, जिससे खाद्य सुरक्षा की चुनौतियाँ और गंभीर हो सकती हैं। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि 'विश्व खाद्य दिवस' प्रतिवर्ष 16 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिवस 16 अक्टूबर 1945 को स्थापित खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) की स्थापना की स्मृति में मनाया जाता है, जो संयुक्त राष्ट्र की एक विशेषीकृत एजेंसी है। भोजन का अधिकार 1948 की सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा-पत्र द्वारा मान्यता प्राप्त है। वर्ष 2025 में विश्व खाद्य दिवस की थीम थी-बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य साथ-साथ। भारत में अन्न उत्पादन की स्थिति सुदृढ़ हुई है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले दशक में देश का अन्न उत्पादन लगभग 90 मिलियन मीट्रिक टन बढ़ा है। इतना ही नहीं, फल और सब्जियों का उत्पादन भी 64 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक बढ़ा है। भारत दूध और बाजरा (मिलेट्स) के उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान पर है, जबकि मछली, फल और सब्जियों के उत्पादन में दूसरा स्थान रखता है। वर्ष 2014 के बाद से शहद और अंडे का उत्पादन दोगुना हो चुका है। भारत सरकार की प्रमुख पहलों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013; प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना; पीएम पोषण योजना; अंत्योदय अन्न योजना; राइस फोर्टिफिकेशन तथा प्राइस स्टेबिलाइज़ेशन फंड (पीएसएफ) शामिल हैं, जो खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती हैं। इसी क्रम में 'विश्व दलहन दिवस' (वर्ल्ड पल्सेस डे) प्रतिवर्ष 10 फरवरी को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2016 को 'अंतरराष्ट्रीय दलहन वर्ष' घोषित किया था। दालें न केवल पोषण का केंद्र हैं, बल्कि 'क्लाइमेट-स्मार्ट' फसलें भी मानी जाती हैं, क्योंकि इनमें नाइट्रोजन फिक्सेशन की क्षमता होती है। इनके पौधों की जड़ों में उपस्थित बैक्टीरिया वायुमंडलीय नाइट्रोजन को अवशोषित कर मिट्टी की उर्वरता बढ़ाते हैं, जिससे कृत्रिम उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है। पर्यावरणीय दृष्टि से दालों का जल पदचिह्न(वाटर फुटप्रिंट) अत्यंत कम है।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार जहाँ एक किलोग्राम बीफ उत्पादन में लगभग 15,000 लीटर पानी की आवश्यकता होती है, वहीं उतनी ही मात्रा में दाल उगाने के लिए केवल 50 से 200 लीटर पानी पर्याप्त होता है।

बिहार की राजनीति में सत्ता परिवर्तन से जुड़े सवाल

लेखक - ललित गर्ग

बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक मोड़ उस समय सामने आया जब राज्य के लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतिश कुमार ने मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा जाने का निर्णय स्वीकार किया और इसके लिए नामांकन भी दाखिल कर दिया। उनके नामांकन के अवसर पर देश के गृह मंत्री अमित शाह का पटना पहुँचना भी इस राजनीतिक घटनाक्रम को और अधिक महत्वपूर्ण बना देता है। लगभग दो दशकों तक बिहार की राजनीति के केंद्र में रहे नीतीश कुमार का यह निर्णय केवल एक व्यक्तिगत राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि बिहार की सत्ता और राजनीति के स्वरूप में आने वाले बड़े परिवर्तन का संकेत भी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब बिहार की राजनीति पहले से ही गठबंधनों, समीकरणों और सत्ता-संतुलन के दौर से गुजर रही है। इस निर्णय के साथ यह स्पष्ट हो गया कि बिहार की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। यह परिवर्तन जहां एक ओर नई संभावनाओं का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर कई सवाल भी खड़े करता है, क्या यह जनादेश का सम्मान है या उससे विचलन? क्या यह बिहार के लिए नई दिशा का मार्ग है या राजनीतिक रणनीति का एक नया अध्याय? नीतिश कुमार को लंबे समय से "सुशासन पुरुष" के रूप में जाना जाता रहा है। उन्होंने बिहार को लंबे समय तक स्थिर राजनीतिक नेतृत्व दिया और शासन व्यवस्था को कई स्तरों पर व्यवस्थित करने का प्रयास किया। सड़कों, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पंचायत सशक्तिकरण और प्रशासनिक सुधार जैसे अनेक क्षेत्रों में उनके कार्यों की चर्चा होती रही है। उनके शासनकाल में बिहार ने अराजकता और अपराध की छवि से बाहर निकलकर विकास और स्थिरता की ओर कदम बढ़ाने का प्रयास किया, इसलिए उनका मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा की ओर जाना केवल एक पद परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक भूमिका के पुनर्निर्धारण के रूप में भी देखा जा रहा है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका को अधिक व्यापक बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है, जबकि कुछ इसे बिहार की सत्ता में नई पीढ़ी और नए नेतृत्व को अवसर देने की रणनीति के रूप में भी देखते हैं। बिहार में अपेक्षित संभावनाएं पूरी तरह आकार नहीं ले पायी, इसलिये भी भाजपा खुद का मुख्यमंत्री लाकर बिहार को विकास से जोड़ना चाहती है। नीतिश कुमार के इस निर्णय के बाद विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। विपक्ष का आरोप है कि विधानसभा चुनाव में जनता ने नीतिश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए वोट दिया था और पाँच वर्षों के जनादेश के बीच में मुख्यमंत्री पद छोड़ना जनता के विश्वास के साथ न्याय नहीं है। विपक्षी दलों का यह भी कहना है कि यह निर्णय राजनीतिक समीकरणों का परिणाम है और इसमें जनता की भावना को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। कुछ विपक्षी नेताओं ने इसे "जनादेश के साथ खिलवाड़" और "राजनीतिक समझौते की राजनीति" करार दिया है। उनका तर्क है कि यदि मुख्यमंत्री बदलना ही था तो जनता के पास फिर से जाने का रास्ता अपनाया जाना चाहिए था। इस प्रकार यह बहस केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता की भी बन गई है। दूसरी ओर, इस पूरे घटनाक्रम को भाजपा की दीर्घकालिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा बिहार में अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को और अधिक मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। यदि राज्य में भाजपा का मुख्यमंत्री आता है, तो यह बिहार की राजनीति के लिए एक नया अध्याय हो सकता है। भाजपा लंबे समय से यह दावा करती रही है कि वह राज्य में विकास, सुशासन और अपराध-मुक्त प्रशासन को और अधिक प्रभावी रूप में लागू करना चाहती है। पार्टी के नेताओं का कहना है कि बिहार में विकास की गति को और तेज करने, निवेश को बढ़ाने, रोजगार के अवसर पैदा करने और प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए नई नेतृत्व संरचना की आवश्यकता है। किसी भी लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन एक सामान्य और आवश्यक प्रक्रिया होती है। यह परिवर्तन यदि लोकतांत्रिक ढंग से और राजनीतिक सहमति के साथ होता है, तो यह व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाता है। बिहार में पिछले दो दशकों में राजनीतिक स्थिरता अपेक्षाकृत बनी रही है और इसका एक बड़ा श्रेय नीतिश कुमार के नेतृत्व को दिया जाता है। अब जब वह सक्रिय प्रशासनिक भूमिका से हटकर संसदीय राजनीति की ओर जा रहे हैं, तो यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नया नेतृत्व उस स्थिरता को किस प्रकार बनाए रखता है। सत्ता परिवर्तन का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इससे शासन व्यवस्था में नए विचार, नई ऊर्जा और नई प्राथमिकताएँ सामने आती हैं। इस घटनाक्रम के साथ बिहार की राजनीति में नई पीढ़ी के प्रवेश और नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा भी तेज हो गई है। कई राजनीतिक पर्यवेक्षक यह मानते हैं कि यह परिवर्तन केवल एक व्यक्ति या दल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले समय में राज्य की राजनीति के पूरे स्वरूप को प्रभावित करेगा। यदि नई नेतृत्व संरचना बिहार के विकास, रोजगार, शिक्षा और सामाजिक समरसता के मुद्दों पर प्रभावी ढंग से काम करती है, तो यह परिवर्तन राज्य के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। यदि सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार इन अपेक्षाओं पर खरी उतरती है, तो यह निर्णय बिहार के लिए सकारात्मक परिणाम ला सकता है। बिहार में प्रस्तावित सत्ता परिवर्तन को भाजपा एक व्यापक राजनीतिक और प्रशासनिक अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी का मानना है कि लंबे समय से विकास, सुशासन, भ्रष्टाचार-मुक्ति और सुरक्षा के जिन मुद्दों पर बिहार पिछड़ता रहा है, उन्हें एक निर्णायक नेतृत्व और कठोर प्रशासनिक इच्छाशक्ति के माध्यम से बदला जा सकता है।

भारत चौथी बार फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम

● टूर्नामेंट में 88 सिक्स भी लगाए, संजू ने कोहली की बराबरी की, यह रिकॉर्ड्स बने

मुंबई (एजेंसी)। भारत ने इंग्लैंड को हराकर चौथी बार टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली। टीम इंडिया 4 वर्ल्ड टी-20 फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में भारत ने इंग्लैंड को 7 रन से मात दी।

भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में इस बार 88 छक्के भी पूरे कर लिए। टीम ने एक एडिशन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी बना दिया। वहीं संजू सैमसन ने 89 रन की पारी खेलते हुए टी-20 वर्ल्ड कप में किसी भारतीय द्वारा सबसे बड़ी पारी खेलने के मामले में विराट कोहली की बराबरी कर ली।

● **भारत चौथी बार फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम**- भारत चौथी बार टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गया है, जो किसी भी टीम द्वारा सबसे ज्यादा है। इससे पहले भारतीय टीम 2007, 2014 और 2024 में फाइनल खेल चुकी थी। पाकिस्तान, श्रीलंका और इंग्लैंड ने 3-3 फाइनल खेले हैं।2026 में फाइनल में पहुंचकर भारत ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। टीम लगातार दो टी-20 वर्ल्ड कप (2024 और 2026) फाइनल में जगह बनाने वाली तीसरी टीम भी बन गई। इससे पहले पाकिस्तान (2007, 2009) और श्रीलंका (2012, 2014) ही यह उपलब्धि हासिल कर सके थे। भारत आईसीसी व्हाइट बॉल टूर्नामेंट में लगातार चौथा फाइनल खेलेगा। टीम 2023 में वनडे वर्ल्ड कप और 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल भी खेल चुकी है।

● **एक टी-20 वर्ल्ड कप मैच में सबसे ज्यादा सिक्स लगे**- भारत और इंग्लैंड ने मिलकर 34 छक्के लगाए, दोनों ने टी-20 वर्ल्ड कप के एक मैच में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने का रिकॉर्ड बना दिया। इस रिकॉर्ड में दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज-जिम्बाब्वे का मैच है। दोनों टीमों ने मिलकर तब 31 सिक्स लगाए थे।मुंबई में खेले गए सेमीफाइनल में भारत और इंग्लैंड के मैच में चौकों की भी बारिश हुई।

भारत को फाइनल में पहुंचाने वाले 5 हीरो

● सैमसन का लगातार दूसरा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड, बुमराह-हार्दिक की गेंदबाजी से सेमीफाइनल जीते

मुंबई (एजेंसी)। भारत टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पहुंच गया है। टीम ने गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को 7 रन से हराया। इस जीत में संजू सैमसन की लगातार दूसरी फिफ्टी और जसप्रीत बुमराह व हार्दिक पंड्या की गेंदबाजी ने बड़ा रोल निभाया। इनके अलावा ईशान किशन और वरुण भी पूरे टूर्नामेंट में टीम के लिए अहम साबित हुए, जिनके प्रदर्शन ने भारत की फाइनल की राह आसान बनाई। सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ करो या मरो मैच में 97 रन की पारी खेली थी। वहीं ईशान किशन की पाकिस्तान के खिलाफ 77 रन की पारी ने टीम को जीत दिलाई थी। उधर वरुण भारत की ओर से टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

जसप्रीत बुमराहः सटीक गेंदबाजी से जिताया

गुरुवार को दूसरे सेमीफाइनल में 254 रन का टारगेट चेज कर रही इंग्लैंड ने 15 ओवर में 5 विकेट पर 185 रन बना लिए थे। उस समय सैम करन 5 और जैकब बेथेल 81 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। मैच इंग्लैंड के पाले में जाता दिख रहा था, तभी कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जसप्रीत बुमराह को गेंद थमाई।बुमराह ने इस ओवर में महज 8 रन दिए, जिससे इंग्लैंड पर दबाव बना। अगले ओवर में अर्शदीप सिंह ने 16 रन खर्च कर दिए। यहां से इंग्लैंड को 18 गेंद में 45 रन बनाने थे। बुमराह ने दबाव भरी परिस्थितियों में शानदार गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 6 रन दिए और भारत की मैच में वापसी करा दी।

● **हार्दिक पंड्या-सेमीफाइनल में दोहरा प्रदर्शन**- इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में हार्दिक पंड्या ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने 12 गेंदों पर 225 के स्ट्राइक रेट से 27 रन बनाए और टीम इंडिया का स्कोर 250 के पार पहुंचा दिया। बॉलिंग करते हुए फिर पहली ही गेंद पर फिल सॉल्ट का विकेट लिया। उन्होंने 19वें ओवर में 9 ही रन दिए और इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेल दिया।पंड्या ने अब तक खेले 8 मैचों में 163.11 के स्ट्राइक रेट से 199 रन बनाए, जिनमें दो फिफ्टी शामिल हैं।

● **ईशान किशन-पाकिस्तान के खिलाफ फिफ्टी लगाई**-ईशान पाकिस्तान के खिलाफ ओपनिंग करने उतरे, लेकिन उनके सामने अभिषेक शर्मा शून्य पर आउट हो गए। इसके बाद ईशान ने तिलक वर्मा के साथ दूसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी की।

● **वरुण चक्रवर्ती-भारत के टॉप विकेट टेकर**-टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में वरुण भारत के टॉप विकेट टेकर हैं। अब तक खेले गए 8 मैचों में वे 13 विकेट चटका चुके हैं। उन्होंने नामीबिया और नीदरलैंड के खिलाफ 3-3 विकेट लिए थे, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ भी 2 विकेट झटके थे। हालांकि, वरुण पिछले 4 मैच में ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ पाए। ग्रुप स्टेज के 4 मैचों में 9 विकेट लेने के बाद वे पिछले 4 मैच में 4 ही विकेट ले सके।

संजू ने बुमराह को प्लेयर ऑफ द मैच बताया

● सूर्या ने कहा- हमने शानदार फील्डिंग की, ब्रूक बोले- सैमसन का कैच भारी पड़ा

संजू सैमसन ने लगातार दूसरे मैच में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीता। इंग्लैंड से पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ 97 रन की पारी के लिए उन्हें यह अवॉर्ड मिला था।मुंबई में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भारत ने इंग्लैंड को 7 रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली। टीम की जीत में संजू सैमसन की 42 गेंदों में 89 रन की शानदार पारी अहम रही, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

गुरुवार रात अवॉर्ड लेने के बाद सैमसन ने कहा कि इस सम्मान के असली हकदार जसप्रीत बुमराह हैं। वहीं सूर्यकुमार यादव ने टीम की फील्डिंग की तारीफ की, जबकि इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने माना कि सैमसन का कैच छोड़ना उनकी टीम को भारी पड़ गया।सैमसन ने प्रेजेंटेशन सेरेमनी में कहा, मैं यह अवॉर्ड बुमराह को देना चाहता हूं। वे वर्ल्ड क्लास बॉलर हैं, ऐसे खिलाड़ी जो पीढ़ी में एक बार आते हैं। आज उन्होंने वही डिलीवर किया। अगर डेथ ओवर्स में उन्होंने उस तरह की गेंदबाजी नहीं की होती, तो शायद मैं आज यहां खड़ा नहीं होता। सारा क्रेडिट हमारे गेंदबाजों को जाता है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में खुद पर भरोसा रखा।

खराब चेस फॉर्म पर बोले डी गुकेश

● कुछ दिन अकेले रहना चाहता था, ऑटोग्राफ न देने पर फैंस से माफी मांगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्राग इंटरनेशनल चेस फेस्टिवल 2026 के सातवें राउंड में भारत के वर्ल्ड चैंपियन डी. गुकेश ने ईरान के परहम मगसूदलू के खिलाफ ड्रॉ खेला। गुकेश प्राग में अब तक एक भी मुकाबला नहीं जीत पाए हैं। उन्होंने तीन मैच हारे और चार ड्रॉ खेले हैं। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन के लिए यह टूर्नामेंट काफी कठिन रहा है। डी. गुकेश ने ईरान के परहम मगसूदलू के खिलाफ ड्रॉ खेला।

गुकेश ने फैंस से माफी मांगी

सातवें राउंड के बाद गुकेश ने फैंस से माफी मांगी और खराब प्रदर्शन को इसकी वजह बताया। मैच के बाद ग्रैंडमास्टर केटी त्सात्सालाशविली से बातचीत में उन्होंने कहा कि वे रोज आने वाले फैंस की सराहना करते हैं, लेकिन कुछ दिनों वे अकेले रहना चाहते थे। उन्होंने कहा कि आमतौर पर वे मैच के बाद ऑटोग्राफ और फोटो देते हैं, लेकिन यहां उनका मूड ठीक नहीं रहा, इसके लिए वे माफी चाहते हैं। हालांकि फैंस का समर्थन उनके लिए बहुत मायने रखता है।

माता-पिता बड़ा सहारा हैं

अपने फॉर्म पर गुकेश ने माना कि वे अच्छा नहीं खेल पाए और मिले मौकों का फायदा नहीं उठा सके। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए खराब टूर्नामेंट रहा। गुकेश ने बताया कि वे कोच ग्रजेगोरज गाजेव्स्की के साथ प्राग आए हैं।

● **संजू सैमसन-लगातार 2 मैच विनिंग पारियां खेलीं**- सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने 20 रन पर अभिषेक शर्मा (9 रन) का विकेट गंवा दिया था। यहां से संजू सैमसन ने 42 गेंद पर 89 रन की पारी खेलकर मजबूत स्कोर की नींव रखी। उन्होंने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 45 गेंद में 97 रन की साझेदारी की।सैमसन ने 1 मार्च को कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ करो या मरो मैच में नाबाद 97 रन की पारी खेली थी। वे 196 रन का टारगेट चेज कर रही भारतीय टीम के लिए ओपनिंग करने उतरे और टीम को जीत दिलाकर लौटे। सैमसन ने 50 गेंद पर नाबाद 97 रन बनाए। वे पिछले दोनों अहम मुकाबलों में प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

व्यापार

फरवरी में बिक गई 24 लाख गाड़ियां, गांवों में बढ़ रही डिमांड, ट्रैक्टर्स की बिक्री में उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। फरवरी का महीना देश के ऑटो रिटेल सेक्टर के लिए काफी शानदार रहा। इस दौरान देश में गाड़ियों की बिक्री में 25.6 फीसदी तेजी आई। खासकर दोपहिया और पैसेंजर गाड़ियों की काफी डिमांड रही। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस के मुताबिक फरवरी में गाड़ियों की कुल सेल 24.09 लाख यूनिट रही जो पिछले साल के मुकाबले 25.62 फीसदी अधिक है। मार्च में भी यह ट्रेंड बरकरार रहने की उम्मीद है। जानकारों का कहना है कि जीएसटी कटौती का असर अब बाजार पर दिख रहा है। दोपहिया, तिपहिया, कमर्शियल, ट्रैक्टर्स और पैसेंजर गाड़ियों की बिक्री में फरवरी महीने का रेकॉर्ड बन गया।

अनिल अंबानी से जुड़े ठिकानों पर छापे, ईडी का बड़ा एक्शन, लेकिन शेयरों में तेजी

ईडी की करीब 15 विशेष टीमों ने भोर में यह तलाशी अभियान शुरू किया

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज सुबह-सुबह बड़ी कार्रवाई करते हुए उद्योगपति अनिल अंबानी और उनकी कंपनी रिलायंस पावर लिमिटेड से जुड़े कई कारोबारियों के ठिकानों पर छापे मारे हैं। ईडी की करीब 15 विशेष टीमों ने भोर में यह तलाशी अभियान शुरू किया, जो फिलहाल मुंबई में 10 से 12 स्थानों पर जारी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज सुबह-सुबह बड़ी कार्रवाई करते हुए उद्योगपति अनिल अंबानी और उनकी कंपनी रिलायंस पावर लिमिटेड से जुड़े कई कारोबारियों के ठिकानों पर छापे मारे हैं। सूत्रों के मुताबिक, ईडी की करीब 15 विशेष टीमों ने अर्ली मॉर्निंग में यह

तलाशी अभियान शुरू किया, जो फिलहाल मुंबई में 10 से 12 स्थानों पर जारी है। ये कार्रवाई बिजली कंपनी रिलायंस पावर से जुड़े लोगों के आवासीय और कार्यालय पते पर केंद्रित है। इस छापे की खबर के बावजूद रिलायंस पावर के शेयरों में करीब 2 प्रतिशत की उछाल है और ये 23 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, रिलायंस इंफ्रा के शेयर 4 पर्सेंट से अधि उछलकर 94.20 रुपये पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर द इंडियन एक्सप्रेस ने एक सोर्स के हवाले से कन्फर्म किया है कि ऑपरेशन मुंबई और हैदराबाद की जगहों पर फोकस थे, हालांकि जांच में कॉम्प्रोमाइज से बचने के लिए खास पते नहीं बताए गए। ये रेड श्वष्ठ के अनिल अंबानी के मुंबई के पॉश पाली हिल इलाके में मौजूद घर 'अबोड' को प्रोविजनली अटैच करने के कुछ दिनों बाद की गई।

दो कंपनियां ट्रेड कर रही हैं एक्स-बोनस, 5त्न तक उछला शेयर, आपका है किसी पर दांव

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में दो कंपनियां आज एक्स-बोनस ट्रेड करने जा रही हैं। इन दो कंपनियों में एक कंपनी एलकेपी फाइनेंस लिमिटेड है। आइए इनके स्टॉक प्रदर्शन से लेकर सभी डीटेल्स को जान लेते हैं। शेयर बाजार में दो कंपनियां आज एक्स-बोनस ट्रेड करने जा रही हैं। इन दो कंपनियों में एक कंपनी एलकेपी फाइनेंस लिमिटेड है। आइए इनके स्टॉक प्रदर्शन से लेकर सभी डीटेल्स को जान लेते हैं। गुरुवार को कंपनी के शेयर मार्केट के बंद होने के समय पर 1.47 प्रतिशत की गिरावट के बाद 965.95 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था। कंपनी निवेशकों को एक शेयर पर 4 शेयर बोनस दे रही है। इसेक लिए आज यानी 6 मार्च की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया था। पिछले तीन महीने में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 8.8 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, 6 महीने में कंपनी के शेयरों का भाव 61 प्रतिशत बढ़ा है। एक साल से कंपनी के शेयरों को होल्ड करने वाले इन्वेस्टर्स को अबतक 192 प्रतिशत का फायदा हुआ है। बोनस शेयर के एडजस्टेड प्राइस के बाद कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। सुबह करीब 4 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है।

● रिधिमा नागपाल राजधानी दिल्ली की रहने वाली हैं

ट्रिप पर मिले आइडिया ने किया कमाल, तीन महीने में 8 लाख की कमाई, 20 साल की लड़की का ये है बिजनेस

नई दिल्ली, एजेंसी। रिधिमा नागपाल राजधानी दिल्ली की रहने वाली हैं। वह सिर्फ 20 साल की हैं। न्यूयॉर्क सिटी की एक ट्रिप पर मिले आइडिया ने उनकी जिंदगी बदल दी। उस ट्रिप में उन्होंने खास डेजर्ट कल्चर का अनुभव किया। उसी से प्रेरित होकर उन्होंने नवंबर 2025 में टफ मफ एंड कंपनी की नींव रखी। यह न्यूयॉर्क सिटी कल्चर से प्रेरित एक प्रीमियम डेजर्ट क्लाउड किचन है। वेंचर मोटी, चंकी अमेरिकन-स्टाइल कुकीज और स्वादिष्ट डेजर्ट बनाने पर फोकस करता है। सिर्फ 3 महीनों में कंपनी ने 8 लाख रुपये की कमाई की। आइए, यहां रिधिमा नागपाल की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। रिधिमा नागपाल दिल्ली में जन्मी और पली-बढ़ीं। उन्होंने 2023 में रायन इंटरनेशनल स्कूल से अपनी पढ़ाई पूरी की। वह एक एंटरप्रेन्योरियल परिवार से हैं। रिधिमा दिल्ली यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग से साइकोलॉजी में बीए(ऑनर्स) कर रही हैं। अभी वह अपने सेकंड ईयर में हैं। 13 साल की उम्र में रिधिमा अपनी मां सुचेता के साथ न्यूयॉर्क सिटी गई थीं। उस ट्रिप के दौरान उन्होंने एक ऐसे डेजर्ट कल्चर का अनुभव

किया जो उनके पहले के कल्चर से बहुत अलग था। उस पल ने उन पर गहरी छाप छोड़ी। बाद में दिल्ली में अपने क्लाउड किचन के जरिए उसी अनुभव ने उनके विजन को प्रेरित किया। अपनी पढ़ाई के साथ रिधिमा ने अगस्त 2023 से नवंबर 2024 तक नई दिल्ली के हौज खास में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कलिनरी आर्ट्स में प्रोफेशनल कुकिंग ट्रेनिंग ली। यह 15 महीने का एक मुश्किल प्रोग्राम था। इस दौरान उन्होंने सिटी एंड गिल्ड्स (ब्रिटेन) से पेस्ट्री शेफ और बेकर के तौर पर सर्टिफिकेशन हासिल किया। वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ शेफ्स सोसाइटीज (पेरिस) से भी सर्टिफाइड हुईं। दादी के गुजर जाने के बाद रिधिमा के दादाजी ने उनकी पुरानी हाथ से लिखी रेसिपी डायरी शेयर की। रिधिमा की दादी बेकर थीं। रिधिमा अक्सर टी केक और कुकीज के नोट्स पढ़ती थीं। अपनी किचन में दादी के उन जाने-पहचाने फ्लेवर पर उन्होंने फिर से हाथ आजमाए। शुरू में उनकी कई कोशिशें फेल हो गईं। अपनी टेक्निक को बेहतर बनाया। बेकिंग के पीछे के साइंस की अपनी समझ को गहरा किया। न्यूयॉर्क शहर में एक टीनएजर के तौर पर अपने सफर को याद किया। तब उन्हें एक बिल्कुल अलग डेजर्ट कल्चर से इंट्रोड्यूस कराया गया था। उस इंस्पिरेशन को कुकीज और टी केक बेक करने के अपने पैशन के साथ मिलाकर उन्होंने न्यूयॉर्क-स्टाइल डेजर्ट की यादों को अपने क्रिएशन में डाला। फिर 2022 में अपनी होम बेकरी लॉन्च की। अपनी होम बेकरी चलाते समय रिधिमा को उनके दोस्तों ने भी हिम्मत दी। शुरू में उन्होंने बेकरी चलाने के लिए लगभग 15,000-20,000 रुपये इन्वेस्ट किए।

इस नए शेयर पर निवेशक फिदा, ब्रोकरेज ने कहा- 175 रुपये तक जाएगा भाव, खरीद लो

नईदिल्ली, एजेंसी। लॉजिस्टिक सॉल्यूशन प्रोवाइडर शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयर में गुरुवार को तूफानी तेजी थी। शैडोफैक्स की बात करें तो इस कंपनी को फ्लिपकार्ट, टीपीजी, एट रोड्स वेंचर्स, मिराए एसेट वेंचर्स और नोकिया ग्रोथ फंड्स जैसे प्रमुख निवेशकों का समर्थन प्राप्त है। लॉजिस्टिक सॉल्यूशन प्रोवाइडर शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयर में गुरुवार को तूफानी तेजी थी। इस बीच, शेयर को लेकर एक्सपर्ट भी बुलिश हैं। बता दें कि इस कंपनी का आईपीओ हाल ही में लॉन्च हुआ ओर शेयर की लिस्टिंग हुई। शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयर परफॉर्मेंस की बात करें तो 124.15 रुपये पर है। एक दिन पहले के मुकाबले शेयर 4.33त्न बढ़कर बंद हुआ। इस शेयर का ट्रेडिंग रेंज 124.65 रुपये से 118.05 रुपये के बीच रहा। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 127.75 रुपये और लो 98.60 रुपये है। ब्रोकरेज सिक्योरिटीज ने शेयर का टारगेट प्राइस 175 रुपये तय किया है।

ब्रोकरेज के मुताबिक भारत के एक्सप्रेस पार्सल सेगमेंट में हुए एकीकरण से शैडोफैक्स को काफी फायदा हुआ है। पिछले एक साल में यह दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बनकर उभरी है और इसने सालाना आधार पर 1,000 बीपीएस से अधिक की बाजार हिस्सेदारी हासिल की है। हमारा अनुमान है कि दिसंबर 2026 तक इसकी वॉल्यूम बाजार हिस्सेदारी लगभग 27-28 थी। हमारा मानना है कि शैडोफैक्स आगे के एकीकरण, ग्राहकों के विविधीकरण और पिन कोड विस्तार के चलते वित्त वर्ष 2026 के अंत से 2028 के अंत तक 27की राजस्व सीएजीआर देने के लिए अच्छी स्थिति में है। एबिटा मार्जिन में वित्त वर्ष 2026 के अंत में 3.7 से वित्त वर्ष 2028 के अंत में 5.6(वित्त वर्ष 2026 के अंत से 2028 के अंत तक 56सीएजीआर) तक विस्तार होने की उम्मीद है। ब्रोकरेज ने कहा कि हम शैडोफैक्स पर खरीदें रेटिंग और 175 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ कवरेज शुरू करते हैं। 124 रुपये के मुकाबले नौ प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सूचीबद्ध हुआ था। बीएसई में शेयर 8.87 प्रतिशत की गिरावट के साथ 113 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। वहीं, एनएसई पर शेयर ने 112.60 रुपये पर कारोबार शुरू किया जो इश्यू प्राइस से 9.19 प्रतिशत कम है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)